नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 13

अंक : 26

सोमवार, 31 जुलाई से 06 अगस्त 2023

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक... 03

इंडिया बनाम भारत या इंडिया जो भारत है? 08

सोशल मीडिया अपडेट से सानिया और शोएब के अलग होने की अटकलें 10

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष 11

दीपिका की मां को लेकर रणवीर सिंह ने किया खुलासा 12

NCR समाचार

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

'मोदी उपनाम' मानहानि मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

सजा पर लगाई रोक, बहाल होगी सांसदी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'मोदी सरनेम केस' में बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मानहानि का दोषी पाए जाने पर मिली दो साल की सजा पर रोक लगा दी है। अब वह संसद में जाकर भागीदारी कर सकते हैं और उनकी सांसदी बहाल रहेगी। यदि इस सजा पर रोक नहीं लगती तो राहुल गांधी सांसदी से अयोग्य हो जाते और अगले 8 साल तक चुनाव भी नहीं लड़ पाते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राहुल गांधी, कांग्रेस और INDIA के तौर पर बने पूरे विपक्षी गठबंधन के लिए राहत की खबर है।

केस की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, 'हम यह जानना चाहते हैं कि अधिकतम सजा ही क्यों दी गई। यदि जज ने 1 साल और 11 महीने की भी सजा दी होती तो वह अयोग्य घोषित न होते।' इस पर पूर्णेश मोदी के वकील ने कहा कि ऐसी सजा शायद इसलिए दी गई क्योंकि राहुल गांधी को पहले ही हिदायत दी गई थी, लेकिन उनके बर्ताव में कोई बदलाव नहीं आया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि इस केस में एक दिन की भी कम सजा होती तो राहुल गांधी सांसद रहते।

राहुल की सदस्यता जिस तेजी से खत्म की, उसी गति से बहाल हो : कांग्रेस

नई दिल्ली। मोदी सरनेम प्रकरण में उच्चतम न्यायालय के फैसले से उत्साहित कांग्रेस ने आज कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता को उसी तेजी से बहाल किया जाना चाहिए जिस तेजी उसे खत्म किया गया था और उनके नेता को सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में बोलने का मौका मिलना चाहिए।

श्री गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मानहानि मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने के उच्चतम न्यायालय के फैसले को ह्यसच्चाई की जीतह्न बताया है। उन्होंने कहा ह्नआज नहीं तो कल सच्चाई की जीत होती है। मुझे अपना लक्ष्य पता है, मैं जानता हूं मुझे क्या करना है। मेरी सोच स्पष्ट है, मेरा क्या काम है उसको लेकर मेरे दिमाग में सब कुछ क्लीयर है। जिन्होंने हमारी मदद की और जनता ने जो प्यार और समर्थन दिया, उसके लिए सभी का धन्यवाद।

श्री खडगे ने संवाददाता सम्मेलन में कहा आज बहुत ही खुशी का दिन है। लोकतंत्र की जीत हुई है, संविधान की जीत हुई है। मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। यह कांग्रेस पार्टी की नहीं पूरे भारत की और लोकतंत्र की जीत है। ये भारत की जनता की जीत है। राहुल गांधी जी सच्चाई और देशहित के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक चार हजार किमी से ज्यादा चलकर सभी वर्ग के लोगों से मिले हैं, उन सबकी दुआएं हमारे साथ हैं। राहुल गांधी जी को डिसक्वालीफाई करने में सिर्फ 24 घंटे लगाए गए थे, अब देखना है कि उन्हें रीइन्स्टेट कब करते हैं।

उन्होंने कहा ह्नयह लोगों की जीत है, वोटरों की जीत है। वायनाड की जनता की जीत है। अब देखना यह है कि जिन राहुल गांधी की तत्काल संसद की सदस्यता खत्म की गई थी अब देखना है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें बहाल करने में कितना समय लेते हैं। इतना इंतजार किया है, थोड़ा और कर लेंगे।

बेंच बोली- लोकसभा क्षेत्र की जनता भी प्रभावित हुई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के आदेश के प्रभाव व्यापक हैं। इससे न केवल राहुल गांधी का सार्वजनिक जीवन में बने रहने का अधिकार प्रभावित हुआ, बल्कि उन्हें चुनने वाले मतदाताओं का अधिकार भी प्रभावित हुआ। सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि निचली अदालत के न्यायाधीश द्वारा अधिकतम सजा देने का कोई कारण नहीं बताया गया है, अंतिम फैसला आने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला किसी एक शख्स का नहीं है बल्कि पूरे संसदीय क्षेत्र का है। कैसे उन्हें उनके नुमाइंदे से वंचित किया जा सकता है।

कोई मर्डर या रेप थोड़ी किया था : राहुल के वकील

सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह कोई मर्डर, रेप या अगवा करने का केस थोड़ी है, जिसे जज ने गंभीर माना था। सिंघवी ने कहा, 'राहुल गांधी कोई बहुत बड़े अपराधी नहीं है। उन पर भाजपा के कार्यकताओं ने बहुत केस कराए हैं, लेकिन किसी में भी उन्हें दोषी नहीं पाया गया। पहले ही राहुल गांधी इस मामले के चलते संसद के दो सदन में नहीं जा सके हैं।'

राहुल गांधी को राहत पर क्या बोले मानहानि का केस करने वाले पूर्णेश मोदी

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है और उन्हें मोदी सरनेम केस में मिली दो साल की सजा पर रोक लग गई है। शीर्ष अदालत से राहुल गांधी की सजा पर रोक लगने के बाद अब उनकी सांसदी भी बहाल हो जाएगी। इस बीच उनके खिलाफ मानहानि केस करने वाले पूर्णेश मोदी का बयान भी आया है। भाजपा के पूर्व विधायक ने कहा कि हमारी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि निचली अदालत ने राहुल गांधी को दोषी मानते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद गुजरात हाई कोर्ट ने भी हमारी तरफ फैसला देते हुए सजा पर रोक नहीं लगाई।

पूर्णेश मोदी ने कहा, 'अब सुप्रीम कोर्ट में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाई गई है। इस कानूनी प्रक्रिया में हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। अब यह केस सेशन कोर्ट में चलेगा। अब हमारी लड़ाई वहीं पर लड़ी जाएगी।' इस दौरान पूर्णेश मोदी के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि निचली अदालत ने अधिकतम सजा के लिए कारण नहीं बताया। मोदी ने कहा कि निचली अदालत में हमारी तरफ से और समाज की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। हम सभी बातें अब अपील की अर्जी पर रखेंगे। अभी अपील की अर्जी पर फैसला होना बाकी है।

दिल्ली सरकार विधेयक 2023 लोकसभा से पारित

एनसीआर समाचार

नयी दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) विधेयक, 2023 पारित किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग करता रहा। सदन में हंगामा होता रहा, लेकिन आज इस विधेयक के लिए आप सब यहां आ गए। इसी विधेयक के लिए क्यों आए? बाकी नौ विधेयक के लिए क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि आपके लिए देश नहीं गठबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पास होने के बाद अरविंद केजरीवाल आपको टाटा-बाय बाय कर देंगे। विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन में और दो-तीन लोगों को शामिल कर लीजिए, लेकिन अगले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही बनने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि गठबंधन टूटने वाला विधेयक जैसे ही सामने आया, विपक्षियों को मणिपुर, दंगा, लोकतंत्र इत्यादि याद नहीं आया। तमाम विपक्षी एकत्रित होकर सामने बैठे हैं और यह लोग 130 करोड़ लोगों को बताते हैं कि हमें मणिपुर, लोकतंत्र की चिंता नहीं है सिर्फ चुनाव की चिंता है।

गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग का कोई मामला नहीं है। यहाँ जो मामला है वह यह है कि इसके बहाने सतर्कता विभाग को अपने अधीन लेना है ताकि उनके भ्रष्टाचार को उजागर नहीं किया जा सके। उन्होंने कहा कि मैं विपक्षी पार्टियों से कहना चाहता हूं कि आप दिल्ली के बारे में सोचें अपने गठबंधन के बारे में नहीं क्योंकि नरेंद्र मोदी ही एक बार फिर प्रधानमंत्री बनकर आने वाले हैं जनता ने अपना मन पहले ही बना लिया है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : हरदीप पूरी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की अर्थव्यवस्था में 'ब्राइट स्पॉट' बन गया है। पिछले नौ वर्षों में भारतीय विदेश नीति, व्यापार नीति, उर्जा नीति और नई गतिविधियों में बड़े बदलाव की वजहों से विश्व बैंक, आईएमएफ और दुनिया की बड़ी वित्तीय संस्थान भारत को चमकते सितारे की तरह देख रहे हैं, जबकि कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों को देश में विकास नहीं दिख रहा है और महंगाई-बेरोजगारी के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

हरदीप सिंह पुरी के कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। आईएमएफ के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत एक 'चमकता स्थान', भारत 2023 में वैश्विक विकास में 15 फीसदी का योगदान देगा। हाल के अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का विकास दर 6.1 फीसदी से 6.5 फीसदी (आईएमएफः 6.1 फीसदी; विश्व बैंकः 6.3 फीसदी; आरबीआईः 6.5 फीसदी) के बीच रहेगी। वित्तीय संस्थानों का अनुमान है कि 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था 3.75 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगी।

विश्व बैंक के अनुसार, 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 2.04 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर थी। 2014 में भरतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में दसवें स्थान पर थी और आज पांचवें स्थान पर पहुँच गयी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक देश विकसित भारत बनाने के लिए संकल्पित है।

मोदी ने देशभर में कुल 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की परियोजनाओं की आधारशिला रखी

भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल गया है : मोदी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के भर में कुल 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की रविवार को आधारशिलाएं रखीं। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत विकसित किए जाने वाले ये स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में फैले हैं। इस मौके पर पीएम ने कहा कि विकसित होने के लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा रहा भारत अपने अमृत काल के प्रारंभ में है। नई ऊर्जा, प्रेरणा, संकल्प है। भारतीय रेल के इतिहास में भी एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। भारत के करीब 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशन अब अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तौर पर विकसित किए जाएंगे और उनका पुनर्विकास आधुनिकता के साथ होगा।

उन्होंने कहा कि इससे देश के सभी राज्यों को लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश में करीब 4500 करोड़ रुपये के खर्च से 55 अमृत स्टेशन को विकिसत किया जाएगा। राजस्थान के भी 55 रेलवे स्टेशन अमृत रेलवे स्टेशन बनेंगे। उन्होंने रेल मंत्रालय की सराहना की और देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रेलवे में जितना काम हुआ है वह हर किसी को प्रसन्न और हैरान करती है। दुनिया में दक्षिण अफ्रीफा, यूक्रेन, पोलैंड, यूके और स्वीडन जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है उससे अधिक रेल ट्रैक हमारे देश में इन 9 वर्षों में बिछाए गए हैं। साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कुल जितना रेल ट्रैक है उससे अधिक रेल ट्रैक भारत में अकेले पिछले साल बनाए हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि रेलवे में जिस तरह से काम हुआ है, किसी भी प्रधानमंत्री का मन करेगा कि इनका जिक्र 15 अगस्त को लाल किले से करे। जब 15 अगस्त सामने है तो मन बहुत लालायित होता है कि उसी दिन इसकी चर्चा करूं। आज यह इतना विराट आयोजन हो रहा है कि देशे के कोने-कोने से लोग जुड़ें हैं कि मैं अभी इस बात पर इतने विस्तार से चर्चा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारा जोर भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर है। 2030 तक भारत एक ऐसा देश होगा जिसकी रेलवे नेट जीरो उत्सर्जन पर चलेगी।

उन्होंने इस मौके पर कहा कि आज भी विपक्ष का एक धड़ा पूराने धरे पर चल रहा है। वह आज भी ना खुद कुछ करेंगे ना करने देंगे। सरकार ने संसद की नई इमारत बनवाई, कर्तव्य पथ का विकास किया लेकिन विपक्ष ने इसका भी विरोध किया। हमने वॉर मेमोरियल बनाया उसका भी विपक्ष ने विरोध किया। सरदार वल्लभ भाई के मुर्ती को लेकर विरोध किया। इनका (विपक्ष) एक भी नेता स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर नहीं गया। उन्होंने कहा कि हर भारतीय के लिए अगस्त बहुत विशेष महीना होता है। ये महीना क्रांति का है, कृतज्ञता का है, कर्तव्य भावना का है।

24470 करोड़ होगी परियोजना की लागत

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में बताया कि इस पुनर्विकास परियोजना की लागत 24,470 करोड़ होगी और इससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान होंगी। प्रधानमंत्री जिन रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे, उनमें उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 55-55, बिहार के 49, महाराष्ट्र के 44, पश्चिम बंगाल के 37, मध्य प्रदेश के 34, असम के 32, ओडिशा के 25, पंजाब के 22, गुजरात और तेलंगाना के 21-21, झारखंड के 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के 18-18, हरियाणा के 15 और कर्नाटक के 13 स्टेशन शामिल हैं।

विश्व स्तरीय सुविधाएं देना प्राथमिकता

पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रावधान पर जोर देते हैं और रेलवे लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन है। उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व को प्राथमिकता दी है। इस दृष्टिकोण से 1,309 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए ह्यअमृत भारत स्टेशन योजनाह्न शुरू की गई। योजना के तहत पीएम मोदी 508 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखेंगे।

ज्ञानवापी सर्वेक्षण पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वाराणसी के विवादित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने के जिला अदालत के आदेश पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सर्वेक्षण करने के जिला अदालत के 20 जुलाई के आदेश के फैसले पर मुहर लगाने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति वाराणसी की याचिका खारिज करते हुए सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप करने का उन्हें कोई कारण नजर नहीं आता।

शीर्ष अदालत के समक्ष दायर अपनी विशेष अनुमति याचिका में अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति

मस्जिद प्रबंधन की याचिका खारिज

वाराणसी ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा तीन अगस्त को पारित आदेश पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी।

पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ घंटे बाद दायर की गई विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता एम निजामुद्दीन पाशा ने पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई थी।

शीर्ष अदालत के समक्ष श्री पाशा ने सर्वेक्षण पर तत्काल रोक लगाने की गुहार लगाते हुए कहा था, "मैंने विशेष अनुमति याचिका ईमेल कर दी है...उन्हें (सर्वेक्षण) जारी न रखने दें।"

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने जवाब दिया था, "हम इस पर तुरंत विचार करेंगे।"

मस्जिद का प्रबंधन करने वाली इस समिति ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के कुछ घंटों के भीतर ही शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस फैसले पर मुहर लगा दी थी, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी।

समिति ने अपनी विशेष अनुमति याचिका में दलील दी थी कि उच्च न्यायालय के आदेश को "इस तरह के अभ्यास से उत्पन्न गंभीर जोखिमों के कारण रद्द किया जा सकता है, जिसके पूरे देश में परिणाम हो सकते हैं। याचिका में पिछले साल एक सर्वेक्षण के लिए एक आयुक्त नियुक्त किए जाने पर "पूरे मुद्दे की अत्यधिक मीडिया कवरेज और सांप्रदायिक रंगों" का हवाला दिया गया था। इस आधार पर यह भी दावा किया गया था कि ऐसी यह पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के प्रावधानों के "बिल्कुल" खिलाफ थी। इस अधिनियम के तहत 15 अगस्त 1947 को प्रचलित धार्मिक स्थानों के स्वरूप को बनाए रखना अनिवार्य कर दिया था।

विदेशों से पार्थिव शरीर के लिए ऑनलाइन सुविधा

नई दिल्ली। विदेशों में प्राण त्यागने वाले भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सरकार ने ई. केयर पोर्टल की शुरूआत की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया शुक्रवार को इस पोर्टल की शुरूआत की। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और डॉ. प्रवीण भारती पवार तथा तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री श्री एम सुब्रमण्यम मौजूद रहे। श्री मांडविया ने कहा कि इससे मानव अवशेषों के परिवहन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित और तेज होगी। प्रो. बघेल ने कहा कि जब किसी व्यक्ति की दूसरे देश में मृत्यु हो जाती है, तो मृतक के अवशेषों को भारत वापस लाने के लिए बहुत सारी कागजी कार्रवाई और प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे परिवार और दोस्त निराश हो जाते हैं।

31 अगस्त और 1 सितंबर को हो सकती है 'इंडिया' की अगली बैठक

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। विपक्ष के 26 दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की अगली बैठक मुंबई में 31 अगस्त और एक सितंबर को हो सकती है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पहले यह बैठक अगस्त के आखिरी सप्ताह में होनी थी, लेकिन कुछ नेताओं ने अपने व्यस्त कार्यक्रमों का हवाला देते हुए उपलब्ध होने में असमर्थता जताई।

विपक्षी गठबंधन के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, हमारे गठबंधन की अगली बैठक मुंबई में 31 अगस्त और एक सितंबर को होगी। 31 अगस्त को विपक्षी नेताओं के लिए रात्रिभोज रखा गया है। एक सितंबर को दिन में औपचारिक बैठक होगी और फिर शाम के समय संयुक्त संवाददाता सम्मेलन होगा।

सूत्रों ने बताया कि यह बैठक पवई इलाके के एक होटल में होनी है। ऐसा पहली बार होगा कि 'इंडिया' के घटक दलों की बैठक ऐसे किसी राज्य में होने वाली है, जहां इनमें से कोई भी पार्टी सत्ता में नहीं है। विपक्षी दलों की पहली बैठक 23 जून को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा पटना में आयोजित की गई थी। दूसरी बैठक 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की गई थी और इसकी मेजबानी कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने की थी।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

मुख्यमंत्री को सामने पाकर युवाओं का उत्साह हुआ दोगुना

एनसीआर समाचार

रायपुर। जयंती स्टेडियम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जैसे ही पहुंचे, यहां भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में शामिल होने आए युवाओं का उत्साह दोगुना हो गया। सभी युवाओं ने मुख्यमंत्री ने जोरदार स्वागत करते हुए कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सीएम से अपने मन की बात कही। वहीं मुख्यमंत्री ने भी खुलकर युवाओं से बातचीत कर उनके मन की बात सुनी।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा- कका अभी जिंदा है। यह सुनकर स्टेडियम में उपस्थित युवाओं के चेहरों पर जोरदार मुस्कान छा गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने चिरपरिचित छत्तीसगढि?ा अंदाज में बातचीत का सिलसिला प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि पिछले साल 4 मई से हमने भेंट मुलाकात कार्यक्रम आरम्भ किया। सबसे भेंट की, समाज प्रमुखों से मिले। उस समय मन में आया कि युवाओं के साथ पृथक से संवाद किया जाए।

मुख्यमंत्री ने पूछा कि किन युवाओं ने रायपुर और बिलासपुर का प्रोग्राम यूट्यूब से देखा? इस पर अधिकांश युवाओं ने पूर्ण उत्साह के साथ अवाज लगाते हुए कहा कि हमने देखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ युवाओं ने अपनी आकांक्षा बताई। उनका जो सपना है। वही हमारे पुरखों का भी सपना था। सरकार का भी यही सपना है। पौने 2 लाख करोड़ रुपये पैसा डालने का काम हमारी सरकार ने किया। इससे मंदी नहीं आई। यूनिवर्सिटी खोले, 4 मेडिकल कॉलेज खोले। जहां -जहां भेंट मुलाकात के लिए गए, दो मांग आती है स्वामी आत्मानंद स्कूल खोल दें और बैंक खोल दें। इतने साल हो गए इंग्लिश माध्यम के कॉलेज नहीं थे। हमने 10 कॉलेज खोले। आगे भी खोलेंगे। अब छत्तीसगढ़ की पहचान हमारी विशिष्ट संस्कृति से है। चाहे आदिवासी परम्परा हो, राम वन पथ गमन हो, कबीर सरोवर हो या बाबा घासीदास के पुण्यस्थलों से जुड़े स्थलों का विकास। 1 मई को जब हम बोरे बासी खाये तो सभी ने खाया। अब शिक्षा और संस्कृति से सम्पन्न भविष्य नई पीढ़ी का होगा।

हमको मन की शक्ति देना, मन विजय करें। कमलेश साहू दिग्विजय कॉलेज से ने बताया कि ज्ञानेश्वरी जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय पदक लाये हमारे यहां की ही है। हमको अंतरराष्ट्रीय खेलना है तो पीटी टीचर गांव में भी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले केवल 2 आवासीय खेल अकादमी थी, अब 8 हैं। खेल को बढ़ावा देने हम विशेष प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए नियत समय के लिए स्कूलों हेतु कोच से एग्रीमेंट कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे खिलाडि?ों ने 13 पदक जीते हैं। आप बस्तर, राजनांदगांव, बिलासपुर के स्टेडियम देखिए। भिलाई में तो खेल का रुझान है। ऐसे खेलों का भी आयोजन हो रहा है जिनका नाम भी नहीं सुना। अबूझमाड़ के खिलाडि?ों ने मल्लखंभ में देश भर में नाम कमाया है। खैरागढ़ के सुनील सिल्हारे ने अपनी कविता सुनाई तो वहीं कहा कि संगीत कला की डिग्री हमारे पास है, स्कूलों में इनकी भर्ती हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के महाविद्यालय नहीं थे अब 5 कॉलेज हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाविद्यालय खोले हैं तो प्राध्यापकों की भी भर्ती होगी। अंकित ने कहा कि मैं कृषि का छात्र हैं। ग्राम सेवक के कुछ पोस्ट खाली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी 41 हजार पदों पर भर्ती की है। उन्होंने कहा कि कुछ युवाओं का सुझाव आया है कि लगातार प्रतियोगी परीक्षा न ली जाए इस पर विचार चल रहा है। आयुर्वेद में भर्ती के लिए हरीश साहू ने अनुरोध किया कि मैं बेमेतरा के मेढ़की गांव से हूं। स्वास्थ्य केंद्र में भी इनकी नियुक्ति हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी 121 पद की वैकेंसी निकली है और भी निकालेंगे।

नर्सिंग छात्रा संजना साहू ने कहा कि बिल्डिंग नहीं है हमारे संस्थान में। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही बिल्डिंग बना देंगे।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने 2020 के चुनाव परिणाम बदलने के प्रयासों के आरोपों से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को बदलने के प्रयास करने संबंधी आरोपों को मानने से इनकार कर दिया। ट्रंप यहां की एक संघीय अदालत में पेश हुए।

उन्होंने भारतीय मूल के अमेरिकी न्यायाधीश मजिस्ट्रेट मोक्षिला उपाध्याय की अदालत में 'जुर्म स्वीकार नहीं करने संबंधी याचिका दाखिल की है। ट्रंप अगले वर्ष होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में खड़े होने की तैयारी कर रहे हैं। वह वाहनों के बड़े काफिले के साथ अदालत परिसर पहुंचे।

सुनवाई शुरू होने पर न्यायाधीश उपाध्याय ने प्रश्न किया, " एक से चार तक के आरोपों पर ट्रंप का क्या कहना है?" इस पर अपने वकीलों से घिरे ट्रंप ने कहा, "कोई अपराध नहीं किया।"

न्यायाधीश ने ट्रंप को बताया कि उन्हें जाने दिया जाएगा लेकिन इन शर्तों के साथ कि उन्हें जब भी अदालत में बुलाया जाएगा, उन्हें उपस्थित होना होगा। ट्रंप को अब अमेरिकी जिला न्यायाधीश तान्या छुटकन की अदालत में 28 अगस्त को पेश होना है, लेकिन उनके पास व्यक्तिगत तौर पर पेशी से छूट का विकल्प मौजूद है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 2020 के चुनाव में उनकी हार संबंधी परिणाम को पलटने के प्रयास करने के संबंध में संघीय अदालत ने चार आरोप तय किए।

इस साल यह तीसरी बार है जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक अभियोग तय किए गए हैं। अमेरिका के न्याय विभाग के विशेष अधिवक्ता ने 45 पन्नों का अभियोग पत्र जमा किया था जिसपर ग्रैंड ज्यूरी ने महीनों तक सुनवाई की और ट्रंप के कुछ करीबियों के बयान दर्ज किए ताकि पता लगा सके कि उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के तत्कालीन उम्मीदवार जो बाइडन से मिली हार को बदलने के लिए किस तरह की कोशिश की। बाइडन ने उक्त चुनाव में जीत के बाद जनवरी 2021 में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी।

ट्रंप (77) के खिलाफ अमेरिका को धोखा देने की साजिश रचने, गवाहों से छेड़छाड़ करने, नागरिकों के अधिकारों के खिलाफ साजिश रचने और आधिकारिक प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश का अभियोग तय किया गया है। अमेरिका के 2020 राष्ट्रपति चुनाव के फैसले को बदलने की नियत से छह जनवरी 2021 को जब संसद बाइडन की जीत की पुष्टि करने वाली थी उस दिन ट्रंप के समर्थकों ने 'यूएस कैपिटल' (अमेरिकी संसद भवन) पर हमला किया था।

अभियोग पत्र में कहा गया, "हार के बावजूद प्रतिवादी (ट्रंप) सत्ता में बने रहने को प्रतिबद्ध था। इसलिए तीन नवंबर 2020 को चुनाव के दिन से करीब दो महीने से अधिक समय तक प्रतिवादी ने झूठ फैलाया कि चुनाव के नतीजे फर्जी हैं और वास्तव में उसने जीत दर्ज की है। ये दावे गलत थे और प्रतिवादी यह जानता था।"

ट्रंप ने अपने बयान में समर्थकों से कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया गया और उनपर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। ट्रंप ने उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि 2020 के चुनाव के बाद उन्होंने कुछ गलत किया था।

बेस्ट के निजी बस संचालकों की हड़ताल जारी

1,300 से अधिक बसें नहीं चलीं

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में सार्वजनिक परिवहन निकाय 'बेस्ट' द्वारा नियुक्त निजी बसों के संचालकों के वाहन चालकों की हड़ताल शुक्रवार को तीसरे दिन और तेज हो गई, जिसके कारण 1,300 से अधिक बसें नहीं चलीं। इस हड़ताल की वजह से यात्रियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम के एक प्रवक्ता ने बताया कि परिवहन निकाय की कुल 1,671 निजी बसों में से 1,375 आज सुबह से कोलाबा, वर्ली, मजास, शिवाजी नगर, घाटकोपर, देवनार, मुलुंड, सांताक्रूज, ओशिवारा और मगाथेन समेत 20 डिपो से बाहर नहीं निकलीं।

बेस्ट के एक अधिकारी ने बताया, निजी बस संचालकों के वाहन चालकों की वेतन में वृद्धि समेत अन्य मांगों को लेकर चल रही हड़ताल तीसरे दिन और भी तेज हो गई। ज्यादातर वाहन चालक बेस्ट के चार बड़े निजी बस संचालकों मातेश्वरी, एसएमटी, हंसा और टाटा मोटर्स के हैं और उन्होंने बृहस्पतिवार को हड़ताल में हिस्सा लिया।

निजी बस संचालक एसएमटी यानी डागा समूह के कर्मचारियों ने बुधवार को वेतन वृद्धि की मांग को लेकर पूर्वी उपनगरों में बेस्ट के घाटकोपर और मुलुंड डिपो में काम बंद कर दिया, जिससे कई मार्गों पर बस सेवाएं प्रभावित हुई थीं। हड़ताल के पहले दिन, पट्टे पर ली गई 160 बसें नहीं चलीं जबकि दूसरे दिन बुधवार को यह संख्या बढ़कर 1,000 से अधिक हो गई।

अधिकारी ने बताया कि ज्यादा संख्या में कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने के बाद सुबह से घाटकोपर, मुलुंड, शिवाजी नगर, वर्ली और आठ अन्य डिपो में बेस्ट की ठेके पर चलने वाली बसों का संचालन बाधित हुआ है। उन्होंने बताया कि बेस्ट के निजी संचालकों को इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने का निर्देश दिया है और पट्टे के समझौते के नियमों और शर्तों के अनुसार इन कंपनियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन कर रहे चालकों का दावा है कि पिछले तीन वर्षों में उनके वेतन में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई है जिससे उनके लिए गुजारा करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि बेस्ट उपक्रम के कर्मचारियों की मासिक कमाई की तुलना में उनका वेतन काफी कम है। महानगर में सार्वजनिक बस सेवा प्रदान करने वाले 'बेस्ट' ने कुछ ठेकेदारों से बस पट्टे पर ली हैं। इसके तहत निजी संचालकों के पास वाहनों का मालिकाना हक होता है और इनके रखरखाव, ईंधन और चालकों के वेतन से जुड़ी जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। 'बेस्ट' की लगभग 3,100 बसों की मदद से मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और मीरा-भायंदर शहरों में प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्री सफर कर करते हैं। इन 3,100 बसों में से सार्वजनिक परिवहन निकाय की 1,340 बस हैं।

न्यूयॉर्क में ट्रेन पटरी से उतरी, सात घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में गुरुवार को एक ट्रेन हादसे में सात लोग घायल हो गए हैं। हालांकि अभी तक हादसे में किसी के मरने की सूचना नहीं हैं। जानकारी के अनुसार ये हादसा गुरुवार सुबह न्यूयॉर्क शहर के क्वींस बरो में एक स्टेशन के बाहर हुआ, जहां एक ट्रेन पटरी से उतरने पर कम से कम सात लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अग्निशामक विभाग ने कहा कि घटना की जानकारी मिलने के बाद टीम स्टेशन पर पहुंच कर यात्रियों को बचाने में मदद की। उन्होंने कहा कि इनमें अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है। ट्रेन के पटरी से उतरने का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है। लॉन्ग आइलैंड रेल रोड (एलआईआरआर) ने कहा कि ट्रेनें अभी भी चल रही हैं, लेकिन हिलसाइड, हॉलिस और क्वींस विलेज को बायपास कर रही हैं।

हालांकि, लोगों को इस रूट पर ट्रेन के बजाय बस का उपयोग करने का आग्रह किया है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि उन्हें ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना के बारे में जानकारी दी गई है और आपातकालीन प्रतिक्रिया में सहायता के लिए राज्य कर्मियों को भेजा गया है।

नेपाल के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए विश्व बैंक देगा 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर

काठमांडू, एजेंसी। विश्व बैंक ने स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार के लिए नेपाल को अपना समर्थन जारी रखने का वादा किया है। नेपाल के लिए विश्व बैंक के कंट्री डाइरेक्टर फारिस हदाद-जर्वोस ने नेपाल को स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर अनुदान स्वरूप प्रदान करने की जानकारी दी है।

विश्व बैंक नेपाल की तरफ से एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि विश्व बैंक के कंट्री डाइरेक्टर ने स्वास्थ्य मंत्री मोहन बहादुर बस्नेत के साथ मुलाकात कर नेपाल के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के तहत आने वाले पांच वर्षों में यह रकम चरणबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाएगी।

नेपाल के स्वास्थ्य मंत्री ने विश्व बैंक के सहयोग और समर्थन की सराहना की है। उन्होंने विश्व बैंक से आने वाले दिनों में नेपाल के लिए अतिरिक्त वित्तीय और तकनीकी सहायता देने पर विचार करने का आग्रह किया है।

विश्व बैंक की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि पांच वर्षों के भीतर नेपाल के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता के अलावा स्वास्थ्य क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 3,840,000 अमेरिकी डालर अलग से प्रदान करेगा। जर्वोस ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्व बैंक का यह सहयोग नेपाल में कोविड-19 जैसी महामारी के दौरान गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने में योगदान देगा।

रूसी काला सागर बंदरगाह के पास विस्फोट और गोलीबारी

मास्को, एजेंसी। रूस के ऑनलाइन समाचार आउटलेट एस्ट्रा ने शुक्रवार सुबह नोवोरोसिस्क के रूसी काला सागर बंदरगाह के पास विस्फोट और गोलीबारी की आवाज सुने जाने की खबर प्रसारित की है।

एस्ट्रा ने इस संबंध में एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में समुद्र की दिशा से आने वाली गोलियों की आवाज के साथ तट से कुछ दूर जहाजों की आवाजाही नजर आ रही है। यह काला सागर के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नोवोरोसिस्क की आपातकालीन सेवाओं ने विस्फोटों की पुष्टि की है। इस संबंध में देश की सुरक्षा सेवाओं को सूचित किया गया है। एक अन्य मीडिया संस्थान के अनुसार बंदरगाह ने अस्थायी रूप से सभी जहाजों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने रूस के यूक्रेनी बंदरगाहों से अनाज के सुरक्षित निर्यात की अनुमति देने वाले समझौते को आगे बढ़ाने से इनकार करने के बाद से काला सागर और निकटवर्ती बंदरगाहों में झड़प तेज हो गई हैं। रूस ने ड्रोन और मिसाइलों से काला सागर और उसके पास स्थित कई यूक्रेनी बंदरगाह सुविधाओं और अनाज भंडारों पर हमला किया है।

हरियाणा हिंसा : उपद्रवियों ने पानीपत में दुकान में तोड़फोड़ की

पानीपत, एजेंसी। हरियाणा के पानीपत में कुछ अज्ञात लोगों ने एक दुकान में कथित तौर पर तोड़फोड़ की। यह दुकान नूंह में हुई सांप्रदायिक हिंसा में मारे गए एक व्यक्ति के घर के पास है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उपद्रवियों ने बृहस्पतिवार की शाम को मांस बेचने वाली दुकान को निशाना बनाया और पास में खड़े दो वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई है। कुछ स्थानीय लोगों ने संवाददाताओं को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बीच सद्भाव तथा भाईचारा है और कुछ शरारती तत्वों ने 'शांतिपूर्ण' माहौल को खराब करने की कोशिश की है।

पानीपत के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि हालात शांतिपूर्ण हैं और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

10 अगस्त को कोटा में इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के शिविरों का आगाज

सीएम गहलोत करेंगे वर्चुअल शुभारंभ

कोटा, एजेंसी। राजस्थान के कोटा में राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को इन्टरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्ट फोन उपलब्ध करवाने के लिए 10 अगस्त को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से शिविरों का वर्चुअल शुभारंभ किया जायेगा।

जिला कलक्टर ओ पी बुनकर ने बताया कि इन शिविरों के लिए पात्र लाभार्थियों को एसएमएस एवं पर्ची के माध्यम से किस दिन शिविर में आना है, के संबंध में शिविर के 2 दिवस पूर्व सूचित किया जायेगा।आगे ओ पी बुनकर ने बताया कि जिन लाभार्थियों को एसएमएस एवं पर्ची द्वारा सूचित किया गया हो वो ही नियत तिथि पर कैम्प में आएं। लाभार्थी अपने साथ स्मार्टफोन जिसमें उसी नंबर का सिम हो जो नंबर उनके जनाधार से लिंक हो, आवश्यक रूप से अपने साथ लाएं। लाभार्थी जनाधार, आधार एवं पैन कार्ड (यदि हो) अवश्य अपने साथ लाएं। कोई महिला स्वयं को पात्र मानती है एवं उन्हें शिविर में आने के लिए एसएमएस अथवा पर्ची के माध्यम सूचित नहीं किया गया हो तो वो घर बैठे इसके लिए अपनी उम्मीदवारी का पंजीयन 181 नंबर पर कॉल कर करवा सकती है जिसे राज्य स्तर पर सत्यापित कर पात्र पाए जाने पर लाभार्थियों की सूची में राज्य स्तर से सम्मिलित कर सूचित किया जायेगा। जिन लाभार्थियों की उम्र 18 वर्ष से कम है वे जनाधार की मुखिया को भी आधार सहित अवश्य अपने साथ लाएं ताकि मुखिया के ई-वॉलेट में राशि हस्तांतरित की जा सके।

आगे ओ पी बुनकर ने बताया कि इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजनांतर्गतएकल नारी, विधवा, राजकीय महाविद्यालय की छात्राएं, राजकीय आईटीआई, तकनीकी महाविद्यालय की छात्राएं, राजकीय पोलोटेक्निक महाविद्यालय की छात्राएं, महात्मा गांधी रोजगार योजना में 100 दिवस कार्य कर चुकी महिलाएं, इंदिरा गांधी रोजगार योजना में 50 दिवस कार्य कर चुकी महिलाएं, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय की छात्राएं, कक्षा 9 से 12 की सरकारी विद्यालयों की छात्राओं को मोबाइल फोन मय डेटा प्लान वितरित किये जा रहे हैं।

एक नजर

तुर्किये ने इस साल 942 आतंकवादियों को किया निष्प्रभावी

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये ने जनवरी से अब तक 942 आतंकवादियों को निष्प्रभावी किया है। यह जानकारी तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में दी। गौरतलब है कि तुर्किये के अधिकारी अक्सर निष्प्रभावी शब्द का उपयोग यह दशार्ने के लिए करते हैं कि आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है या मारे गए हैं या पकड़े गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा सुरक्षा बलों ने अवैध रूप से सीमा पार करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान अन्य 347 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। तुर्किये के सुरक्षा बल वर्षों से देश भर में और पड़ोसी इराक तथा सीरिया में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

इंडोनेशिया के जावा में भूकंप के तेज झटके

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के जावा में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गयी। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय समय के अनुसार शुक्रवार को तड़के 31 बजे महसूस किए गए भूकंप का केंद्र धरती की सतह से 574.2 किलोमीटर की गहराई में 6.16 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 113.13 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

न्यूजीलैंड ने भविष्य के लिए रक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा का रोडमैप जारी किया

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड सरकार ने जटिल और विघटनकारी सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहे विश्व में पहली बार रक्षा विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपनी रणनीति जारी की है।

न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्रीक्रिस हिपकिंस ने शुक्रवार को रक्षा नीति समीक्षा और न्यूजीलैंड की पहली राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करते समय रक्षा बल से जोखिमों पर स्पष्ट नजर रखने और प्रभावी होने के लिए सही क्षमताओं का प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्षा नीति रणनीति वक्तव्य न्यूजीलैंड के रक्षा लक्ष्यों और उन्हें कैसे प्राप्त किया जाए, को निर्धारित करता है। वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय के लिए सरकार का निर्देश है कि बदले हुए माहौल में कैसे काम किया जाए।

वहीं, रक्षा मंत्री एंड्रयू लिटिल ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने वाले क्षेत्रों में युद्ध-सक्षम रक्षा बल और व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली में निवेश शामिल है। साथ ही इसमें दुष्प्रचार जैसे उभरते मुद्दों से निपटना और आर्थिक सुरक्षा जैसे उन क्षेत्रों में अधिक ठोस प्रयास करना, जहां खतरे बढ़ रहे हैं को भी शामिल किया गया है।

चिली के ईस्टर द्वी में भूकंप के तेज झटके

सैंटियागो, एजेंसी। चिली के ईस्टर द्वीप के दक्षिण-पूर्व में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय समय के अनुसार शुक्रवार को तड़के 44 बजे महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र धरती की सतह से 10.0 किलोमीटर की गहराई में 35.47 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 99.75 डिग्री पश्चिम देशांतर में था।

बांग्लादेश के चटगांव में तेज बरसात, अधिकांश हिस्सा जलमग्न

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के चटगांव शहर का अधिकांश हिस्सा जलमग्न हो गया है। यहां गुरुवार आधीरात से मूसलाधार बारिश हो रही है। सुबह जब लोगों की आंख खुली तो घरों के सामने पानी भरा मिला। शहर के कई हिस्सों को बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि चटगांव सिटी कॉरपोरेशन के मेयर रेजाउल करीम चौधरी के बहादरहाट स्थित आवास पर पानी घुस गया। मेयर के घर के सामने की सड़क पर जलस्तर घुटनों तक पहुंच गया। बरसात से सबसे अधिक चकताई-खातूनगंज प्रभावित हुए हैं। यहां कई गोदामों में पानी घुस गया है। जलभराव से प्रभावित अन्य स्थानों में बकालिया मिया खान नगर, मास्टरपोल, चौक बाजार, शोलोशहर, हालीशहर, कॉमर्स कॉलेज, छोटा पोल और बड़ा पोल शामिल हैं। चटगांव में एक अगस्त से बरसात हो रही है।

न्यायालय के फैसले से न्यायपालिका के प्रति बढ़ेगा देश का भरोसा : कमलनाथ

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के संबंध में आज आए उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि इस फैसले से न्यायपालिका के प्रति देश का भरोसा बढ़ेगा।

श्री कमलनाथ ने अपने ट्वीट में कहा कि देश में लोकतंत्र की आवाज श्री गांधी को उच्चतम न्यायालय से सजा में राहत मिलने पर हार्दिक शुभकामनाएं। न्यायालय के इस फैसले से न्यायपालिका के प्रति देश की जनता का सम्मान और भरोसा दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि अंतिम फैसला श्री गांधी के पक्ष में आएगा।

विधायक के पुत्र ने की गोलीबारी, कमलनाथ का सरकार पर आरोप

भोपाल/सिंगरौली, एजेंसी। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक के पुत्र द्वारा एक युवक पर गोलीबारी की घटना सामने आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सरकार पर हमला बोला है। श्री कमलनाथ ने अपने ट्वीट में आरोप लगाया कि प्रदेश के भाजपा नेताओं में आदिवासी समुदाय पर अत्याचार करने की होड़ मची है। सीधी में आदिवासी युवक के साथ अमानवीय घटना को अभी ज्यादा समय नहीं हुआ कि सिंगरौली में भाजपा विधायक रामलल्लू वैश्य के बेटे ने एक आदिवासी युवक को गोली मार दी। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या भाजपा नेताओं का आदिवासी, दलित, महिलाओं और सर्व समाज के लोगों का उत्पीड़न करने का ही काम बचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजपोषित अपराध प्रदेश के माथे पर कलंक बन गए हैं। दरअसल सिंगरौली जिले के मोरवा थाना क्षेत्र में कल देर शाम साइड देने के मामूली विवाद को लेकर विवेक वैश्य नामक युवक ने सूर्य प्रकाश खैरवार नामक युवक पर गोली चला दी। घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ कुरैशी ने बताया कि आरोपी विवेक वैश्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

आपदा प्रबंधन केन्द्र जाकर धामी ने ली बारिश से हुए नुकसान की जानकारी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय, देहरादून स्थित आपदा केन्द्र पहुंचकर राज्य में जारी बारिश की स्थिति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।

इस दौरान श्री धामी ने रुद्रप्रयाग जिले के गौरीकुंड में हुए हादसे में संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने गौरीकुंड में चल रहे राहत बचाव कार्य में तेजी लाने और शासन स्तर से वहां हर संभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री धामी ने प्रदेश की प्रमुख नदियों के जलस्तर की जानकारी ली। उन्होंने कहा जिन भी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ जाने से बाढ़ की समस्या आ रही है, उन सभी स्थानों पर अलर्ट जारी किया जाए एवं सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों के आसपास बनी इमारत एवं कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक का दौरा किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव ने शुक्रवार को पंचशील पार्क में स्थित 'आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक' का दौरा किया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली और कर्नाटक की सरकारें एक-दूसरे से काफी कुछ सीख सकती हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री गुंडुराव के साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और कर्नाटक भवन के चिकित्सा अधिकारी कार्तिक भी थे।

बयान के अनुसार, कर्नाटक के मंत्री ने क्लिनिक में उपलब्ध सुविधाओं को देखा और कर्मचारियों से बातचीत की। दिल्ली सरकार के मोहल्ला क्लिनिक हर गली-मोहल्ले में लोगों को सामान्य बीमारियों की जांच और इलाज की निःशुल्क सुविधा मुहैया कराने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है।

राव ने मोहल्ला क्लिनिक मॉडल की प्रशंसा की और कहा कि "वे सुचारू ढंग से संचालित हो रहे हैं।"

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "मैंने मोहल्ला क्लिनिक के बारे में बहुत कुछ सुना था और उन्हें देखना चाहता था। मैं जानना चाहता था कि वे (आप सरकार) स्वास्थ्य नीतियों को कैसे लागू करते हैं।"

उन्होंने कहा, "दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में स्वास्थ्य हमेशा प्राथमिकता रहा है। हर राज्य में कुछ-ना-कुछ अच्छा है जिसे हम सीख सकते हैं। हमारे यहां इससे मिलता-जुलता कुछ हैङ्क हमारे यहां नाम्मा क्लिनिक हैं। हम देखना चाहते थे कि अपने तंत्र को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।" भारद्वाज ने कहा कि गुंडुराव ने उन्हें बताया कि कर्नाटक के अस्पताल कितने अच्छे हैं।

आप नेता ने कहा, "हम उनके राज्य का भी दौरा करेंगे। प्रत्येक राज्य को एक-दूसरे से सीखना चाहिए। उनके यहां आने से मैं बहुत खुश हूं।"

केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा है, "कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने मोहल्ला क्लिनिक का दौरा किया। हम उनका और उनकी टीम का स्वागत करते हैं। हम सभी को एक-दूसरे से सीखना होगा। दिल्ली भी कर्नाटक सरकार द्वारा किए गए अच्छे कार्यों से सीखेगी।" राष्ट्रीय राजधानी में फिलहाल 500 से ज्यादा मोहल्ला क्लिनिक हैं। ये लोगों को सामान्य स्वास्थ्य सुविधाएं और 212 अलग-अलग मेडिकल जांच की सुविधा निःशुल्क मुहैया कराते हैं।

कर्नाटक के मंत्री ने दिल्ली आकर खोली मुहल्ला क्लीनिक की पोल : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने दिल्ली सरकार के मुहल्ला क्लीनिक की सारी हवा निकाल दी है। अब यह दौरा आम आदमी पार्टी सरकार के लिए न उगलते बन रहा है और न निगलते। उनके झूठ का भी खुलासा हो गया और विपक्षी एकता के ढोल की पोल भी खुल गई है।

बिधूड़ी ने कहा कि गुंडू राव शुक्रवार को दिल्ली आए थे और उन्हें आप सरकार के बहुचर्चित मुहल्ला क्लीनिक दिखाने के लिए ले जाया गया। इसके लिए पॉश कॉलोनी पंचशील पार्क के मुहल्ला क्लीनिक को चुना गया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज भी उनके साथ थे। इसके बाद सौरभ भारद्वाज ने झूठा ट्वीट किया कि कर्नाटक के नम्मा क्लीनिक को और बेहतर बनाने की दिशा में वहां के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मुहल्ला क्लीनिक का दौरा किया है। यही नहीं, सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी रिट्वीट किया कि दोनों को एक-दूसरे से कुछ न कुछ सीखना चाहिए। आम आदमी पार्टी के नेता इस पर गद्गद् हो रहे थे और झूठ बोल रहे थे कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के एक मंत्री ने सीखने के लिए हमारे मुहल्ला क्लीनिक का दौरा किया जबकि गुंडू राव ने ऐसा कुछ नहीं कहा था। जब गुंडू राव को पता चला कि आम आदमी पार्टी इस दौरे का गलत मतलब निकाल रही है तो उन्होंने भी एक ट्वीट करके आप सरकार की सारी हवा निकाल दी। सौरभ भारद्वाज ने दोपहर एक बजकर 31 मिनट पर ट्वीट किया था तो गुंडू राव ने 2 बजकर 56 मिनट पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि मैं मुहल्ला क्लीनिक देखने गया जहां कोई मरीज ही नहीं था। हमारे कर्नाटक में नम्मा क्लीनिक में ज्यादा सुविधाएं हैं जिनमें लैब भी शामिल है जहां मरीजों के फौरन टेस्ट भी हो जाते हैं। दिल्ली के मुहल्ला क्लीनिकों का सिर्फ शोर शराबा मचाया जा रहा है और वहां जाकर मुझे बड़ी निराशा हुई। बिधूड़ी ने कहा कि इसके साथ ही विपक्षी एकता के केजरीवाल के दावों की पोल भी इस घटना से खुल गई है। इसका मतलब साफ है कि केजरीवाल और कांग्रेस एक-दूसरे की इज्जत उछालने में अब भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

पुरुषोत्तम मास में श्री राजमाता जी मंदिर में संत सम्मेलन

नई दिल्ली, एजेंसी। परमात्मा जब किसी मनुष्य पर किरपा करते हैं तो उसे संत से मिलवा देते हैं"यह उदगार प्रकट किए गए स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा शाहदरा गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में सावन पुरुषोत्तम मास में श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर आयोजित संत सम्मेलन में जिसमे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अनेक संत महात्मा, राजनेता, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संस्थान के सहप्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में चल रही श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर संत सम्मेलन हुआ जिसमे असोला शनिधाम ट्रस्ट के पीठाधीश्वर अनंत विभूषित महामंडलेश्वर निजस्वरूपानंद दाती जी महाराज, श्री महंत कन्हैया गिरी जी महाराज, श्री महंत मुनिराज जी महाराज, श्री महंत सूरज गिरी जी महाराज, श्री महंत सूरज गिरी जी महाराज, श्री महंत हितेश्वर गिरी जी महाराज, श्री महंत भोला गिरी जी महाराज, महंत श्री सतीश दास जी महाराज, महंत प्रज्ञानंद जी महाराज के संग अनेक संत महात्मा लोगों ने भाग लिया। समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि विश्वास शुक्ल, अमित गर्ग (सेवा एक अनोखा परिवार), हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष कपिल सोनी, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज राजपूत, प्रेम बाबू सक्सेना ने भाग लिया। संस्थान के सेवादारों ने संतो को शॉल ओढ़ाकर, पुष्प वर्षा से संतो का स्वागत किया।

इस पावन अवसर पर स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा भक्तसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि "वैष्णव जन तेने कहिए जो पीर पराई जाने रे यानी संत का जीवन दीन दुखियों की सेवा ही भगवद सेवा विचारधारा में रत रहता है। परमात्मा जब किसी मनुष्य पर किरपा करते हैं तो उसे संत से मिलवा देते हैं क्योंकि संत ही है जो मनुष्य को मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक पीड़ाओं से निजात दिलाने में सक्षम है। इतिहास भरा पड़ा है उन घटनाओं से जिसमे संतो द्वारा अनेक मूर्ख, दुष्ट लोगों का जीवन परिवर्तन संत मिलन से हुआ है। महामंडलेश्वर दाती जी महाराज ने कहा कि "हमे सनातनी संस्कारों को समझते हुए अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है।

सत्य की लड़ाई में कोई भी ताकत जनता की आवाज को दबा नही सकती : अनिल चौधरी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी के नेतृत्व में हजारों कांग्रेस कार्यकताओं ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय पहुंचकर अपने नेता राहुल गांधी की सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुजरात हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने के बाद हुई जीत पर उन्हें बधाई दी। 24 अकबर स्थित कांग्रेस कार्यालय में खुशी का माहौल था और लोग ढ़ोल नगाड़े बजाकर एक दूसरे को मिठाईयां खिला रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि न्याय की जीत हुई है और सत्य की लड़ाई में कोई भी ताकत जनता की आवाज को दबा नही सकती। आदेश के बाद राहुल जी की संसद सदस्यता बहाल हो गई है जिससे ससंद सत्र में हिस्सा ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी देश का भविष्य है और यह देशवासियों के विश्वास की जीत है।

अनिल चौधरी ने कहा कि 23 मार्च को गुजरात हाईकोर्ट द्वारा मानहानि में मामले में 2 साल की सजा के बाद राहुल जी की संसद सदस्यता निरस्त कर दी गई थी, परंतु राहुल जी ने हार नही मानी क्योंकि हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास था और सर्वोच्च न्यायालय में व्यक्तिगत तौर पर दाखिल किए गए मामले में राहुल जी की सजा पर रोक लगाकर सच्चाई की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद देश की न्यायिक प्रणाली में लोगों की आस्था और बढ़ी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने कन्याकुमारी से जम्मू काश्मीर तक भारत जोड़ों यात्रा में 3500 किलोमीटर से अधिक चलकर लोगों के दिलों में जो जगह बनाई है यह उनके प्रेम और समाज में फैली नफरत के खिलाफ मौहब्बत की जीत है। अनिल चौधरी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा यह कहना कि ट्रायल जज द्वारा अधिकतम सजा देने के पीछे का कारण विस्तार से नही बताना संदेहस्पद है। ऐसी सजा देने पर सिर्फ एक व्यक्ति विशेष नही बल्कि पूरे निर्वाचन क्षेत्र का अधिकार प्रभावित होता है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने तत्काल प्रभाव से मंडल और सेक्टर के समन्वय के लिए राज्य और जिला स्तर पर परिसीमन समितियों के गठन की घोषणा की, जिसका निर्णय उदयपुर नव संकल्प शिविर लिया गया था। समितियों में मंडल/सेक्टर गठन के लिए परिसीमन समिति के लोकसभा प्रभारी, जिला समन्वयक, विधानसभा स्तर के लिए मानदंड के सदस्य, प्रदेश कांग्रेस परिसीमन समिति और जिला समन्वयक शामिल हैं। सूचियाँ प्रेस रिलीज के साथ संलग्न हैं।

पौधे लगाकर मनाया गया पर्यावरण दिवस डी.ए.वी. विद्यालय में : सुशील पांचाल

नई दिल्ली, एजेंसी। डी.ए.वी. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांधीनगर में 121 पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के निमित्त विद्यालय के प्रबंधक डॉ.लोकेश देव तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्तर क्षेत्र पर्यावरण टोली सदस्य महेंद्र का उद्बोधन पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में रहा, विद्यालय के प्रबंधक डॉ. लोकेश देव ने बताया कि जहां हम रहते हैं जो हम पानी पीते हैं जिस वायु में हम सांस लेते हैं जो प्राकृतिक तत्व हम चारों तरफ देखते हैं वे सभी पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं। मानव और पर्यावरण के बीच घनिष्ठ संबंध है। मनुष्य की मूलभूत जरूरत के लिए पीने के लिए पानी, जीने के लिए शुद्ध वायु, वर्षा के लिए पेड़ पौधे आदि सभी पर्यावरण द्वारा पूरी की जाती हैं। श्री महेंद्र ने बताया कि मनुष्य जीव-जंतु, पेड़-पौधे आदि सभी पर्यावरण पर निर्भर करते हैं। जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण का होना अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए प्रति व्यक्ति एक पेड़ वर्ष में अवश्य लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाए, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विद्यार्थी पर्यावरण प्रतियोगिता की जानकारी विद्यालय के सभी छात्रों को मंच से प्रेषित की। इस कार्यक्रम मे मंच पर उपस्थित गणित के अध्यापक सतीश तथा इको क्लब की प्रमुख प्रेरणा खन्ना की उपस्थिति सराहनीय रही। प्रधानाचार्य के. मुरली ने आगंतुकों का आभार ज्ञापन किया तथा मंच का संचालन सुशील पांचाल ने किया। विद्यालय के सभी छात्रों, अध्यापकों तथा कर्मचारियों ने पौधारोपण कर कार्यक्रम की शोभा में अपना योगदान दिया।

मेक्सिको के रास्ते अमेरिका भेजने का झांसा देकर ठगी

- आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने एजेंट को करनाल से किया गिरफ्तार
- एक यात्री के पकड़े जाने से हुआ खुलासा, लेता था 32 लाख रुपये

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने लोगों को मेक्सिको के रास्ते अमेरिका भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एक एजेंट सुखविंदर निवासी अजीत सिंह नगर, साहिबजादा, पंजाब को गिरफ्तार किया है। आरोपी इमिग्रेशन का झांसा देकर यात्री को अपने साथ ले जाता था और इसके एवज में वह हर यात्री से 32 लाख रुपये लेता था। पुलिस गैंग में शामिल अन्य एजेंटों की भी तलाश कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 21 जुलाई को आईजीआई एयरपोर्ट पर दुबई से आए यात्री यमुनानगर निवासी आकाश को इमिग्रेशन अधिकारी ने पकड़ा। उसके पासपोर्ट पर 29 जून और 20 फरवरी के दो यूक्रेनी इमिग्रेशन स्टाम्प लगे हुए थे, लेकिन भारत से प्रस्थान करने का कोई इमिग्रेशन स्टाम्प नहीं था। जांच में यूक्रेनी स्टाम्प भी नकली पाया गया। इसके बाद यात्री को आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर यात्री से पूछताछ की तो पता चला कि उसे अमेरिका भेजने के लिए ट्रैवल एजेंट सुखविंदर ने फर्जी कागजात का इंतजाम किया था। इसके एवज में 32 लाख रुपये लिए थे। पूरे गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए निरीक्षक अजय कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि आरोपी सुखविंदर मोहाली में मौजूद है, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही वह फरार हो गया।

करीब 130 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद पुलिस ने उसे करनाल के पास गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह एक अन्य एजेंट की मदद से वह यह काम करता था। पुलिस ने इसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और पासपोर्ट बरामद किया। पासपोर्ट की जांच में पता चला है कि वह यात्रियों के साथ भारत से मलेशिया, मालदीव और दुबई के रास्ते बाकू, अजरबैजान तक यात्रा कर चुका है।

सफाई कर्मचारियों ने सांकेतिक धरना व प्रदर्शन किया : धिगान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम शाहदरा साउथ जोन के सफाई कर्मचारियों ने अपनी जायज मांगों के समर्थन में जोन कार्यालय पर एक दिन का सांकेतिक धरना दिया और प्रदर्शन किया प्रदर्शन का आयोजन अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस की शाखा शाहदरा दक्षिण जोन की ओर से किया गया। सफाई कर्मचारियों ने निगम प्रशासन व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व महापौर व आप पार्टी के खिलाफ जमकर मुदार्बाद के नारे लगाए। सफाई कर्मचारियों की मुख्य मांगों में अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करना करूणा मूलक आधार की

नियुक्तियों के लिए जोन स्तर पर बोर्ड का गठन करने अस्थाई व नियमित कर्मचारियों के डीए के एरियर व वर्ष 2003-4 वर्ष 2013 से नियमित माने गये को एरियर का भुगतान कराने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक वीर सिंह धिंगान, मलूक चंद बेनीवाल, रा. उपाध्यक्ष मोहन पहलवान, बिन राज पार्चा, अमरसिंह टाँक, बी पी पिहवाल, अजय ढिगिया, प्रदेश अध्यक्ष राकेश वैद विकास टाँक विजय पारचा राकेश पारचा विकास टाँक कृष्ण पाल पारचा, दलिप पारचा, राज रानी पारचा आदि ने संबोधित किया।

राकेश वैद विजय पारचा राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक वीर सिंह धिंगान मोहन पहलवान ने अपने सयुंक्त बयान में कहा की यदि शीघ्र नहीं माना गया तो पूर्वी दिल्ली में हड़ताल कराई जाएगी। प्रदर्शन में सैकड़ों सफाई कर्मचारियों ने भाग लिया।

भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़े हैं अरविन्द केजरीवाल सरकार ने : परमानन्द शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने छोटे से छोटे काम को भी वर्ल्ड लेवल का बताने वाले अरविन्द केजरीवाल और उनकी सरकार ने झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं किया किया है तो केवल भ्रष्टाचार किया है और वो भी वर्ल्ड लेवल का। यह कहना है राम नगर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष परमानन्द शर्मा का। परमानन्द शर्मा कहते है देश की पहली ऐसी सरकार है जिसके दो दो मंत्री जेल में बंद है और तीसरे पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। खुद मुख्यमंत्री भी जांच के दायरे में है पता नही कब उनका भी नंबर लग जाए। परमानन्द शर्मा कहते है इस सरकार की कोई भी फाइल उठा कर देख लो उसी में भ्रष्टाचार मिलेगा। परमानन्द शर्मा कहते हैं ताजा मामला आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली सरकार में संवैधानिक प्रावधानों का उलंघन करके 437 आम आदमी पार्टी के समर्थकों को अप्रत्याशित वेतन के साथ भर्ती करने का है। अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली सरकार में अपने पार्टी कार्यकताओं की मनमाने ढंग से नियुक्ति करके दिल्ली के युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। परमानन्द शर्मा ने कहा कि अपने को सबसे ईमानदार कहने वाले अरविन्द केजरीवाल ने स्वार्थ और निजी हित की राजनीति के अलावा दिल्ली में कुछ नही किया है। संवैधानिक प्रक्रिया में उच्च पद पर मिलने वाले अधिकारी के वेतन से भी अधिक गैर कानूनी रुप से नियुक्त किए गए पार्टी समर्थकों को अधिकतम 2.65 लाख प्रतिमाह और न्यूनतम 60,000 रुपये वेतन पर आसीन करके अपराधिक काम किया है।

एक नजर

दिल्ली की सड़कों से पकड़े जाएंगे आवारा कुत्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम ने जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर राजधानी के पांच सितारा होटलों, ऐतिहासिक स्थलों और पॉश इलाकों के बाजारों सहित 45 से अधिक स्थानों पर आवारा कुत्ते पकड़ने के लिए शुक्रवार से अभियान शुरू किया। अभियान 30 अगस्त चलेगा। इस दौरान कुत्तों का बंध्याकरण किया जाएगा और एनजीओ की मदद से उन्हें अस्थायी सेंटर पर रखा जाएगा। दिल्ली नगर निगम के उप-निदेशक की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि आवारा कुत्तों के खिलाफ बड़े पैमाने पर यह अभियान शुरू किया गया है। अभियान के लिए जिन स्थानों को चिह्नित किया गया है, उनमें हयात होटल, ग्रेड होटल, आईटीसी शेरेटन साकेत, जेपी इंटर कांटिनेटल, मॉल्स ऑफ नेल्सन मंडेला मार्ग, लोधी होटल, ईराज होटल नेहरू प्लेस, डिफेंस कॉलोनी, लाजपत नगर समेत अन्य जोन के तहत आने वाले पांच सितारा होटल, और प्रमुख स्थल शामिल हैं। इसके अलावा ऐतिहासिक स्थल हुमायूं का मकबरा तथा निजामुद्दीन, लाल किला, जामा मस्जिद, टॉउन हॉल, चांदनी चौक, हरदयाल लाइब्रेरी, पूर्वी दिल्ली का लीला होटल, अक्षरधाम मंदिर सहित करीब 45 से अधिक स्थल हैं।

सम्मेलन के बाद कुत्तों को छोड़ दिया जाएगा : दिल्ली नगर निगम वेटनरी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए बटरफ्लाई नेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह अभियान एबीसी डॉग नियम 2001 व 2023 के तहत शुरू किया जा रहा है। जिन आवारा कुत्तों को जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर जिन स्थानों से उठाया जाएगा, कुछ समय उन्हें सेंटर में रखा जाएगा और उसके बाद इन कुत्तों को उसी स्थानों पर छोड़ दिया जाएगा, जहां से उठाया गया था।

अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाएगा एनडीएमसी

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद अपने क्षेत्र में अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाएगी। एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने सतर्कता विभाग को नई दिल्ली क्षेत्र में चल रही अवैध पार्किंग की पहचान करने के निर्देश दिए हैं, ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई का जा सके। एनडीएमसी क्षेत्र में तमाम महत्वपूर्ण इमारतें, बाजार और कार्यालय हैं, जिसके चलते यहां रोज बड़ी संख्या में लोग बाहर से आते हैं। इन लोगों के लिए पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एनडीएमसी ने लगभग सौ जगहों पर पार्किंग बनाई है। एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बताया कि पार्किंग माफिया की मिलीभगत के कारण एनडीएमसी की पार्किंग के ठेके नहीं उठ रहे हैं। इस तरह की पार्किंग की संख्या पचास के लगभग हैं, जो खाली पड़ी हैं। दूसरी ओर तमाम जगहों पर अवैध पार्किंग चल रही हैं। खासतौर पर सरोजिनी नगर बाजार के आसपास अवैध पार्किंग की शिकायत अक्सर मिलती है। इसे देखते हुए सतर्कता विभाग को लुटियन दिल्ली क्षेत्र में चल रही सभी अवैध पार्किंग की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, परिषद सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने पार्किंग माफिया के साथ राजनीतिक पार्टियों और एनडीएमसी कर्मचारियों की मिलीभगत होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सतर्कता विभाग इसकी भी जांच कर रहा है, ताकि जिम्मेदार कर्मचारियों व अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

दिल्ली के एम्स मेट्रो स्टेशन पर 40 वर्षीय व्यक्ति ने आत्महत्या की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो के एम्स स्टेशन पर शुक्रवार को कथित तौर पर पटरियों पर कूदने से एक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 10 बजे हुई। उन्होंने बताया कि पुलिस को इस घटना के बारे में सूचित किया गया और शव को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान उसके आधार कार्ड से बिहार निवासी अमित सिंह के रूप में हुई।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जैसे ही पीड़ित ने कथित तौर पर छलांग लगाई, वह सिर के बल गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले की आगे की जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर स्थिति सामान्य है और अपराध एवं फोरेंसिक टीमों को बुलाया गया है और दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 174 के तहत कार्रवाई जारी है।

टिल्लू ताजपुरिया मर्डर केस में छह आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, 17 अगस्त को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तिहाड़ जेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के मामले में शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने कोर्ट में छह आरोपितों के खिलाफ हत्या की धारा में चार्जशीट फाइल की है। कोर्ट ने मामले को आगे सुनवाई के लिए 17 अगस्त को सूचीबद्ध किया है। बता दें कि गैंगस्टर टिल्लू को गोगी गैंग के गुर्गों ने 2 मई, 2023 को तिहाड़ की हाई सिक्योरिटी सेल में सूए से ताबड़तोड़ वार करके मौत के घाट उतारा था। इस घटना के दो वीडियो सामने आए थे, जिसमें देखा जा सकता है कि हत्यारों ने पुलिसवालों के सामने भी टिल्लू पर धारदार सूए से वार किया था। हत्योपितों को रोकने के लिए जेल में मौजूद अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाया था।

सिख विरोधी दंगा मामले में जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में कांग्रेस के पूर्व नेता जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत दे दी है। स्पेशल जज विकास ढल ने 02 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुनवाई के दौरान सीबीआई ने जगदीश टाइटलर की अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि प्रथम दृष्टया इन दंगों में जगदीश टाइटलर की भूमिका सामने आई है। सीबीआई ने कहा था कि अगर जगदीश टाइटलर को जमानत दी जाती है, तो वो गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। इस मामले में गवाहों ने बड़ी हिम्मत दिखाई है। कोर्ट ने 01 अगस्त को सीबीआई को नोटिस जारी किया था। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद ने 26 जुलाई को जगदीश टाइटलर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने टाइटलर को 05 अगस्त को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया था। सीबीआई ने इस मामले में टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 109 और 302 के तहत लगाया है। सीबीआई के मुताबिक टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था, जिसके बाद भीड़ ने पुलबंगश के गुरुद्वारे में आग लगा दी थी।

दिल्ली पुलिस ने नांगलोई में मुहर्रम पर हुए पथराव के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने नांगलोई की उस घटना के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है जिसमें मुहर्रम के जुलूस में शामिल अनियंत्रित भीड़ ने पुलिस से झड़प के बाद उस पर पथराव कर दिया था। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस झड़प में छह पुलिसकर्मियों समेत 12 लोग घायल हुए थे। पुलिस उपायुक्त (बाहरी) हरेंद्र सिंह ने कहा कि बाहरी जिला पुलिस की कई टीम ने छह लोगों की पहचान करके उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने साहिल सलमानी (25), असलम कुरेशी (37), समीर (23), साहिल खान (21) और अजीम (23) और सोहैब (23) को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम में बोले सीएम

किसान और महिलाओं के लिए समर्पित भाव से कार्य करें शोधार्थी

एनसीआर समाचार

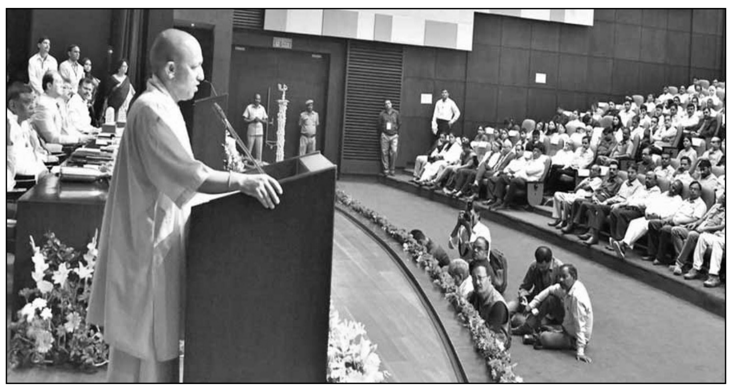

लखनऊ। मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना के तहत प्रदेश के आकांक्षात्मक विकासखंडों में कार्य कर रहे शोधार्थी स्वयं को योजक के रूप में मानकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करें। देखें कि आपके विकासखंडों में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, महिला और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कैसे बेहतरीन कार्य किया जा सकता है। जो शोधार्थी अपने तीन साल का टेन्योर मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ पूरा करेगा व बेहतरीन शोध प्रबंधन लिखकर प्रस्तुत करेगा, सरकार की ओर से उसे एज रिलेक्सेशन के साथ सरकारी नौकरी में भी वेटेज प्रदान किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना से संबंधित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कही। आत्मनिर्भर होंगे गांव तो देश भी उसी अनुपात में होगा आत्मनिर्भर उन्होंने बताया कि 2018 में नीति आयोग ने देश के 112 जनपदों को आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चयनित किया था। इनमें उत्तर प्रदेश के आठ जिले, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, चंदौली, सोनभद्र, चित्रकूट और फतेहपुर जनपद शामिल किये गये। ये वो जनपद थे जो विकास की मुख्य धारा से पीछे छूट गये थे। उत्तर प्रदेश के सभी 8 जनपद देश के 112 आकांक्षात्मक जनपदों की लिस्ट में भी सर्वाधिक पिछड़े स्थान पर थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जल संसाधन, रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल इन्क्लूजन और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में ये जिले पिछड़े थे।

मगर ये हर्ष का विषय है कि टीम वर्क और नियमित मॉनीटरिंग के कारण आज हमारे 8 में से 4 जिले देश के टॉप 10 आकांक्षात्मक जनपद में जबकि, टॉप 20 में हमारे सभी 8 जनपद शामिल हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के विकास की धुरी गांव हैं। ग्रामीण व्यवस्था जितना आत्मनिर्भर होगी, देश और प्रदेश भी उसी अनुपात में आत्मनिर्भर होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि ना तो हमारे पास फंड की कमी है और ना ही मैन पॉवर की। हमारे शोधार्थी जोकि तीन साल के लिए फेलोशिप पर अपने अपने विकासखंडों में कार्य कर रहे हैं वे योजक बनकर कार्य करें। ये सुनिश्चित करें कि हम सरकार की योजनाओं को कैसे जनता के साथ जोड़ सकते हैं। सभी शोधार्थी एक लक्ष्य लेकर चलें कि जबतक उनके फेलोशिप का टेन्योर खत्म हो तबतक उनका ब्लॉक सर्व शिक्षा अभियान में शत प्रतिशत हो, उनका ब्लॉक टीबी मुक्त हो चुका हो।

इसके साथ ही किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी और महिला एवं बालिकाओं से जुड़ी सरकारी स्कीम भी जनता के बीच लेकर जाएं और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करें।

उत्तर प्रदेश के हाथरस दुर्घटना में 5 लोगों की मौत, दर्जनों घायल

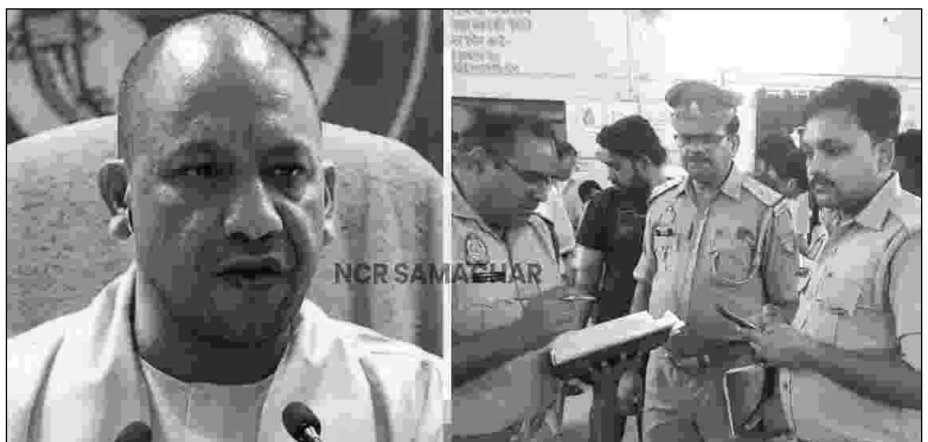

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश की हाथरस में एक बड़ी दुर्घटना हुई। यह दुर्घटना इतनी बड़ी थी कि, इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। यह हादसा इतना दर्दनाक था कि दर्जनों लोग घायल हो गए।

सादाबाद जलेसर रोड पर सफाई क्षेत्र में नगला ब्राह्मण के पास शुक्रवार देर रात श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली कैंटर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। कैंटर चालक वहां से फरार हो गया। इस हादसे में दर्जनों लोग घायल हो गए। 5 लोगों के हादसे में मौत हो गई है। घायलों को आगरा के अलीगढ़ रेफर किया गया है। घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है, कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

एटा जनपद के थाना सकरौली क्षेत्र में यह हादसा हुआ, जहां पर श्रद्धालुओं से भरी हुई ट्रैक्टर ट्रॉली शुक्रवार की रात को मथुरा से वृंदावन जा रही थी, इसी दौरान जलेसर सादाबाद रोड पर नगला ब्राह्मण के पास सादाबाद की तरफ से आ रहे कैंटर ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। कैंटर चालक वहां से फरार हो गया। इधर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 25 से अधिक लोग सवार थे। ?

हादसे के बाद तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाने का प्रयास किया। उट योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में हुई दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया।

भाजपा के लिए धर्म सिर्फ कारोबार : अखिलेश

एनसीआर समाचार

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के लिए धर्म सिर्फ कारोबार है। अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण के अन्तर्गत आने वाले दूकान और मकान मालिकों को उचित मुआवजा दिए बिना उजाड़ा जा रहा है। अयोध्या में गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ भाजपा सरकार घोर अन्याय कर रही है।अखिलेश यादव को आज प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित लोगों ने अपने-अपने ज्ञापन सौंपे और उचित मुआवजा दिलाने के लिए उनसे अपने प्रभाव का प्रयोग करने का आग्रह किया। श्री यादव ने उनसे सहानुभूति जताते हुए समाजवादी सरकार बनने पर अयोध्या में जमीनों की अवैध रजिस्ट्री की जांच कराने तथा गरीबों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि भाजपा राज में किसान-व्यापारी और निर्बल वर्ग के लोगों के साथ बहुत अन्याय हो रहा है। चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रवासियों को उजाड़ दिया तो उनके पुनर्वास का क्या होगा? वे अपने पशुधन लेकर कहां जाएंगे? राम मंदिर के निर्माण में जिनकी जमीने-मकान लिए जा रहे है उन्हें पर्याप्त मुआवजा क्यों नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किसानों को बाजार भाव पर मुआवजा दिया गया था।श्री यादव ने बताया कि अयोध्या में समाजवादी सरकार के समय भजन स्थल बना था। चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग पर पारिजात, जामुन और पीपल, कदम, पाकड़ के पेड़ों का वृक्षारोपण किया गया था। सरयू तट का सुन्दरीकरण किया गया। भाजपा ने अयोध्या में जमीन की लूट के अलावा और क्या किया है? शिक्षा-स्वास्थ्य और रोजगार की दिशा में सबसे ज्यादा काम समाजवादी सरकार में हुए।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा संचार माध्यमों का दुरूपयोग करती है। रोज नए-नए झूठ गढ़ती है। भाजपा सरकार बदलना जरूरी है। इसलिए गरीब, शोषित, वंचितों को बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के बनाये संविधान की रक्षा के लिए सन् 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाना है।अखिलेश यादव को कृष्णानगर, परिक्रमा मार्ग, जनौरा, अयोध्या की शशिकला ने बताया कि नेशनल हाई-वे से सटी उनकी भूमि का पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल रहा है। नगर आसिफ बाग हलकारा का पुरवा तिवारी का पुरवा, मदरहिया तहसील सदर जिला अयोध्या के मूल निवासी लोग पंचकोसी और चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग पर कई पीढ़ियों से रहते आए हैं। उनकी मांग है कि खेती की जमीन, मकान, दुकान का मुआवजा 6 गुना मिले और निवासी तथा दुकान मुहैया कराई जाए।

अखिलेश यादव को सौंपे गए हस्ताक्षरित ज्ञापन में सर्वश्री शिव कुमार यादव, मस्तराम, अनन्तराम यादव, राम चन्दर, सीताराम, बलवंत, सुधाकर, सूरज, अमरनाथ दूबे, राम संवारे तिवारी, पिंटू सिंह, सुरेन्द्र पाण्डेय, रामतेज, राजाराम आदि के नाम शामिल है।छावनी अयोध्या के अन्तर्गत निर्मली कुण्ड, गुप्तार घाट में निषाद एवं गौड़ समाज, दलित एवं यादव समाज के लोगों के मकान-दुकान तोड़े जा रहे हैं।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के नाक के नीचे बन रहे रो-हाऊस

एनसीआर समाचार

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के प्रवर्तन दल व जोन प्रभारी के नाक के नीचे कालोनाइजर अपने रो-हाऊस का नक्शे के विपरित निर्माण कार्य करा रहे हैं। लखनऊ के एलडीए के क्षेत्र में ये नजारें हर तरफ देखने को मिल रहे हैं। देवा रोड, सुलतानपुर रोड, रायबरेली रोड पर तो इसकी भरमार है।

एलडीए के उपाध्यक्ष डा.इन्द्रमणि त्रिपाठी की लाख कोशिशों के बावजूद उनके अधिकारियों की फिल्ड में मौजूदगी नहीं हो पा रही है। प्रवर्तन दल के अधिकारी भी फिल्ड में कम वक्त दे पा रहे हैं, जिससे नक्शे से विपरित निर्माण कार्य होने से वे रोक नहीं पा रहे हैं। बाद में अवैध रुप से निर्माण कार्य होने की जानकारी होने पर नोटिस भेजना, कार्य रोकने की चेतावनी देना जैसे कार्य किये जाते हैं, जो कि 50 प्रतिशत ही कार्रवाई के दायरे में आ पाते हैं। नीलमथा गांव अब पूरी तरह से शहर का रुप ले लिया है। इस क्षेत्र में कालोनाइजरों ने किसानों से जमीनें खरीदी और तेजी से रो-हाऊस का निर्माण कराया। एलडीए के जोन दो में आने वाले नीलमथा क्षेत्र में आजकल 12 से अधिक कालोनाइजर सक्रिय हैं, जो रो-हाऊस बनाकर बेच रहे हैं। उनके रो-हाऊस में ज्यादातर बिक भी चुके हैं और उसमें लोगों का रहना शुरू हो गया है। ऐसे में एलडीए के प्रवर्तन दल के अधिकारी नक्शे के विपरित निर्माण का कुछ भी कर नहीं पा रहे हैं।

एलडीए के जोन पांच में कल्याणपुर क्षेत्र जो पूरी तरह से आवासीय कालोनी के रुप में विकसित हो चुका है। यहां 2018 में बनाये जा रहे रो-हाऊस को नक्शा स्वीकृत न होने पर रोकने का आदेश हुआ। बाद में यहां एलडीए की प्रवर्तन दल ने निर्माण कार्य रोका भी था। इसके बावजूद रो-हाऊस बन कर तैयार हुआ और वहां आजकल कई परिवार रह रहे हैं। उपाध्यक्ष की सक्रियता में बाद सील एलडीए के उपाध्यक्ष डा.इन्द्रमणि की सक्रियता बढ़ने पर रो-हाऊस बनवाने वाले कालोनाइजरों पर एक्शन शुरू हुआ है। तकरोही मार्ग पर चांदन क्षेत्र में निमार्णाधीन रो-हाऊस बन जाने के बाद फिनिशिंग कार्य को कराये जाने के वक्त एलडीए का प्रवर्तन दल पहुंचा और उस कार्य को रुकवाते हुए बिल्डिंग को सील कर दिया। ऐसे ही जोन 05 के अंतर्गत कुर्सी रोड पर भी एक्शन लिया गया और निर्माणधीन रो-हाऊस को सील किया जाता है।

निर्माण कार्य होने तक मेहरबान लखनऊ में ज्यादातर रो-हाऊस बने तो उनके बनने तक वहां एलडीए का कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। रो-हाऊस बन जाने के बाद वहां प्रवर्तन दल पहुंचा और दल के सदस्यों ने एक्शन किया। ऐसा हर बार ही होता है कि एलडीए निर्माण कार्य पूरा होने तक सील की कार्रवाई नहीं कर पाता है।

सैनिक सम्मान के बाद परिजनों को सौंपा गया दरोगा का शव

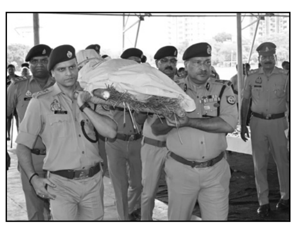

फिरोजाबाद, एजेंसी। थाना अरांव में तैनात जिस दरोगा की गुरुवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद दरोगा के शव को सैनिक सम्मान के बाद परिजनों के सौंपा गया। पुलिस की छह टीमें मामले की जांच के साथ ही हमलावरों की तलाश में जुटी है। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। एडीजी का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। जिला कन्नौज के थाना इंदरगढ़ के गांव सदाअतपुर निवासी दिनेश मिश्रा (55) पुत्र इंद्रसेन मिश्रा अरांव थाना में उपनिरीक्षक पद पर तैनात थे। गुरुवार की रात को वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर एक प्राइवेट व्यक्ति के साथ गांव चन्दपुरा में विवेचना करने गए थे। विवेचना करके वापस लौटने के दौरान चंदपुरा-पीथेपुर के मध्य बदमाशों ने दारोगा को गोली मार दी थी। गोली दारोगा के गर्दन के पास लगने के कारण अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। एसएसपी आशीष तिवारी, एएसपी देहात कुमार रणविजय सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया था।

शुक्रवार को पोस्टमार्टम के शव को पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड लाया गया।

जहां गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द किया गया।

गरीब, किसान, महिलाओं को समर्पित है योगी-मोदी सरकार : केशव प्रसाद मौर्य

मऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही प्रदेश व केंद्र की सरकार गरीब, किसान और महिलाओं के लिए समर्पित है।

यहां मऊ जनपद भ्रमण व समीक्षा बैठक के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के बाबत चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा ही नहीं बल्कि उन पर क्रियान्वयन भी करवाया जा रहा है। आने वाली 25 वर्षों तक देश प्रदेश में भाजपा की सरकार रहेगी। मऊ जनपद में समस्याओं का अंबार बना हुआ था जिसे आज भ्रमण करने के दौरान कार्यकताओं द्वारा पता चला, जिसका निदान शीघ्र ही संबंधितों द्वारा कर दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को चेक व आवास के चाबी भी प्रदान किया।

मऊ जनपद के अपने एक दिन भ्रमण व समीक्षा कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भ्रमण के दौरान कार्यकताओं द्वारा कई समस्याओं से अवगत कराया गया, जिसके निदान के बाबत संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए। उन्होंने सरकार के कार्यों का बखान करते हुए कहा कि राशन, चिकित्सा की पूरी व्यवस्था दुरुस्त है। सभी गरीबों का शत प्रतिशत कार्ड व आयुष्मान चिकित्सा कार्ड बन चुका है, जिससे उनका इलाज आसानी से संभव हो सकेगा।

गल्हिया गांव निवासी चंद्रशेखर चौधरी को समाजवादी पार्टी के मुखिया ने अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ का प्रदेश बने अध्यक्ष

भूपेन्द्र सिंह

उत्तर प्रदेश के जनपद हमीरपुर की राठ तहसील क्षेत्र के गल्हिया गांव निवासी चंद्रशेखर चौधरी को समाजवादी पार्टी के मुखिया ने अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इससे पहले चंद्रशेखर चौधरी को सपा बाबा साहब वाहिनी का प्रथम प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। दलित मतदाताओं को रिझाने के लिए समाजवादी पार्टी के मुखिया ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष और कस्बे के गल्हिया गांव निवासी चंद्रशेखर चौधरी को अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाकर कहीं न कहीं एक बड़ा जातिगत दांव खेला है।

इससे पहले भी चंद्रशेखर समाजवादी पार्टी में बाबा साहब वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष थे। उनके संघर्ष से प्रभावित होकर सपा सुप्रीमो ने उनका प्रमोशन करते हुए अनुसूचित जाति को पार्टी के पक्ष में जोड़ने के लिए अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। चन्द्रशेखर चौधरी दलित मतदाताओं को जोड़ने में माहिर माने जाते हैं और वह जाटव समाज से आते हैं। बताया जाता है कि जब अखिलेश ने बाबा साहब वाहिनी का प्रथम प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर को बनाया था तो चंद समय में ही उन्होंने पूरे प्रदेश में एक बड़ी दलित समाज सहित अन्य जाति की टीम बना दी थी। जिससे सपा सुप्रीमो का चंद्रशेखर पर और भी विश्वास बढ़ गया था। उसी का नतीजा है कि उनका प्रमोशन करते हुए उन्हें पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी के दलित समाज की जिम्मेदारी मिली है।

एक नजर

प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रागिनी ने बढ़ाया जौनपुर का गौरव

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना की प्रधानाध्यापिका रागिनी गुप्ता की चार कविताएं कविता संग्रह "चहक" में शामिल हुई है, यह जनपद के सभी शिक्षकों के लिए गौरव की बात है।

भारत का शिराज' कहे जाने वाले यमदग्निपुरे- जौनपुर में प्रतिभाओं की कमी कभी नहीं रही। यह जनपद इतिहास में शिक्षा के लिए देश में मशहूर था। विदेशों से भी लोग यहां पर शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। आज यहां के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। कुछ ऐसा ही कर दिखाया अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना की प्रधानाध्यापक रागिनी गुप्ता ने। उत्तर प्रदेश के 15 जिलों के अनुभवी शिक्षकों में जौनपुर की रागिनी ने भी अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित करा लिया। बच्चों के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित 140 कविताओं के संग्रह 'चहक' में रागिनी की 4 कविताएं शामिल हैं। यह जनपद के सभी शिक्षकों के लिए गौरव की बात है।

रागिनी गुप्ता ने बताया कि 'चहक' का सम्पादन राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका अरूना कुमारी राजपूत 'राज' द्वारा किया गया है। इस संबंध में उन्होंने बताया कि उनकी 4 कविताएं 'चहक' में प्रकाशित होना उनके लिए गर्व का क्षण है। ये कविताएं निश्चित ही बच्चों के लिए लाभदायक होंगी। साथ ही शिक्षण कार्य में भी सभी शिक्षकों की मदद भी करेंगी। अभिनव प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका होने के नाते मैं अपने विद्यालय के सभी शिक्षकों को भी प्रोत्साहित और उनका उत्साह बढ़ाती रहती हूं। साथ ही बच्चों की शिक्षा में कोई कोर कसर न छोड़ी जाए इसका भी पूरा ध्यान देती हूं।

उनकी इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों, साथी शिक्षकों के साथ ही शिक्षा अधिकारियों ने भी उन्हें बधाई दी है।

लखनऊ : बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

लखनऊ, एजेंसी। पुराने लखनऊ में अघोषित बिजली कटौती नासूर बनती जा रही है। कहीं तार फाल्ट होने से तो कहीं ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने से घंटो बिजली गुल रहती है।

उमस भरी गर्मी के महीने में चौक, बालागंज, लालबाग, कैसरबाग एवं चारबाग में गुरुवार सुबह 11 बजे गुल हुई बिजली दोपहर एक बजे बहाल हो सकी। उपभोक्ता ने बताया कि लेसा ट्रांस गोमती के चिनहट डिवीजन में गुरुवार दोपहर दो बजे बिजली आपूर्ति ठप हो गई। परेशान लोग विभागीय अधिकारियों का फोन लगाने लगे किंतु न लगा। हेल्पलाइन नंबर 1912 पर भी कोई सहायता न मिल सकी। देर से पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने फाल्ट ठीक कर बिजली आपूर्ति बहाल की। वहीं शहर के बिजनौर, सरोजीनीनगर, पीजीआई, बंगला बाजार, रजनीखंड, वृंदावन से भी उपभोक्ताओं ने बिजली कटौती की शिकायत की। मुख्य अभियंता संजय जैन ने बताया कि जोन के कुछ हिस्सों में बिजली कटौती की सूचना मिली थी जिसे समय रहते बहाल कर दिया गया।

हरदोई में गैंगस्टर पर एक्शन - 3.55 करोड़ की सम्पत्ति पर लगा सरकारी ताला

हरदोई, एजेंसी। डीएम के आदेश पर उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत दो सगे भाइयों हनीफ उर्फ सुट्टे व सलीम की 3 करोड़ 55 लाख की 11 सम्पत्तियो को कुर्क किया गया है। इससे पहले पूरे गांव में डुगडुगी पिटवा कर कुर्की की कार्रवाई किए जाने का एलान किया गया।

बताया गया है कि टड़ियावां थाने के देविया फत्तेपुर निवासी सलीम पुत्र आबिद खां को 23 मार्च को काला आम तिराहे के पास से और उसके भाई हनीफ उर्फ सुट्टे को 28 मार्च गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास से गिरफ्तार किया गया था। दोनों के खिलाफ उ.प्र.गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। जिसकी जांच एसएचओ बेनीगंज को सौंपी गई है। डीएम ने दोनों भाइयों की 3 करोड़ 55 लाख रुपये कीमत की 11 सम्पत्तियो को कुर्क करने का आदेश दिया था।

सामूहिक बलात्कार का वीडियो सार्वजनिक, आठ आरोपी गिरफ्तार

बांदा (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के बदौसा क्षेत्र में एक महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार का वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक होने के मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भदावल गांव के कल्लू नामक व्यक्ति के मोबाइल फोन में सामूहिक बलात्कार का वीडियो पाए जाने पर वीडियो की फॉरेंसिक जांच कराई गई। उस कथित वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों को बृहस्पतिवार शाम गिरफ्तार कर लिया गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक भी हुआ था। उन्होंने बताया कि वीडियो करीब 10 दिन पुराना लगता है और यह घटना भदावल गांव के पंप कैनाल के आस-पास की बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि अभी तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। उसकी तलाश की जा रही है। कुशवाहा ने बताया कि वीडियो के संदर्भ में लमेहटा पुलिस चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक (एसआई) रवि कुमार की तहरीर पर पिछले माह 28 जुलाई को मामला दर्ज किया गया था।

उत्तर प्रदेश में बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगरा थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोरी को कथित रूप से अगवा कर तकरीबन पांच महीने तक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने शुक्रवार को एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नगरा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी पिछली छह मार्च को घर से लापता हो गई थी। थाना प्रभारी अतुल कुमार मिश्र ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में किशोरी के पिता की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र के खरूआव मोड़ के पास से सुल्तानपुर जिले के जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के खाले का पुरा गांव के रहने वाले रवि कुमार शुक्ला उर्फ विकास को गिरफ्तार कर उसके पास से किशोरी को मुक्त करा लिया। उन्होंने बताया कि किशोरी ने पुलिस को बयान दिया है कि रवि कुमार शुक्ला से उसका संपर्क मोबाइल फोन पर मिस्ड कॉल से हुआ था, इसके बाद रवि कुमार शुक्ला (26) उसे अगवा कर ले गया तथा उसके साथ तकरीबन पांच महीने तक बलात्कार किया। किशोरी का मेडिकल कराकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

बारिश में गिरी जर्जर हवेली पास के मकानों पर, दो की मौत

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले जिले की बाह तहसील के एक गांव में बारिश के कारण शुक्रवार तड़के एक जर्जर हवेली ढ़ह गई। इसकी चपेट में दो और मकान आ गये तथा मलबे में पांच लोग दब गए। इनमें एक बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाह तहसील के गांव उमरैठा गांव में करीब 300 साल पुरानी हवेली थी। हवेली खंडहर थी। इसमें कई वर्षों से कोई नहीं रहता था। गुरुवार रात को तेज बारिश हुई। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे अचानक हवेली का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया। हवेली के बराबर में दो मकान बने थे। मकान भी चपेट में आ गए। मकानों में रहने वाले लोग मलबे में दब गए। चीख-पुकार मच गई।

आसपास के लोग आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास किया। पुलिस को सूचना दी। मलबा हटाने के लिए जेसीबी मंगाई गई। मलबे के नीचे से पांच लोगों को घायलावस्था में पिनाहट सीएचसी पर भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने एक साल की बच्ची तन्वी और विनोद (विनोद) को मृत घोषित कर दिया। हादसे में चार साल के रौनक, इंद्रावती (45) और लक्ष्मी (28) गंभीर रूप से घायल हैं।

निमापडा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्राण प्रसंग को लेकर एक सेमिनार का हुआ आयोजन

लक्ष्मी नारायण पथी

ओडिशाः निमापडा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय परिसर मे 4 अगस्त शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्राण प्रसंग को लेकर एक सेमिनार का विधिवत आयोजन हुआ। भारत सरकार के युवा एवं क्रीडा व्यापार मंत्रालय और नेहरु युवा केंद्र पुरी के सहयोग से नासनाल इंटीग्रेटेड ह्यूमन इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट एजेन्सी यानी एन.आइ.एच.आइ डि.ए द्वारा युवा संसद इंडिया@2047 के तहत इस कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ था। इसमे एन.आइ.एच.आइ.डि.ए के सदस्य और स्वयंसेवकों ने भाग ली। कार्यक्रम की पहले चरण मे स्वयंसेवक और सदस्यों ने अपने अपने नाम रजिस्ट्रेशन की। पूर्वाह्न 11.30 वजे कार्यक्रम का विधिवत शुभ उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथी ने प्रदीप प्रज्ज्वलन कर भगवान श्रीवलभद्र, देवी

सुभद्रा और श्रीजगन्नाथ को पुष्प अर्पित की। निमापडा पी.एस का अध्यक्ष शंकर भोई मुख्य अतिथी रहे।

प्रोफेसर सुकांत कुमार महांति एवं निमापडा डिभाइन लाइफ सोसाइटी के स्वामी सदा शिवानंद सरस्वती महाराज संसाधन व्यक्ति रहे। अन्य अतिथीयों मे एन.आइ.एच.आइ.डि.ए का अध्यक्ष प्रशांत कुमार साहु, महाविद्यालय का प्राचार्या सुजाता सुंदरी राय और एन.आइ.एच.आइ.डि.ए का संपादक भक्तविहारी मिश्र इस कार्यक्रम मे सामिल रहे। भारत सरकार अंतर्गत नेहरु युवा केंद्र का जिला युवा संयोजक जयशंकर जोशी कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अतिथीओं को पुष्पगुच्छ भेंट किए जाने के वाद भक्त विहारी मिश्र ने अपने संवोधन के जरिए स्वागत संभाषण की।

जिला युवा संयोजक जयशंकर जोशी ने अपने संवोधन मे कहा कि किसी भी प्रकार हीन भावना से उपर उठकर भारत को विश्व मे अव्वल नंबर वनाना ही पंच प्राण का उद्देश्य है। संसाधन व्यक्ति प्रोफेसर सुकांत कुमार महांति ने पंच प्राण का तात्पर्य समझाते हुए कहा कि हमारा देश अभी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस आजादी का अमृतकाल एक ऐतिहासिक क्षण व पुण्य पडाव है। यह एक नये राह,एक नई सामर्थ्य और नये संकल्प के साथ कदम वढाने का शुभ अवसर देता है। साथ ही उन्होने कहा कि इस दौरान विकसित भारत, गुलामी के हर सोच से मुक्ति,विरासत पर गर्व,एकता,एकजुटता और नागरिकों के द्वारा अपने कर्तव्य पालन से ही पंच प्राण के उद्देश्य कारगर हो सकेगा। अन्य अतिथीओं ने पंच प्राण के संदर्भ अपने अपने विचार रखे।

एन.आइ.एच.आइ.डि.ए के अध्यक्ष प्रशांत कुमार साहु ने पंच प्राण के प्रति युवाओं के सोच के वारे मे वताया। मुख्य अतिथी शंकर भोई ने युवाओं को सुनहरा भविष्य का सही उपयोग करने का आग्रह किया। युवा इंडिया @2047 के तहत आध्यात्मिक ज्ञान व सोच ही विकसित भारत के लिए मददगार साबित होगा यह वात सदा शिवानंद सरस्वती महाराज ने कहा। सेमिनार मे उपस्थित सभी स्वयंसेवकों को विशेषंज्ञो ने पांच तकनीकी सत्र से सामाजिकता व जागरूकता को लेकर प्रशिक्षण दिये।आखिर चरण मे सभी अतिथी और स्वयंसेवकों को लेकर एक सवाल जवाब कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ था। सेमिनार मे सामिल स्वयंसेवक,अतिथी और आयोजक आदि सभी को भक्तविहारी मिश्र ने धन्यवाद देने के वाद कार्यक्रम का उद्यापन हुआ।

पुस्तकालय प्रभारी शिक्षकों का चार दिवसीय प्रषिक्षण संपन्न

मुकेश हरियाणी

सागरः पुस्तकालय प्रभारी शिक्षकों का चार दिवसीय 'जिला स्तरीय शिक्षा संवर्धन प्रशिक्षण' के द्वितीय चरण का समापन संयुक्त संचालक लोक शिक्षण मनीष वर्मा की अध्यक्षता एवं 'एडीपीसी अभय वास्तव के और उत्कृष्ट विद्यालय के 'प्राचार्य सुधीर तिवारी के आतिथ्य मे समापन हुआ। इसमें राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त 'मास्टर ट्रेनर मनीष कुमार नेमा प्रभारी लाइब्रेरियन जिला पुस्तकालय सागर एवं लाइब्रेरियन उत्कृष्ट विद्यालय एवं मती रमा दुबे लाइब्रेरियन सीएम राइस एमएलबी क्रमांक वन के द्वारा जिले के चार विकासखंड खुरई, रहली, राहतगढ़ एवं मालथौन के शिक्षकों ने भाग लिया एवं पुस्तकालय की समस्त गतिविधियों को समझा। इसमें

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 का पुस्तकालय के संबंध में क्या महत्व है इसको विस्तार से समझाया गया। इसके बाद एक्सेशन रजिस्टर मे कैसे एंट्री की इस संबध मे पहले सबको विस्तार से समझाया और फिर सभी को उसका एक एक फॉर्मेट दे कर सभी से प्रेक्टिस कराई गयी और चैक कर-के सभी की मिस्टेक को ठीक किया गया।

डीडीसी के सम्बन्ध में सभी प्रभारी लाइब्रेरियन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों को विस्तार से समझाया गया और बुक्स मे क्लास नंबर और बुक नंबर कैसे दिया जाता है। वह सब समझाया गया। उसके बाद सभी का क्क्ब का फॉर्मेट दे कर प्रेक्टिस कराई गयी। उन्ही के द्वारा और सभी ने काफी अच्छा परफॉर्मेंस दिया। सभी प्रशिक्षणार्थियों का जीमेल अकाउंट तैयार कराया गया। इसमें वर्कशीट कैसे बनाई जाती है उसको बताया गया जीमेल में फाइल कैसे अपलोड होती है फोल्डर कैसे अपलोड होता है इस सब को विस्तार से समझाया गया।

लोन रजिस्टर के संबंध मे भी विस्तार से समझया गया की लाइब्रेरी से कैसे बुक को इश्यू और डिपॉजिट किया जाता है। सभी प्रशिक्षणार्थियों को बारकोड के संबंध में जानकारी दी। किसी भी प्रोडक्ट का जो बारकोड होता है वह कैसे बनाया जाता है इसको लैपटॉप के माध्यम से सबको बनवाया भी गया। लाइब्रेरी का ऑटोमेशन कैसे होता है इसको विस्तार से बताया गया। डीडीसी क्लासीफिकेषन की प्रेक्टिस कराई गई। इसके बाद सभी परीक्षार्थियों का पहले प्री टेस्ट एवं इसके बाद पोस्ट टेस्ट लिया गया।

हरिद्वार हर की पौड़ी पर संध्या आरती में पूजा अर्चना में प्रधानमंत्री की बहन बसंती देवी का हुआ स्वागत

राजू

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छोटी बहन ने जिनका नाम बसंती देवी है। उन्होंने आज हरिद्वार हर की पौड़ी पर संध्या आरती में पूजा अर्चना कर यह बताया कि यह गंगा मां पवित्र पावन है। जिसमें गंगा सभा के सभी पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी की बहन बसंती देवी का स्वागत किया और गंगा जली एवं प्रसाद द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।

जिसमें की कुछ मुख्य गंगा सभा के पदाधिकारियों ने यह भी बताया कि हमें भी मोदी जी की बहन से मिलकर प्यार और स्नेह प्राप्त हुआ। गंगा सभा के पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि इस तरह के मुख्य अतिथि दिन-प्रतिदिन हमें आशीर्वाद के रूप में दर्शन देते है।

हिमाचल प्रदेशः मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की मतदाता सूचियों के सत्यापन की समीक्षा

युधिष्ठिर राणा

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से मतदाता सूचियों में विद्यमान प्रविष्टियों के सत्यापन कार्यक्रम की समीक्षा की। मतदाता सूचियों में विद्यमान प्रविष्टियों के सत्यापन का कार्यक्रम 21 जुलाई से आरम्भ हुआ है और 21 अगस्त, 2023 तक चलेगा। निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाए रखने के लिए बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्धारित तिथि तक मतदाता सूचियों में विद्यमान प्रविष्टियों का सत्यापन सुनिश्चित करवाने तथा इसके दृष्टिगत विशेष रूप से तैयार किए गए ऑनलाईन पोर्टल को भी निरन्तर अद्यतन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों को बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर जांच और सत्यापन के कार्य के पूर्ण होने के पश्चात इस आश्य का प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रपत्र पर प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि वे निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उक्त सत्यापन कार्यक्रम का नियमित निरीक्षण करना सुनिश्चित करें तथा इस संबंध में राजनैतिक दलों व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के साथ बैठक का आयोजन भी करें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस सत्यापन कार्यक्रम के सम्पूर्ण होने के पश्चात विद्यमान मतदान केन्द्रों के भवनों का भौतिक सत्यापन करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उक्त सत्यापन के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए तथा हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा निर्वाचन में नियुक्त किए गए सैक्टर अधिकारी की इस कार्य के लिए सेवाएं ली जाएं।

हिमाचल प्रदेश में कुल 55,22,702 विद्यमान मतदाता हैं, जिसमें 03 अगस्त, 2023 तक 13,771 छूटे हुए योग्य मतदाता तथा आगामी वर्ष, 2024 के लिए 35,045 भावी मतदाताओं की पहचान की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त मतदाता सूची में 1,842 दोहरे रूप में पंजीकृत, 12,613 मृत व 10,105 स्थाई रूप से स्थानान्तरित मतदाताओं की पहचान की जा चुकी है। फोटो मतदाता सूची में 3,969 मतदाताओं की खराब व धुंधली फोटो को अद्यतन रंगीन फोटो से परिवर्तित करने के दृष्टिगत पहचान की जा चुकी है। अब तक 16,07,883 मतदाताओं का सत्यापन किया जा चुका है जो कि कुल का 29.11 प्रतिशत है।

शाजापुर नगर में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की संयुक्त जांच दल द्वारा की गई जांच

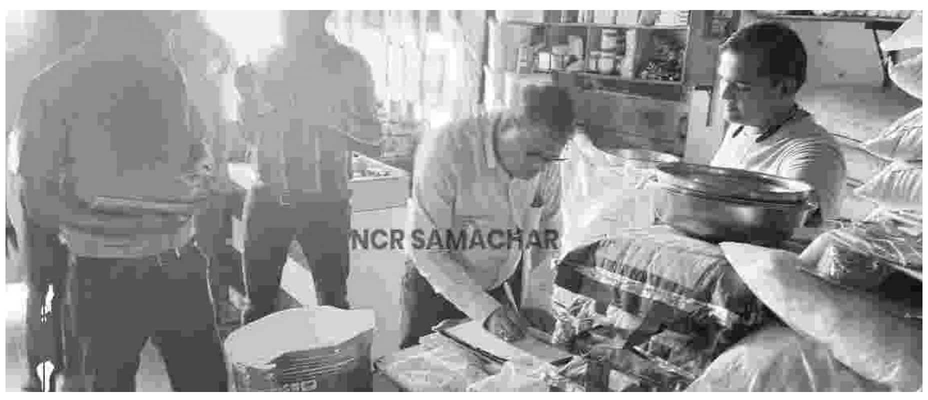

ब्रिज कुमार राठौर

शाजापुरः कलेक्टर किशोर कन्याल के निदेर्शानुसार शाजापुर नगर में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं नापतोल संबंधी तथा घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक दुरुपयोग के रोकने के लिए खाद्य आपूर्ति विभाग, नापतोल विभाग एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। संयुक्त जाँच दल द्वारा शाजापुर नगर के इंडियन आयल पेट्रोल पम्प के सामने स्थित कार्तिकेय एवरफ्रेश, गवली एवरफ्रेश, न्यू करोड़ी वाला बर्स किराना स्टोर, श्री गणेश फैमिली रेस्टोरेंट, बस स्टेण्ड के आसपास स्थित न्यू अशोक होटल उपहार गृह, ऋतुराज रेस्टोरेंट, बैरागी केफे, यादव उपहार गृह, सम्राट लस्सी, आनंद जूस एंड कोल्ड ड्रिंक्स, सूरज किराना स्टोर, टंकी चौराहा स्थित आरती भोजनालय, विशाल मिष्ठान एवं कोल्ड ड्रिंक आदि प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।

नापतोल विभाग द्वारा न्यू करोड़ी वाला ब्रदर्स किराना स्टोर पर खाद्य पदार्थ के पैकेट जिसमें घोषणाएं अंकित नहीं पाई जाने से प्रकरण दर्ज किया गया एवं सूरज किराना स्टोर में इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा सत्यापित नहीं होने से जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। खाद्य औषधि प्रशासन द्वारा न्यू अशोक होटल उपहार गृह से मावा के एवं आनंद जूस एंड कोल्ड ड्रिंक्स से लस्सी के नमूने लिए गए। जबकि सम्राट लस्सी प्रतिष्ठान में 750 एमएल थम्सअप की 30 बोतल एवं 750 एमएल की फेंटा की 4 बोतल एक्सपायरी डेट होने से प्रकरण दर्ज कर मौके पर ही नष्ट किया गया। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा गणेश फैमिली रेस्टोरेंट से एक घरेलू गैस टंकी एवं न्यू अशोक होटल उपहार गृह से 2 घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक रूप में प्रयोग करते हुए पाए जाने से जप्त कर प्रकरण बनाया गया। जाँच दल में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप शर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी रविन्द्र सिंह राठौर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अजय सिंह खराडिया, नापतोल निरीक्षक पीएस बारापात्रे एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश वास्कले शामिल थे।

जीपीएफ रिकॉर्ड के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों के विवरण में आहरण एवं वितरण अधिकारी बरतें सावधानी

युधिष्ठिर राणा

हिमाचल प्रदेशः प्रधान महालेखाकार (लेखा व हकदारी) हिमाचल प्रदेश, शिमला के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा 04 मई, 2023 को जारी अधिसूचना के तहत पुरानी पेंशन योजना लागू होने के परिणामस्वरूप जिन कर्मचारियों व अधिकारियों ने पुरानी पेंशन के लिए विकल्प चुना था, उन कर्मचारियों व अधिकारियों के पक्ष में सामान्य भविष्य निधि खातों का आवंटन हस्तचालित (मेनुअल) तौर से किया जा रहा था। 19 जुलाई, 2023 तक कुल 38368 सामान्य भविष्य निधि खाते आवंटित किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि इस कार्य की गति बढ़ाने के लिए महालेखाकार कार्यालय द्वारा स्वचालित (ऑटोमेशन) विधि

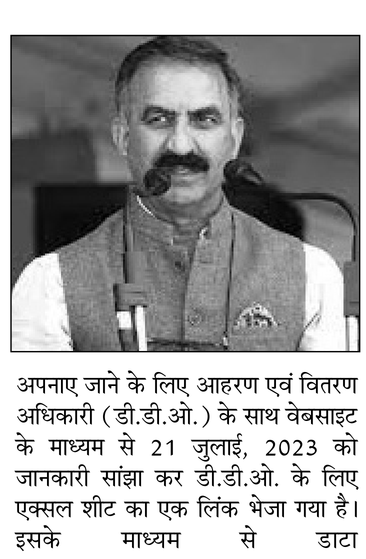

अपनाए जाने के लिए आहरण एवं वितरण अधिकारी (डी.डी.ओ.) के साथ वेबसाइट के माध्यम से 21 जुलाई, 2023 को जानकारी सांझा कर डी.डी.ओ. के लिए एक्सल शीट का एक लिंक भेजा गया है। इसके माध्यम से डाटा gpfcell.hmp.ae@cag.gov.in ई-मेल पर भेजने के लिए आग्रह किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस विधि के अन्तर्गत डी.डी.ओ. द्वारा ई-मेल से एक्सल शीट भेजी जा रही है। अब तक 2968 ई-मेल ए.जी. कार्यालय में प्राप्त हो चुकी है और 4739 सामान्य भविष्य निधि खातों का आवंटन किए जाने के उपरान्त इन्हें कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जा चुका है तथा लगभग 15000 से अधिक खाते 07 अगस्त, 2023 तक कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जाने की सम्भावना है।

प्रवक्ता ने बताया कि महालेखाकार कार्यालय का प्रयास है कि सामान्य भविष्य निधि लेखा आवंटन कार्य की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। आवंटित लेखा संख्या एक सप्ताह में दो बार मंगलवार व शुक्रवार को ई-मेल पर अपलोड की जाएंगी। उन्होंने डाटा भेजते समय डी.डी.ओ. से कुछ तथ्यों का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया है।

एक्सल शीट भरते समय पूर्ण सावधानी से दिशा-निदेर्शों का पालन करने के लिए कहा गया है। इनके अन्तर्गत ई-मेल के माध्यम से एक्सल शीट भेजने के उपरान्त उसे दोबारा ई-मेल से न भेजें। अन्य किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर जानकारी कार्यालय की ई-मेल agaehi-machalpradesh@cag.gov.in पर ही ई-मेल करें। एक्सेल शीट की प्रति ऑफलाइन (डाक) माध्यम से न भेजें। एक्सल शीट में जिन कॉलम से सम्बन्धित सूचना शून्य हो, उस कॉलम को पूरी तरह से खाली रखें और डैश या बिन्दु आदि का प्रयोग न करें। नाम के साथ श्री, श्रीमती, कुमारी आदि न लिखें।

प्रवक्ता ने बताया कि एक्सल शीट में डाटा अपलोड करने के उपरान्त उन मामलों के नामांकन पत्र अलग से डाक के माध्यम से प्रेषित न करें जिन मामलों के पहले ही महालेखाकार कार्यालय को फॉर्म भेजे जा चुके हैं। जिन मामलों में नामांकन पत्र अभी तक कार्यालय को नहीं भेजे गए है उन मामलों में पहले एक्सल शीट भेजें तथा सामान्य भविष्य निधि लेखा संख्या प्राप्त होने के उपरान्त कार्यालय वेबसाइट से डाटा डाउनलोड करके एक प्रति कार्यालय के अभिलेख में रखें व फोटो प्रति नामांकन पत्रों के साथ लगाकार ही फार्म महालेखाकार कार्यालय को प्रेषित करें ताकि कार्य की गति व नामांकन पत्र स्वीकार करने में विलम्ब न हों।

एक नजर

ब्राह्मण इंटरनेशनल ऑगेर्नाइजेशन टेस्ट के उपाध्यक्ष राजवीर शर्मा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर किया वृक्षारोपण

पोरसाः ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय युवा संगठन ट्रस्ट पोरसा के अनुभाग ग्राम रजौधा में ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर दो दर्जन पौधे लगाए गए।

तथा उनकी परवरिश की शपथ ली

आज अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण इंटरनेशनल ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर भारत को हरा-भरा बनाने के लिए जामुन, नीम, पीपल, आम, बरगद, शहतूत, अमरूद, पोरसा के दो दर्जन पौधे कार्यकर्ता मुकेश शर्मा, श्रीकांत दुबे, राधा मोहन शर्मा, राम मोहन शर्मा संजय शर्मा संदीप पाराशर संतोष बोहरे गिरीश कुशवाह रेखा तोमर प्रिया का बघेल सौरव शर्मा गौरव शर्मा हरिओम शर्मा आरती बघेल राधा शर्मा दिव्या श्रीवास प्रमोद सिंह तोमर आज देश को हरा-भरा बनाने के लिए पेड़ों की पेड़-पौधे लगाकर पाला-पोसा।

वश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कुरवाई खंड की बैठक आज महाकुंडेश्वर महादेव मंदिर कुरवाई में हुई आयोजित

गजेन्द्र डोंगी

कुरवाई में विश्व हिंदू परिषद की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर कार्ययोजना बनाई गई।

बैठक में कार्यकताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

जिसमें आकाश अहिरवार को कुरवाई नगर का नगर अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निशिल राय को बनाया गया तथा नितिन रैकवार को नगर संयोजक एवं आयुष राय को सह संयोजक नगर सुरक्षा प्रमुख सुरेंद्र रैकवार सेवा प्रमुख सुनील विश्वकर्मा को बनाया गया।

स्वामी विवेकानन्द गुजरात राज्य युवा बोर्ड सामी तालुका ने सामी मोमाई माता के मंदिर में सफाई चलाया अभियान

पारमर सुरेश भाई खेमा भाई

आज स्वामी विवेकानन्द गुजरात राज्य युवा बोर्ड सामी तालुका ने सामी मोमाई माता के मंदिर में सफाई अभियान चलाया। जिसमें सामी तालुका पंचायत सदस्य संजयभाई दवे, सामी तालुका बख्शी, पंच मोर्चा अध्यक्ष कनुभाई सिंधव, स्वामी विवेकानन्द गुजरात राज्य युवा बोर्ड सामी तालुका समन्वयक नितिनभाई देसाई शामिल हुए। नरसिंह ठाकोर, समशेरपुरा शक्ति केंद्र समन्वयक भरतभाई सोनारा उपस्थित थे।

फायर ऑफिसर सोनू कंवर चारण का सोल व माला पहना कर नगर परिषद् सभापति सुमित्रा जैन ने किया स्वागत

सतीश

आज फायर ऑफिसर सोनू कंवर चारण का सोल व माला पहना कर नगर परिषद् सभापति सुमित्रा जैन ने किया स्वागत साथ ही पार्षद नगराज जी प्रजापत ने भी माला भेट कर किया स्वागत।

जसोल थाना अधिकारी सोनू कवर का नगर परिषद के सभापति सुमित्रा जैन ने शॉल उड़ाकर सम्मान किया गया पार्षद गणमान्य मौजूद थे। जसोल थाना अधिकारी सोनू कवर का नगर परिषद के सभापति सुमित्रा जैन ने शॉल उड़ाकर सम्मान किया गया। सभापति सुमित्रा जैन फायरमैन सोगसिंह पार्षद गणमान्य मौजूद थे

करीमगंज जिले में सर्वधर्म धर्मसभा ने पर्यावरण अनुकूल कैरी बैग वितरण कार्यक्रम किया शुरू

सचिन्द्र शर्मा

प्लास्टिक और पॉलिथीन के उपयोग होने से हानिकारक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए। बराक घाटी सहित करीमगंज जिले में सर्वधर्म धर्मसभा ने पर्यावरण- अनुकूल कैरीबैग वितरण कार्यक्रम शुरू किया। संगठन के केंद्रीय महासचिव एचएम अमीर हुसैन ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता पैदा करने और पूरे समाज में शांति और सद्भाव का संदेश फैलाने के संकल्प के साथ यह कार्रवाई की गई। इस इको-फ्रेंडली कैरी बैग वितरण कार्यक्रम की शुरूआत प्रमुख चिकित्सक और संस्था के केंद्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मुस्तफा अहमद ने की। शुरूआत में महासचिव एचएम अमीर हुसैन ने 'डिजायर फोर लाइफ' संस्था के पदाधिकारियों को एक-एक बैग दिया। उन्होंने बताया कि वितरण कार्यक्रम शहर के विभिन्न स्थानों पर भी चलाया गया। लॉन्च के मौके पर डिजायर फोर लाइफ की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष गीता पांडे शर्मा, वकील ज्योति प्रसाद भट्टाचार्य, जाचमीना बेगम मजूमदार, कोनल गोस्वामी, सुमित्रा साहनी, गीता चंद, अंजू देवी, पम्पा दास भट्टाचार्य और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लाखों की ठगी के दोनों आरोपी नालागढ़ कोर्ट ने 4 दिन की न्यायिक हिरासत में सोलन जेल भेजे

श्रवण कुमार

बद्दीः प्यार का झांसा ओर जज बनने के सब्जबाग दिखाकर लाखों की ठगी करने वाली दीक्षा कुमारी पुत्री अशवनी कुमार निवासी मेघपुर डुबली, जिला रोपड़ पंजाब ओर उसके साथी नरेश कुमार पुत्र दुर्गा दास निवासी ताजपुर, बुंगासाहब, जिला रोपड़ पंजाब को नालागढ़ कोर्ट ने 4 दिन की न्यायिक हिरासत में सोलन जेल भेज दिया। 1 दिन के पुलिस रिमांड के बाद बद्दी पुलिस ने लाखों की ठगी करने वाली युवती ओर उसके साथी को कोर्ट में पेश किया। वहीं जांच में जुटी पुलिस रियात बहारा कॉलेज पहुंची और वहां जांच में सामने आया की दीक्षा कुमारी ने एलएलबी में कोई एडमिशन नहीं लिया था। जबकि दीक्षा ने संतोष कुमार से यह झांसा देकर 7 लाख रुपये ऐंठे थे के उस ने रियात बहारा कलिज में एलएलबी में एडमिशन लिया है।

इतना ही नहीं दीक्षा ने कॉलेज में असाइनमेंट सबमिट करने के नाम पर भी 1 लाख 67 हजार रुपये संतोष से ऑनलाइन ट्रांसफर करवाये थे। वहीं शुक्रवार को रियात बहारा कॉलेज पहुंची पुलिस को कॉलेज प्रशासन ने लिखित में दिया के दीक्षा कुमारी पुत्री अशवनी कुमार निवासी मेघपुर नाम से कोई एडमिशन नहीं है। गौरतलब है के पंजाब के जिला रोपड़ की रहने वाली दीक्षा कुमार ने संतोष कुमार को प्यार के जाल में फंसाकर 70 से 80 लाख रुपये की ठगी की। दीक्षा के इस पूरे षड्यंत्र में उसका असली प्रेमी नरेश कुमार जो उसके साथ 5 साल से साथ था भी शामिल था। दीक्षा ने लाखों रुपये संतोष कुमार से नरेश कुमार के खाते में यह कहकर ट्रांसफर करवाये के नरेश उसका भाई है। इतना ही नहीं एलएलबी के झांसे के बाद दीक्षा ने संतोष को जज बनने का झांसा दे रखा था। जब बद्दी पुलिस ने दीक्षा को गिरफ्तार किया था तब भी वह संतोष से जज की सीट मिलने के नाम पर 9 लाख रुपये लेने आई थी।

वहीं इस पूरे मामले में हैरानी इस बात की है के दीक्षा ने एक के बाद एक झूठ बोलकर संतोष से पैसे के ऐंठने का बहाना बनाया और संतोष भी देता रहा। जबकि संतोष ने दीक्षा को कर्ज ओर ब्याज पर उठाकर पैसे दे दिए। जब संतोष पूरी तरह लुटकर कर्जदार हो चुका था तो आखिर ने संतोष की नींद टूटी ओर अब वो मरने को मजबूर है। डीएसपी बद्दी प्रियंक गुप्ता ने बताया कि ठगी के दोनों आरोपियों दीक्षा ओर नरेश को न्यायालय ने 8 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस जांच जारी है और सभी पहलुओं को नजर में रखकर पुलिस जांच कर रही है।

बाढ़ के दौरान बर्बाद हुई फसलों का निरक्षण करने पटियाला जिले के एसडीएम फिल्ड पर निकले

पुनित कुमार

पटियालाः मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा किसानों को बाढ़ के दौरान बर्बाद हुई फसलों का शीघ्र मुआवजा देने के लिए दिए गए गिरदावरी के आदेश पर कार्रवाई करते हुए आज डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी के नेतृत्व में जिले के एसडीएम ने प्रभावित गांवों का दौरा किया और चल रहे गिरदावरी कार्य का निरीक्षण किया। समीक्षा की गई एसडीएम पटियाला डॉ. इस्मित विजय सिंह ने गांव नैना औकात, उलटपुर, अलीपुर जट्टा और धरमहेड़ी का दौरा किया।

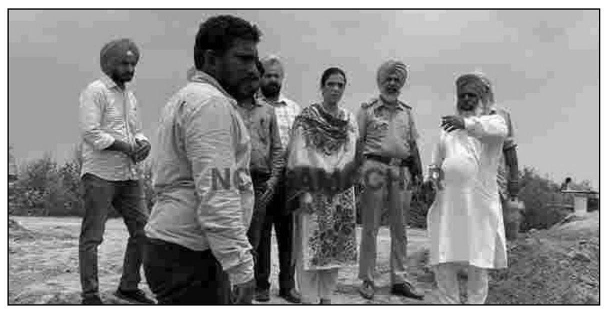

एसडीएम समाना चरणजीत सिंह ने गांव सफरहेड़ी, मदाहेंड़ी और छन्ना का दौरा किया। नाभा तरसेम चंद, नाभा के बाढ़ प्रभावित गांव, एस.डी.एम. पटदार नवदीप कुमार ने अरनेटू गांव, रामपुर पथट और बादशाहपुर सहित अन्य प्रभावित गांवों का दौरा किया। जबकि एस.डी.एम दुधनसाधन कृपालवीर सिंह ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त 15 मकानों के मालिकों को उनके खातों में 5 लाख 51 हजार 500 की धनराशि के दस्तावेज सौंपे।

एसडीएम ने मकानों के नुकसान के साथ-साथ पटवारियों द्वारा किए जा रहे गिरदावरी कार्य का जायजा लिया और संबंधित विभागों के कर्मचारियों को समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके। पूर्ण एसडीएम ने कहा कि मकानों के नुकसान की रिपोर्ट तैयार है और मुआवजा राशि जल्द ही जारी कर दी जाएगी।

इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी ने कहा कि जिले के एसडीएम समेत पूरा जिला प्रशासन पीड़ितों की मदद के लिए काम कर रहा है और पिछले दिनों पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने भी बैठक कर निर्देश दिए थे कि गिरदावरी का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाये। उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने उन किसानों के लिए धान तैयार किया है जिनकी फसलें खराब हो गई हैं।

स्वामीनारायण कारखाने में भव्य सत्संग पारायण प्रोग्राम का हुआ आयोजन

विक्रम सिंह

मकराना के गुणावती रोड स्वामीनारायण कारखाने में भव्य सत्संग पारायण प्रोग्राम का आयोजन किया गया। सोमपुरा परिवार के अखिल, घनश्याम, स्वामीनारायण सत्संग मंडल की तरफ से भव्य सत्संग पारायण का आयोजन किया गया। अखिल सोमपुरा ने बताया कि इसमें वेदानंद स्वामी, वेदमंगल स्वामी, धर्मनिष्ठ स्वामी, विनितमुनी स्वामी, जयपुर से संतगण पधारें। स्वामी ने बताया कि भारत में उत्सव की परंपरा को सतत रूप से प्रभावित करने में एवं मानव जीवन को आत्म कल्याण की ओर अग्रसर करने में इअद्वर स्वामीनारायण संस्था लगातार प्रयासरत है।

आज उसी प्राचीन वैष्णवी परंपरा को नियंत्रण बनाए रखते हुए प्रकट ब्रह्मास्वरूप महंत स्वामी महाराज की प्रेरणा से गुरुवार 3 अगस्त 2023 को भव्य सत्संग पारायण का अमृत लाभ पूज्य वेदा नंद स्वामी के मुख से हमें प्राप्त होने वाला है। उसमें जयपुर अक्षरधाम मंदिर के संतों का सारंगपुर मंदिर के संतों का भी लाभ प्राप्त होगा इस अवसर पर आप सब समस्त परिवार के साथ दर्शन का लाभ लेने अवश्य पधारे इस सत्संग पारायण मे माली समाज की महिला प्रदेश अध्यक्ष गीता सोलंकी भरत भाई सोमपुरा, उर्मिला बैन सोमपुरा, अनीता बैन, मिनाक्षी बैन, संध्या बैन, गोपाल शर्मा, हरि, विवेक, शिवम - दर्शन, सूरज मल सोलंकी, मूल चन्द सोलंकी, वीर सिंह सोलंकी, महावीर विदाता, जे. के. विदाता, केनरा बैक कल्कक बैक पप्पू आचार्य, कप्तान रामचन्द्र सिंह, भक्त गण उपस्थित रहे।

राशन डीलरो का तीसरे दिन भी धरना जारी, सुंदर कांड का किया आयोजन

एनसीआर समाचार

बाड़मेर जिले के राशन डीलर अपनी मांगों को लेकर 1अगस्त से हड़ताल पर है।जिसको लेकर जिला कलेक्ट्रेट के सामने राशन डीलरों का धरना लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा,राशन डीलर समन्वय समिति के जिला संयोजक मितेश यति ने बताया कि जहां एक ओर सरकार मुख्यमंत्री जी की महत्त्वाकांक्षी योजना अन्नपूर्णा फूड पैकेट को 15 अगस्त से वितरण शुरू करवा रही है। दूसरी ओर राशन डीलर अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर जिले की समस्त पॉश मशीन बन्द कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर आ गए है। जिला सहसंयोजक श्रवण चन्देलने बताया कि सरकार के आदेशानुसार उपभोक्ताओं को गेंहू और अन्नपूर्णा फूड पैकेट लेने के लिए, तीन पर पॉश मशीन पर फिंगर देना होगा।

जिससे उपभोक्ताओं और राशन डीलर को कई तरीके से मुसीबत का सामना करना होगा जबकि जिले के पाकिस्तानी बॉर्डर वाले इलाके गडरा रोड,शिव,चौहटन, रामसर और फगलिया में नेटवर्क समस्या भी रहती है। जिन बुजुर्ग उपभोक्ताओं का फिंगर काम नही करता उन उपभोक्ताओं के लिए तीन बार फिंगर देने से एक बार ओटीपी प्राप्त होगी और सम्पूर्ण राशन सामग्री प्राप्त करने के लिए इस तरीके से कुल नौ बार पॉश मशीन पर फिंगर देना होगा। अन्नपूर्णा फूड पैकेट पर राशन डीलर को नाम मात्र 4 रुपये प्रति किट का कमीशन दिया जा रहा है। जबकि राशन किट रखने के लिए राशन डीलर को उक्त कमीशन अपर्याप्त रहेगा।

जबकि राशन डीलरों द्वारा फूड पैकेट की कुल कीमत का 10 प्रतिशत 37 रु प्रति फूड पैकेट कमीशन की मांग की जा रही है, वर्ष 2018 का कमीशन वृद्धि का कमीशन बाड़मेर को ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसाइटी एवं बाड़मेर सहकारी होलसेल उपभोक्ता भण्डार में बकाया है जिसका आज दिन तक भुगतान नही किया गया है जिसको लेकर प्रशासन को कई बार ज्ञापन देकर अवगत करवाया गया है,सरकार की सद्बुद्धि के लिए धरना स्थल पर सुंदर कांड पाठ का भी आयोजन किया गया।

आज से राशन डीलरों द्वारा क्रमिक अनशन भी शुरू किया जाएगा जिसमे शुरूआती दौर में 10 राशन डीलर प्रतिदिन अनशन पर बैठेंगें। इस दौरान करणसिंह भायल, लूणकरण,लुणसिंह,पूरसिंह राजपुरोहित, पारसमल जैन, देवाराम चौधरी, मांगीलाल जैन, बाबूलाल प्रजापत, धनराज वैष्णव, मांगीलाल रानीगांव,मनोज तिवारी, अमराराम चौधरी, जुगतसिंह कोटड़ा एवम अन्य कई राशन डीलर उपस्थित रहे।

एक नजर

वूमेन पावर सोसाइटी ने सावन में मनाया लहरिया उत्सव

योगिता मीरवाल

जयपुरः सावन में लहरिया उत्सव की धूम है। इसी कड़ी में वूमेन पावर सोसायटी राजस्थान ने सावन उत्सव के तहत लहरिया कार्यक्रम का आयोजन समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष अर्चना शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया। इस अवसर पर अर्चना शर्मा ने वूमेन पावर सोसाइटी के सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मनित किया। कार्यक्रम में वूमेन पावर सोसाइटी राजस्थान के प्रदेश संयोजक सन्तोष कुमार, सह संयोजक डॉक्टर ललिता वर्मा, श्याम बिहारी, प्रदेश उपाध्यक्ष नीलम सूद, जिला अध्यक्ष टोंक सुरेश मीना, जयपुर जिला महासचिव योगिता मीरवाल, संयोजक डाक्टर वैशाली घई, सामाजिक सलाहकार सुनीता मिरवाल, नवनियुक्त कानूनी सलाहकार सृष्टि पारस, जिला दौसा अध्यक्ष घनश्याम, शिखा वर्मा, रवि नैनपुरिया, निधि रावत, सीमा, महादेव योगी, कल्पना, किशन सिंह राठौड़, मानसी, साक्षी मीरवाल, रविन्द्र सूद सभी पदाधिकारी सदस्यगण की उपस्थिति रहे।

केसरिया जागृति मंच के राष्ट्रीय मीडीया प्रभारी युवा मोर्चा बने शाश्वत शुक्ला

शाश्वत शुक्ला

केसरिया जागृत मंच के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष विपुल विद्रोही "त्रिपाठी" ने कहा हमे शाश्वत के रुप मे एक अमूल्य रत्न मिला। केसरिया जागृति मंच(रजि0)के राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा विपुल विद्रोही "त्रिपाठी"ने शाश्वत शुक्ला को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी युवा मोर्चा नियुक्त किया। इस मौके संस्थापिका नीतू गुप्ता ने बधाई देते हुए कि कहा कि शाश्वत हमे मीडिया सहयोगी के रुप मे एक अमूल्य कार्यकर्ता मिले है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य मोर्चा सुशांत सिंह ने भी बधाई देते हुए कहा कि शाश्वत मीडिया के माध्यम संगठन को शिखर तक ले जाने मे पूर्ण सक्षम है और संगठन के हिंदू बोर्ड प्रभारी कपिल शुक्ला ने बधाई देते हुए प्रगति की कामना की और कौशाम्बी युवा जिलाध्यक्ष अंशू प्रजापति, प्रदेशध्यक्ष मुख्य मोर्चा मुकेश नारायण पांडे, युवा मोर्चा प्रदेशध्यक्ष नीतेश पांडे, संस्थापक सदस्य, नियुक्ति प्रभारी। अनुपम आदि पदाधिकारीयो ने बहुत बहुत शुभकामनाएँ देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। शाश्वत ने संगठन के सभी पदाधिकारीयो का बहुत बहुत आभार जताया।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जे.पी.नड्डा से भेंट की

युधिष्ठिर राणा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से भेंट की।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और राज्य के विकास एवं उन्नति में उनसे सहयोग का आग्रह किया।

नड्डा ने हरसम्भव मदद का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने की नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से भेंट

युधिष्ठिर राणा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में राज्य में भारी बारिश एवं बाढ़ से हुई भारी क्षति के बारे में प्रधानमंत्री को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश से सड़कों और पुलों के बह जाने, जलापूर्ति योजनाओं, सिंचाई योजनाओं, विद्युत आपूर्ति लाइनों सहित सार्वजनिक एवं निजी सम्पति का बड़े स्तर पर नुकसान हुआ है। उन्होंने बाढ़ से लारजी परियोजना को हुए नुकसान से भी प्रधानमंत्री को अवगत करवाया।

उन्होंने राहत एवं पुनर्वास अभियान में तेजी लाते हुए राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्र सरकार से त्वरित वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से हिमाचल में बाढ़ से हुई क्षति का आकलन करने के लिए तुरंत एक केंद्रीय दल भेजा गया। उन्होंने कहा कि इस दल द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट के आधार पर राज्य को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री ने राज्य को हरसम्भव मदद का भी आश्वासन दिया।

कुशीनगर सीएमओ सभागार में जनपद इकाई का चुनाव कर पदाधिकारियों का हुआ चयन

श्रवण कुमार

उत्तर प्रदेशः जनपद कुशीनगर हाटा में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के जिला कार्यकारिणी की बैठक गांधी स्मारक इंटर कालेज हाटा के शिक्षक कक्ष में शुक्रवार को सम्पन्न हुई, जिसमें पुरानी पेंशन योजना की बहाली व अन्य शिक्षक समस्याओं के समर्थन में जिला मुख्यालय पर 9 अगस्त को होने वाली मोटरसाइकिल रैली को सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई। साथ ही जनपद के शिक्षकों की समस्याओं पर भी चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि, स्व.ओमप्रकाश शर्मा ने जीवन भर संघर्ष करके शिक्षक समाज को जो उपलब्धियां दिलाई, उनकी रक्षा करना और शेष उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करना हम सभी शिक्षकों का कर्तव्य है। संचालन कर रहे जिलामंत्री अनिल कुमार दूबे ने कहा कि, पुरानी पेंशन योजना की बहाली सभी शिक्षकों व कर्मचारियों की प्रमुख मांग है।

कई राज्यों के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन मिल रही है। प्रदेश के शिक्षकों व कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन मिलनी चाहिए। वरिष्ठ शिक्षक नेता धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि, नए शिक्षकों को भी संगठन के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया जाय और संगठन से जोड़कर उनकी भी समस्याओं का समाधान कराया जाए। कोषाध्यक्ष अमित नाथ तिवारी ने वित्तविहीन शिक्षकों की समस्याओं की चर्चा करते हुए समान कार्य के लिए समान वेतन की बात कही।

सभा को उपाध्यक्ष गोविंद प्रसाद वर्मा, यशवंत भारतीय, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, जगदीप सिंह, विनोद राम आदि ने भी सम्बोधित किया। कई शिक्षकों ने जनपद के शिक्षकों के एनपीएस का पैसा प्रान खाते में जमा नहीं किए जाने पर आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान रामसुमिरन मौर्य, अनिल कुमार सिंह, डॉ. नन्दकिशोर, राजेंद्र प्रसाद, प्रेम कुमार मिश्र, अशोक कुमार, रामकेलाश, समरजीत आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी की सजा पर रोक के निर्णय का किया स्वागत

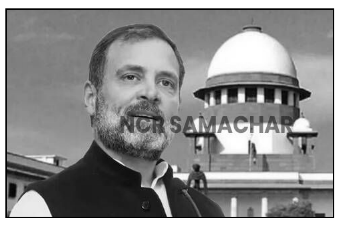

युधिष्ठिर राणा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की सजा पर सर्वोच्च न्यायालय से रोक लगने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और अंत में सत्य की जीत हुई है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में लगातार केन्द्र सरकार की जन विरोधी नीतियों और विघटनकारी राजनीति के विरूद्ध आवाज उठा रहे थे, इसीलिए केन्द्र सरकार ने उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित करने का षडयंत्र रचा। भारत जोड़ो यात्रा के सफल आयोजन से जनता की आवाज बन चुके राहुल गांधी की संसद सदस्यता केन्द्र सरकार के इशारे पर जल्दबाजी में समाप्त कर उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया गया। लेकिन अब उन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने राहत दे दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी अब जल्द ही संसद में जा सकेंगे और एक बार फिर नफरत की राजनीति के खिलाफ लोगों की आवाज को बुलंद करेंगे तथा जनता के मसलों को जोरदार ढंग से संसद में उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए अच्छा है बल्कि पूरा विपक्ष एक बार फिर राहुल गांधी के नेतृत्व में एकजुट होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में 2024 के आम चुनावों में 'इंडिया' पूरी मजबूती के साथ भाजपा की दमनकारी नीतियों का मुकाबला करेगा।

हम सबको दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर डॉक्टर परमार द्वारा दिखाये मार्ग पर चलना चाहिए : अजय सोलंकी

हेमंत चौहान

नाहन, हिमाचल निमार्ता डॉ. यशवंत सिंह परमार की जयंती के अवसर पर विधायक अजय सोलंकी ने नाहन माल रोड स्थित डॉक्टर परमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन भेंट किये। इस अवसर पर विधायक अजय सोलंकी ने कहा कि आज पूरा प्रदेश डॉक्टर परमार की जयंती को हर्षोल्लास के साथ मना रहा है और इसी कड़ी में नाहन में भी यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें डॉक्टर परमार के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर परमार की सोच के परिणामस्वरूप आज प्रदेश में सड़कों का जाल बुना जा रहा है, बागवानी में हिमाचल का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि जिस जिला से डॉक्टर परमार सम्बन्ध रखते हैं उसी जिला यानि सिरमौर से हम भी हम सम्बन्ध रखते हैं। उन्होंने कहा कि हम सब को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर डॉक्टर परमार द्वारा दिखाए गए मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

अजय सोलंकी ने कहा कि यह डॉक्टर परमार की दूरदर्शिता थी कि उन्होंने हिमाचलियों के हितों को ध्यान में रख कर धारा 118 को प्रदेश में लागू किया। सड़क निर्माण, कृषि, बागवानी और दुग्ध क्रांति में हिमाचल आज बुलंदियों पर पहुंचा है। इस मौके पर पूर्व विधायक कंवर अजय बहादुर, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेंद्र ठाकुर, कांग्रेस जिला महासचिव नरेंद्र तोमर, कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष ज्ञान चंद चौधरी, राकेश गर्ग, पार्षदगण, कांग्रेस पदाधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कांग्रेस के अधीर रंजन ने स्पीकर से मुलाकात की

उनसे राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने की मांग

एनसीआर समाचार

मानहानि मामले में राहुल की सजा पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "लोकतंत्र की जीत हुई है", जबकि प्रियंका गांधी ने कहा कि सच्चाई "छिपी नहीं जा सकती"।

राहुल गांधी मानहानि केस

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी और अन्य सांसद शुक्रवार, 4 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में 'मोदी उपनाम' टिप्पणी पर मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने के बाद जश्न मना रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार को 2019 मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने के बाद, लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और मांग की कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता की सदस्यता बहाल की जाए। अपनी सजा के बाद, गांधी को लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया, जहां उन्होंने केरल में वायनाड निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था।

मैंने स्पीकर से मुलाकात की और उनसे राहुल गांधी की सदस्यता बहाल करने का आग्रह किया क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी है। मैंने उनसे कहा कि हम चाहेंगे कि गांधी अगले सप्ताह अविश्वास प्रस्ताव पर बोलें।

उन्होंने कहा, स्पीकर ने उनसे कहा था, "काम से कम कोर्ट से तो पेपर आने दीजिए। हमारा काम पूरा करो। चौधरी ने कहा, हम सोमवार को बैठेंगे और फैसला करेंगे।

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा,

सच्चाई की अकेले जीत होती है। हम माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राहुल गांधी को राहत देने वाले फैसले का स्वागत करते हैं। न्याय मिल गया है।

पटियाला के एडीसी जगजीत सिंह ने आधार अपडेशन में तेजी लाने का दिया आदेश

5 से 7 साल और 15 से 17 साल के छात्रों के आधार कार्ड होंगे फ्री अपडेट

सुशील कुमार

पटियाला के अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जे) जगजीत सिंह ने आधार अपडेशन में तेजी लाने के आदेश दिए हैं। जिला स्तरीय आधार समिति की समीक्षा बैठक के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त (ज) ने जिलावासियों से यह भी अपील की कि जिन नागरिकों का आधार कार्ड 2015 से पहले बना हुआ है। वे अपने आधार की जानकारी अपडेट करा लें। उनके साथ ए.सी.एफ.ए. राकेश गर्ग एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एडीसी जगजीत सिंह ने शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीकरण अनिवार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि 5 से 15 वर्ष तक के बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट भी सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा 5 से 7 साल और 15 से 17 साल के स्कूली छात्रों के लिए

आधार कार्ड अपडेट मुफ्त किया जाता है, इसलिए सभी छात्रों के आधार कार्ड अपडेट होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोग नजदीकी सेवा केंद्र या आधार केंद्र पर जाकर अपनी पहचान और स्थायी घर के पते का प्रमाण जमा कर- के अपने आधार कार्ड को अपडेट करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने आधार अपडेट करने का अभियान शुरू किया है, जिसका लोगों को फायदा उठाना चाहिए।

एडीसी उन्होंने कहा कि अगर नागरिकों के पते आदि में कोई बदलाव नहीं हुआ है तो भी आधार अपडेट कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि मोबाइल नंबर आधार के साथ पंजीकृत है, तो नागरिक MyAadhaar.UIDI.gov.in के माध्यम से इस सेवा को ऑनलाइन भी अपडेट कर सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में जब आधार कार्ड सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए नागरिकों की पहचान का प्रमाण बन गया है, तो इसे समय-समय पर अपडेट करना भी जरूरी हो गया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस आधार अपडेट से गलत और फोटोकॉपी वाले आधार कार्ड का दुरुपयोग रुकेगा।

नमामि गंगे ने खोद डाली गांव की सड़के निकलने में ग्रामीणों को परेशानी, गांव में लगा गन्दगी का अंबार

मुकेश कुमार

जालौन: विकास खण्ड कुठौंद के क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम खेड़ा सलेमपुर कनार गांव के मुख्य मार्ग पर फैली गन्दगी बा कीचड। कीचड और सड़क से निकलने में ग्रामीणों को हो रही परेशानी। आम रास्ते में फैली गन्दगी बा कीचड़ के कारण स्कूली बच्चे और ग्रामीण हैं परेशान।

ग्रामीणों का कहना है। कि ग्राम खेड़ा सलेमपुर कनार में स्कूल भी है जिसका नाम है ग्राम विकास उत्तम माध्यमिक विद्यालय खेरा सलेमपुर कनार। जिस विद्यालय में अनेक कई गांव के बच्चे पढ़ने आते है। जिनको आने जाने में बहुत परेशानी होती हैं। गांव को साफ सुथरा बनाने के लिए सरकार तमाम प्रयास कर रही है लेकिन गांव की सफाई भगवान भरोसे चल रही है। बारिश के चलते गांव की रास्तों में कीचड़ जमा है। गांव के मुख्य मार्ग से सभी को निकालना होता है।

इस मार्ग से ग्रामीणों को जमलापुर,शेखपुर अहीर, नीमगांव आदि गांव आने जाने में बहुत दिक्कत होती है। एक तरफ गांव में गंदगी फैली हुई है तो दूसरी तरफ नमामि गंगे योजना के तहत खोदी गई पाइप लाइन के कारण गांव में कीचड़ हो गया है। कीचड़ के चलते सड़क पर लोगो का चलना मुश्किल को गया है। ग्रामीण सचेंद्र कुमार, अश्वनी दुबे, सौरभ श्रीवास, सचित श्रीवास, मुरारी दीक्षित, चेतराम श्रीवास, विवेक श्रीवास, अभिनव दिवाकर, श्रीपाल, श्रीप्रकाश दुबे, आदि बताते है कि सड़को से निकलना हुआ भारी दुश्भार। नमामि गंगे परियोजना के तहत पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई को ठीक न करने से रास्तों की मिटटी ने बरसात में कीचड़ का रूप ले लिया है। कीचड़ के चलते दो पहिया वाहन ब पैदल चलना मुश्किल हो गया है। अनुशासन से अनुरोध है कि पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़को को पूर्व की भांति ठीक कराए।

एक नजर

कोटपूतली के ग्राम पवाना अहीर में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

प्रमोद कुमार बंसल

आज जिला कोटपूतली के ग्राम पवाना अहीर में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं लोकार्पण किया। इस दौरान ग्राम वासियों द्वारा आत्मीय स्वागत के लिए मन अभिभूत है, सभी का सहृदय धन्यवाद।

इस दौरान पशु चिकित्सालय भवन, 2 सीसी सड़कों, एससी की शमशान भूमि की चारदीवारी, ओपन जिम, ग्राम पंचायत भवन की चारदीवारी, इंटरलॉकिंग सड़क का उद्घाटन एवं लोकार्पण किया।

धार्मिक स्थान पर चल रहा बेधड़क सट्टा, दर्शनार्थियों की मोटरसाइकिल हो रही चोरी, प्रशासन बेखबर

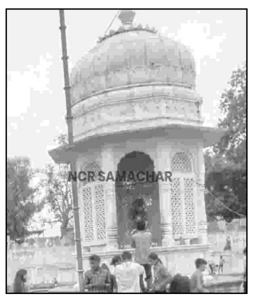

तिलस्वा: धार्मिक नगरी तिलस्वा जहां सावन महा का पवित्र महीना होने से श्रद्धालुओं की भीड़ भोले बाबा के दर्शन को 24 घंटे बनी रहती है बाबा के भक्त बहुत दूर-दूर से यहां आते हैं। वह रात्रि विश्राम भी यही करते हैं ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि के नाम पर प्रशासनिक लापरवाही नजर आने पर कई बार दर्शनार्थियों की मोटर साइकिलें चोरी हो जाती है। मंदिर प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष रमेश अहीर द्वारा चर्चा मैं बताया गया कि तिलस्वा महादेव मंदिर के निकट शंभूपुरा चौराहे पर पेट्रोल पंप के पास असामाजिक तत्वों द्वारा बेधड़क सट्टा चलाया जा रहा है। जिससे वहां अपराधिक किस्म के तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। जो दिन भर सट्टा लगाते हैं वह रात्रि में छोटे-मोटे अपराध सहित चोरियां कर अपराध को अंजाम देते हैं। हमने इस विषय में कई बार पुलिस थाना बिजोलिया को आवेदन देकर अवगत कराया लेकिन सिर्फ आश्वासन मिले कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और शासन बेखबर। ऐसे अपराधियों पर कोई कार्रवाई न करने से दर्शनार्थियों को परेशानी झेलनी पड़ती है अतः प्रशासन से आग्रह है कि वह असामाजिक तत्वों पर क्षेत्र मै कोई बड़ी घटना घटित ना हो उससे पहले कार्रवाई करें अन्यथा जनाक्रोश प्रशासन के प्रति बढ़ रहा है जो कभी भी बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

हिमाचल प्रदेश: मुख्यमंत्री ने किया कविता संग्रह 'अंडर द पेल मूनलाइट' का विमोचन

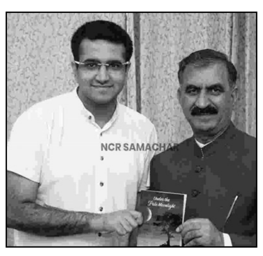

युधिष्ठिर राणा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में 17 वर्षीय स्कूली छात्र हृदयांश खेड़ा के कविता संग्रह 'अंडर द पेल मूनलाइट' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने नवोदित कवि को उनके उनके प्रथम प्रकाशन के लिए बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके लेखन कौशल से युवाओं को अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों में लगाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। हृदयांश मदर्स इंटरनेशनल स्कूल नई दिल्ली में 12वीं कक्षा के छात्र हैं। यह काव्य संग्रह नौ विषयों को प्रस्तुत करता है जिसमें यथार्थवाद की दार्शनिक अवधारणा पर बल दिया गया है। यह संग्रह हर किसी को आत्मनिरीक्षण करने और साझा अनुभवों में सुख का आभास करने की प्रेरणा देता है। उनकी रचनाएं पाठकों को जो बताया गया है उस पर विश्वास करने के बजाय स्वतन्त्र रूप से विचार करने का भी संदेश देती हैं।

मुख्यमंत्री ने सूर्य प्रताप सिंह बांश्टू को दी कांस्य पदक जीतने पर बधाई

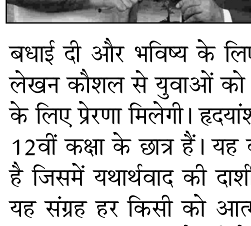

युधिष्ठिर राणा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सूर्य प्रताप सिंह बांश्टू को चीन के चेंगदू में आयोजित विश्व विश्वविद्यालयीय खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता की 50 मीटर पुरुष स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि उनकी इस जीत से देश गौरवान्वित हुआ है। सूर्य प्रताप सिंह बांश्टू ने चीन से लौटने के उपरांत अपने पिता एवं कोच वीरेंद्र सिंह बांश्टू के साथ आज नई दिल्ली में मुख्यमंत्री से भेंट की।

ब्रह्म ज्योत ने बुड्ढा अमरनाथ यात्रियों की सुविधा के लिए बाबा बालक नाथ संस्था को भंडारे का भेजा राशन

राजेश कुमार

ब्रह्म ज्योत सत्ती (प्रभारी भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू कश्मीर) ने बुड्ढा अमरनाथ यात्रियों की सुविधा के लिए "बाबा बालक नाथ संस्था" को भंडारा का राशन भेजा।कार्यक्रम का आयोजन जम्मू में मनोज सैनी, पवन कुमार, केवल शर्मा (सामाजिक कार्यकर्ता) ने आपसी योगदान से किया।इस अवसर पर बाबा आसनाथ, बाबा चिमन नाथ, बाबा नरेश नाथ और बाबा सोनू उपस्थित थे और उन्होंने पुंछ के लिए यह भंडारा राशन ग्रहण किया।मौके पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने कहा कि हिंदू देवता शिव को समर्पित बुद्ध अमरनाथ मंदिर, जम्मू क्षेत्र के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। यह पुंछ जिले की मंडी तहसील के राजपुरा गांव

में स्थित है। मंदिर के पास से बहने वाली पल्सटा नदी को पवित्र माना जाता है जहां तीर्थयात्री मंदिर में प्रवेश करने से पहले स्नान करते हैं। नदी के साथ एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है और इसका नाम रावण के दादा ऋषि पल्सटा के नाम पर रखा गया है।

उन्होंने कहा कि इस मंदिर का शिवलिंग प्राकृतिक रूप से निर्मित नहीं है और सफेद पत्थर से बना है। बुद्ध अमरनाथ मंदिर कश्मीर में अमरनाथजी के ऐतिहासिक गुफा मंदिर से भी पुराना है। यह प्राचीन मंदिर रक्षा बंधन मेले और छड़ी मुबारक यात्रा के लिए लोकप्रिय है, जिसमें हर साल पूरे भारत से हजारों भक्त भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि हम भगवान शिव की पूजा करते हैं जो सर्वोच्च शक्ति और इस ब्रह्मांड के निमार्ता, संचालक और संहारक हैं और दुनिया भर में करोड़ों भक्त हैं जो भगवान शिव की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस समय जम्मू कश्मीर के कई स्थलों पर बड़ी संख्या में बुड्ढा अमरनाथ श्रद्धालु आते हैं और किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना ही मानवता की सच्ची सेवा है और भाजपा कार्यकर्ता पूरे जम्मू कश्मीर में लगातार इस तरह के कार्यों का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा दूसरों की मदद करती है, इसलिए हम कठिन समय में किसी को नहीं छोड़ते हैं और मानवता की सेवा में अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करते हैं।

गाय और दो पहिया वाहन की टक्कर, इलाज के दौरान महिला की हुई मौत

यशवंत ठाकुर

दैहांनडीह निवासी राधु पटेल अपनी पत्नी व अन्य रिश्तेदार के साथ मोटर साइकिल में सवार होकर मंगलवार को लोहारा बाजार से खरीदी करके वापस घर आ रहे थे। तभी ओड़िया खुद हाईस्कूल मेन रोड में रात 7 बजे रोड में बैठे गाय से मोटर साइकिल टकरा गई जिसकी वजह से मोटर साइकिल में बैठी लखनी पटेल, उतरा पटेल गिर गए लखनी पटेल के सिर में गंभीर चोट लगने से खून बहा रहा था साथ ही उतरा पटेल को भी चोट आई सभी को लोहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद लोहारा लाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने जांच कर बताया कि राधु पटेल की पत्नि लखनी बाई की मौत हो गई।

घटना के बाद 112 संजीवनी को भी फोन लगाया लेकिन समय मे गाडी के नही पहुचने के और ज्यादा खून के बहाव के कारण प्राइवेट गाडी से हास्पिटल पहुचाया गया।महिला लखनी की मौत के बाद बुधवार को सुबह 1099 पर डायल कर परिवार के लोगो ने कॉल किया तो कहा की गाड़ी लेट मे आएगी जबकि हर जिले मे राज्य शासन से मुकतांजली गाडी उपलब्ध रहता है।

ऐसे मे मृतक के परिजन बारिश में परिवार के 6 लोगो ने स्ट्रेचर में उठाकर पीछे के रास्ते से हाईस्कूल मैदान से होते हुए 300 मीटर की दूरी तय कर मचुर्री पहुँचे जहाँ मृतक का पोस्टमार्टम हुआ। ताकि सिस्टम का पोल न खुल सके लेकिन सच्चाई छुपती कहाँ है साहब.. क्योकि ये सब नजारा तो मिडिया का तीसरा कैमरा देख रहा था जो हम अब जनता-जनार्दन और प्रशासन को दिखा रहे है।

ग्राम पोता में अवैध अतिक्रमण अंबेडकर पार्क की जगह पे एक व्यक्ति का कब्जा

सुनील कुमार

दोनों बस्तियों के बीच की खाली जगह, जिसे पूर्व पंचायत ने अंबेडकर पार्क के लिए चुना था (जो पहले यहां जोहड़ हुआ करता था), किसी कारणवश अंबेडकर पार्क का निर्माण पूरा नहीं हो सका। इसलिए वहां पानी जमा होने लगा है। जिससे कॉलोनी से सटे मकानों की दीवारों में सेंध लग गई है।

जिसके कारण मकान गिरने की स्थिति में हैं, गांव के एक व्यक्ति ने काफी बड़े भूभाग पर अपना कब्जा जमा लिया है तथा कई लोगों ने वहां अपना आशियाना बना लिया है, जिसके कारण अवैध कब्जा हो गया है।

सरकार एवं जिला प्रशासन से अनुरोध है कि उपरोक्त मामले को संज्ञान में लेकर अवैध अतिक्रमण हटवाकर अम्बेडकर पार्क का निर्माण करायें अथवा मिट्टी डलवाकर पार्क की चारदीवारी का निर्माण करायें। ताकि उपरोक्त समस्या का समाधान हो सके।

पंचक्रोशी यात्रियों पर बरसाए फूल किया सम्मान

जल संरक्षण का संदेश देकर चक्र पुष्करिणी कुंड की उतारी आरती

बिजेन्द्र जय सिंह गुप्ता

33 कोटि देवी-देवताओं को प्रसन्न करने वाली पंचक्रोशी परिक्रमा के यात्रियों पर शनिवार को नमामि गंगे ने पुष्प वर्षा की। तीर्थों में सर्वोच्च मणिकर्णिका चक्र पुष्करिणी कुंड की आरती उतार कर जल संरक्षण की कामना की गई। नमामि गंगे के सदस्यों ने काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला के नेतृत्व में पंचक्रोशी यात्रियों को अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया। पंचक्रोशी यात्रियों पर पुष्प वर्षा के दौरान मणिकर्णिका तीर्थ क्षेत्र हर-हर महादेव, बोल बम और जय शिव शंकर के घोष से गुंजायमान रहा।

तकरीबन 3300 वर्ष पुरानी 85 किमी लंबी पंचक्रोशी परिक्रमा पथ के यात्री चक्र पुष्करिणी कुंड की आरती कर सम्मान पाकर गदगद नजर आए। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। नमामि गंगे टीम ने गंगा किनारे मणिकर्णिका तीर्थ व चक्र पुष्करिणी कुंड के आस-पास सफाई की। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि सावन भगवान भोलेनाथ का महीना है। सावन माह में पंचक्रोशी परिक्रमा को पूर्ण करने वाले व्यक्ति को 33 कोटि देवी देवताओं की पूजा-अर्चना और अश्वमेध यज्ञ कराने जैसा पुण्य लाभ मिलता है।

पुराणों में कहा गया है, ह्यइदं मम प्रियंक्षेत्रं पंचकोशीपरीमितः यानी पांच कोस तक विस्तृत यह क्षेत्र (काशी) भगवान भोलेनाथ को अत्यंत प्रिय है। आयोजन में प्रमुख रूप से नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला शुक्ला, महानगर संयोजक शिवदत्त द्विवेदी , महानगर सहसंयोजक सारिका गुप्ता, पंकज अग्रहरी, सरस्वती देवी, सितारा देवी, चंपा देवी, निर्मला देवी, श्वेता गुप्ता, झिनकू, अनीता आदि उपस्थित रहे।

मकराना विधायक रूपाराम मुरावतिया के आशीर्वाद से आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक बालाजी मेडिकल सेंटर का किया उद्घाटन

पारमर विक्रम सिंह

मकराना विधायक रूपाराम मुरावतिया के आशीर्वाद से आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक बालाजी मेडिकल सेंटर का उद्घाटन आज माताभर रोड शीतला माता गौशाला भूमि पर किया गया। हॉस्पिटल सेंटर में डॉ. एम. एस. राठौड़ होम्योपैथिक बीएचएमएस एवं डॉ. सत्यप्रकाश मंगरोडिया बी.ए.एम.एस दोनों आयुर्वेदिक डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे।

वहीं शेर सिंह चौहान ने बताया कि होम्योपैथिक डॉ. एन.एस.राठौड़ प्रत्येक सोमवार को सुबह 8:00 से 10:00 बजे तक अपनी सेवाएं देंगे। सत्य प्रकाश आयुर्वेदिक सप्ताह के गुरुवार एवं रविवार को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक अपनी सेवाएँ देंगे। बताया कि इससे माताभर रोड पर रहने वाले लोगों को नजदीक ही उच्चतम सुविधा मिलेगी। उन्हें दूर-दराज के इलाज के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा।

पाइल्स, पथरी, एनीमिया, पनजरा, त्वचा रोग, खांसी, बुखार, गर्भपात, एसिडिटी/गैस, शराब की लत, गंजापन, घबराहट, अस्थमा, गूंगा बहरा, इन दोनों डॉक्टरों द्वारा बालाजी हॉस्पिटल सेंटर के उद्घाटन अवसर पर मधुमेह, मिर्गी, मस्तिष्क रोग सहित कई अन्य बीमारियों का इलाज किया जाएगा, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष घनश्याम सोनी, सामाजिक कार्यकर्ता फूलाराम चौहान, भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र व्यास, नोरत, राम नायक, बजरंग जाटलिया, जितेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, पूरण सिंह, पार्षद ईश्वर बंजारा, शेर सिंह चौहान संस्था के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस मीनार में सगे भाई- बहन बन जाते हैं पति-पत्नी, जानिए क्या है इसका रहस्य?

नूर आलम

भारत अपनी संस्कृति के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। प्राचीन काल से ही यह ऋषि-मुनियों का देश रहा है। यहां की कुछ अद्भुत धार्मिक मान्यताएं हैं, जिन्हें सुनकर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी ही एक मान्यता उत्तर प्रदेश के जालौन से जुड़ी है। यहां स्थित एक टावर के बारे में कहा जाता है कि वहां

भाई-बहन को एक साथ नहीं जाना चाहिए। सगे भाई- बहन अगर साथ- साथ चलें तो पति-पत्नी जैसे हो जाते हैं।

इस मीनार को लंका मीनार के नाम से जाना जाता है, जो उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कालपी में स्थित है। कालपी का यह टावर 210 फीट ऊंचा है। इसका निर्माण वकील बाबू मथुरा प्रसाद निगम ने कराया था। इस टावर को बनाने में 20 साल से ज्यादा का समय लगा।

हिमाचल मुख्यमंत्री ने की कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भेंट

युधिष्ठिर राणा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भेंट की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मल्लिकार्जुन खरगे से राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य में बाढ़ से हुई क्षति से अवगत करवाया तथा राज्य सरकार द्वारा चलाए गए राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने लाहौल-स्पिति जिला में लगभग 14100 फुट की ऊंचाई पर स्थित चन्द्रताल में फंसे पर्यटकों के बचाव अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि राहत एवं बचाव कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करने के लिए मंत्रिमण्डल के सहयोगियों ने स्वयं फील्ड में उतर कर सार्थक प्रयास किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए दृढ़ता से प्रयास कर रही है और बताया कि उन्होंने राज्य को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष भी मामला उठाया है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वयं पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की।

श्री सुक्खू ने उन्हें अवगत करवाया कि उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और वित्त मंत्री से भी भेंट कर राज्य के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

संपादकीय

नूंह के मोनू-बिट्टू

नूंह का सांप्रदायिक अंधड़ फिलहाल शांत लगता है, लेकिन क्या दबा-छिपा है, उसकी संभावनाएं भी नहीं बता सकते। हालांकि सर्वोच्च अदालत ने आदेश दिया है कि सरकारें तय करें कि कोई नफरती भाषण न दिया जाए। माहौल को भड़काया-उकसाया न जाए। हिंसा की कोई गुंजाइश न हो, लिहाजा अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। शांति और सौहार्द कायम रहना चाहिए। यह जिम्मेदारी हरियाणा, दिल्ली, उप्र और केंद्र की सरकारों की तय की गई है। अदालत ने जुलूस, रैली, प्रदर्शन आदि की वीडियोग्राफी और रिकॉर्डिंग के भी आदेश दिए हैं। फिलहाल सुनवाई जारी है। नूंह हिंसा के पूरे प्रकरण में मोनू मानेसर और बिट्टू बजरंगी, कथित गोरक्षकों, को 'खलनायक' चित्रित किया गया है। क्या सिर्फ दो हिंदूवादी चेहरों के कारण हरियाणा के एक संवेदनशील इलाके को हिंसा और दंगे की आग में झोंका गया? सांप्रदायिक दोफाड़ के हालात पैदा किए गए? छह मासूम मारे गए और 70 से अधिक घायल हुए। जिला अदालत की अतिरिक्त चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अंजलि जैन को, उनकी तीन साला बेटी के साथ, घंटों तक एक वर्कशॉप में छिपकर जान बचानी पड़ी। उनकी कार पर 100 से अधिक दंगाइयों ने पथराव के साथ हमला किया। क्या एक न्यायाधीश भी सांप्रदायिक हो गया? क्या यह हमला भी मोनू-बिट्टू के भडकाऊ वीडियो के कारण किया गया? अब नूंह के प्रवासी मजदूरों ने भी पलायन करना शुरू कर दिया है।

उनमें कई मुस्लिम भी हैं। गुरुग्राम के समीप एक गुरुकुल पर दो बार हमले की कोशिश की गई। उन अनाम ग्रामीणों का बहुत आभार है कि उन्होंने जान की बाजी लगाकर गुरुकुल को खंडहर होने से बचा लिया। बेकसूर दुकानदारों और व्यापारियों को लूटा गया, उनके प्रतिष्ठान जला कर राख कर दिए, करोड़ों की संपत्ति तबाह कर दी गई और कुछ कारोबारियों को तो जान से मार कर सडक किनारे फेंक दिया गया। क्या ऐसे हालात मोनू और बिट्टू के कारण बन सकते हैं? कौन हैं ये दो चेहरे? उनके खिलाफ हरियाणा में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं, फिर भी उन्हें 'जामाता' की तरह संरक्षण क्यों दिया जा रहा है? इस संदर्भ में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के बयानों में ही विरोधाभास है। भाजपा और हरियाणा सरकार का बुनियादी अपराध यही है। दरअसल मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर हरेक घटना और टकराव के दौरान नाकाम साबित हुए हैं। चाहे वह जाट आरक्षण आंदोलन हो अथवा राम रहीम को अदालती सजा सुनाने के बाद भडकी जन-हिंसा हो! नूंह हिंसाकांड पर मुख्यमंत्री ने बयान दिया है कि पुलिस या सेना हरेक व्यक्ति को सुरक्षा नहीं दे सकती। यह यथार्थ हरियाणा और देश की जनता भी जानती है, लेकिन सरकार का अपना इकबाल होता है। कानून-व्यवस्था और खुफियागीरी के मायने क्या हैं? यदि सरकारें आम नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकतीं, तो इस्तीफा दें। अलबत्ता चुनाव में जनता फैसला कर देगी।

इंडिया बनाम भारत या इंडिया जो भारत है?

> विपक्षी गठबंधन को इंडिया का नाम देने का निर्णय सचमुच बेहतरीन था और इससे भाजपा और उसके साथी बहुत घबरा गए। उन्होंने विपक्षी पार्टियों को भला-बुरा कहने के अलावा यह भी कहा कि इस नाम का इस्तेमाल अनुचित है। उनके अनुसार इससे चुनाव में मतदाता भ्रमित हो सकते हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने खबर दी है कि इस सिलसिले में दिल्ली के बाराखम्बा पुलिस थाने में एक शिकायत भी भाजपा नेताओं ने दर्ज करवाई है।

-राम पुनियानी-

पिछले नौ सालों से भाजपा हमारे देश पर शासन कर रही है। विपक्षी पार्टियों को धीरे-धीरे यह समझ में आया कि भाजपा सरकार न तो संविधान की मंशा के अनुरूप शासन कर रही है और ना ही उसकी रूचि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित समावेशी भारत के निर्माण में है। भाजपा सरकार ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों को कमजोर करने के लिए कर रही है। इसके अलावा, उसकी नीतियाँ सरकार के साथ सांठगाँठ कर अपना उल्लू सीधा करने वाले पूंजीपतियों को बढ़ावा देने वाली हैं। वह प्रजातान्त्रिक अधिकारों को भी कुचल रही है। उसकी राजनीति राममंदिर, लवजिहाद और अन्य अनेक किस्मों के जिहादों, गाय, गौमॉस और पहचान से जुड़े मुद्दों के अलावा, हमारे एक पड़ोसी देश पर अति-राष्ट्रवादी कटु हमले करने पर केन्द्रित है। उसकी नीतियों से आम लोगों, और विशेषकर गरीब और कमजोर वर्गों, की परेशानियाँ बढीं हैं। चाहे वह नोटबंदी हो, कुछ घंटो के नोटिस पर देशव्यापी कड़ा लॉकडाउन लगाने का निर्णय हो, बढ़ती हुई बेरोजगारी और महंगाई हो या दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के दमन में बढ़ोत्तरी हो - इन सबसे आम लोगों को ढेर सारी परेशानियाँ भुगतनी पड़ रही हैं।

भाजपा इस देश की सबसे धनी पार्टी है। उसने इलेक्टोरल बांड्स के जरिये अकूत धन इकठ्ठा कर लिया है। पीएम केयर फण्ड भी पार्टी की तिजोरी भरने का साधन बन गया है। इसके अलावा, पार्टी को आरएसएस और उसके अनुषांगिक संगठनों के लाखो कार्यकताओं के रूप में प्रचारकों की एक विशाल फौज उपलब्ध है। ये सभी चुनाव के दौरान और वैसे भी भाजपा के लिए काम करते हैं। इस पृष्ठभूमि में गैर-भाजपा पार्टियों ने 'इंडिया' (भारतीय राष्ट्रीय विकास और समावेशिता गठबंधन) का गठन किया है। इस गठबंधन को बैंगलोर में इन पार्टियों के दूसरे सम्मलेन में आकार दिया गया। बैंगलोर में 26 राजनैतिक दलों ने प्रजातंत्र और संविधान को बचाने और भाजपा, जिसका संगठन मतदान केंद्र से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक फैला हुआ है और जो एक बढ़िया मशीन की तरह काम करता है, से मुकाबला करने के लिए एक साथ मिल कर काम करने का निर्णय लिया है। इस संगठन के ठोस स्वरुप लेने से भाजपा चौकन्ना और परेशान हो गयी। सबसे पहले उसने एनडीए (राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक गठबंधन) को डीप फ्रीजर से बाहर निकाला। इसमें 38 पार्टियाँ शामिल हैं, जिनमें से कुछ को छोड़कर सभी अनजान हैं। एनडीए के सम्मलेन में जो बैनर लगाया गया था उसमें केवल शीर्ष नेता का चित्र था और बाकी पार्टियों के नेता उनके आगे दंडवत कर रहे थे।

विपक्षी गठबंधन को इंडिया का नाम देने का निर्णय सचमुच बेहतरीन था और इससे भाजपा और उसके साथी बहुत घबरा गए। उन्होंने विपक्षी पार्टियों को भला-बुरा कहने के अलावा यह भी कहा कि इस नाम का इस्तेमाल अनुचित है। उनके अनुसार इससे चुनाव में मतदाता भ्रमित हो सकते हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने खबर दी है कि इस सिलसिले में दिल्ली के बाराखम्बा पुलिस थाने में एक शिकायत भी भाजपा नेताओं ने दर्ज करवाई है। भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा इस बहस को एक कदम और आगे ले गए। उनके अनुसार इंडिया और भारत शब्द दो अलग-अलग सभ्यताओं के प्रतीक हैं। अंग्रेजों ने हमारे देश को इंडिया का नाम दिया था और हमें इस औपनिवेशिक विरासत से स्वयं को मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने 'भारत' के लिए संघर्ष किया था और हमें भारत के निर्माण के लिए काम करना चाहिए।

सरमा पर तीखा पलटवार करते हुए कांग्रेस के जयराम रमेश ने ट्वीट किया: 'उनके (सरमा) गुरूजी, श्री मोदी ने पहले से चली आ रही योजनाओं को नए नाम दिए झ स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया। उन्होंने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से 'टीम इंडिया' के रूप में काम करने को कहा। यहाँ तक कि उन्होंने 'वोट इंडिया' की अपील भी की। पर ज्योंही 26 पार्टियों ने अपने गठबंधन को इंडिया का नाम दिया, उन्हें फिट आ गया और वे इंडिया शब्द के इस्तेमाल को औपनिवेशिक मानसिकता' का प्रतीक बताने लगे।

प्रधानमंत्री इससे इतने परेशान हो गये कि उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल को 'बीजेपी फॉर इंडिया' से 'बीजेपी फॉर भारत' में बदल दिया। प्रधानमंत्री के सभ्यताओं और मूल्यों के टकराव की बात करते ही हिन्दुत्ववादी लेखकों में इस मुद्दे पर लिखने की होड़ मच गयी। जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित ने लिखा, 'भारत को मात्र संविधान से बंधे एक राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करना उसके इतिहास, उसकी प्राचीन विरासत, संस्कृति और सभ्यता की उपेक्षा करना है। इसी गुट के अन्य लेखक तर्क दे रहे हैं कि सभ्यतागत मूल्यों को भारतीय संविधान के मूल्यों पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारतीय सभ्यता की इन लेखकों की व्याख्या संकीर्ण है और केवल हिन्दू धर्म की ब्राह्मणवादी परंपरा पर केन्द्रित है। वे भारतीय सभ्यता की हूण और यूनानी सभ्यता से अंतःक्रिया को नजरअंदाज कर रहे हैं और भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म के आगमन को नीची निगाहों से देखते हुए उसे हमारी सभ्यता पर 'विदेशी आक्रमण' ठहरा रहे हैं। यह आख्यान, जवाहरलाल नेहरु की भारतीय सभ्यता की समझ से एकदम उलट है। नेहरु ने लिखा है, 'भारत एक ऐसी स्लेट है जिस पर एक के बाद अनेकानेक परतों में नए-नए विचार लिखे गए परन्तु कोई भी नयी परत, पिछली परत को पूरी तरह छुपा या मिटा न सकी। हेमंत सरमा एंड कंपनी के लिए भारतीय संस्कृति का अर्थ है वह कथित गौरवशाली काल जब ब्राह्मणवादी मूल्यों का बोलबाला था। वे तो चार्वाक, बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक और भक्ति-सूफी संतों जैसे विशुद्ध भारतीयों की परंपरा को भी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। वे रोमिला थापर, इरफान हबीब, रामशरण शर्मा और हरबंस मुखिया जैसे 'वामपंथी' इतिहासकारों से नफरत करते हैं क्योंकि उनकी दृष्टि में भारतीय सभ्यता का अर्थ है जाति और लिंग आधारित ऊंचनीच। इन मेधावी इतिहासविदों ने समाज के गहरे सच को उजागर किया। उन्हें केवल ह्यशासक के धर्म' से मतलब नहीं था। उन्होंने दलितों, महिलाओं और आदिवासियों सहित समाज के सभी वर्गों की बात की और भारतीय सभ्यता की असली विविधता को हमारे सामने रखा।

दरअसल, दक्षिणपंथी विचारधारा ही औपिनिवेशिक विरासत की असली वाहक है। वह इतिहास को उसी चश्मे से देखती है जिस चश्मे को हमारे औपनिवेशिक आकाओं ने हमें दिया था। हमारे विदेशी शासक समाज को धर्म के आधार पर बांटना चाहते थे और इसलिए उन्होंने सांप्रदायिक इतिहासलेखन को प्रोत्साहन दिया जो इतिहास को तत्कालीन राजा के चश्मे से देखता है।

हेमंत सरमा जैसे लोग इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। हाँ, इसमें उन्होंने उच्च जातियों और पितृसत्तात्मक व्यवस्था के मूल्यों को भी जोड़ लिया है और यही मिक्सचर बहिष्करण पर आधारित उनकी राजनीति का आधार है। उनकी राह में मुख्य बाधा है भारत का संविधान। जैसे-जैसे भारतीय राष्ट्रवाद की ताकत और प्रभाव बढ़ने लगा, इन लोगों ने मनुस्मृति और उसके कानूनों का महिमामंडन शुरू कर दिया और वे मुसलमानों, ईसाईयों और साम्यवादियों को देश का 'आतंरिक शत्रु' बताने लगे। भारत के संविधान का विरोध उनकी राजनीति का हिस्सा रहा है जिसकी स्पष्ट अभिव्यक्ति पूर्व आरएसएस सरसंघचालक के। सुदर्शन ने की थी। उन्होंने कहा था कि संविधान देश के लोगों के लिए किसी काम का नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विपक्षी पार्टियों के इंडिया का विरोध, हमारी सभ्यता के समावेशी मूल्यों का विरोध है। भारत का संविधान भी देश की सभ्यता के विकास का नतीजा है। इंडिया का विरोध सेम्युएल हट्टिंगटन की सभ्यताओं के टकराव के सिद्धांत के अनुरूप है और संयुक्त राष्ट्रसंघ की उस रपट के खिलाफ है जो सभ्यताओं के गठजोड़ की बात करती है और जो नेहरु के ऊपर दिए गए उद्धरण से मेल खाती है।

हर व्यक्ति अपना आपा क्यों खो रहा है....

-सनत जैन-

पिछले कुछ वर्षों में भारत के हर व्यक्ति में भारी तनाव देखने को मिल रहा है जरा जरा सी बात पर लोग आपा खो रहे हैं। राजनेताओं के बारे में यह कहा जाता है कि यह वाकपटुता में सबसे योग्य होते हैं। वह कड़ी से कड़ी बात इस तरह से बोलते हैं कि सामने वाले को बुरा भी नहीं लगे और वह अपनी बात भी कह दें। इसका बहुत बड़ा संसदीय इतिहास है। लोकसभा और राज्यसभा में जिस तरह सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के ऊपर आपा खोते हुए सदन के अंदर चर्चा कर रहे हैं। एक दूसरे के ऊपर जिन शब्दों का प्रयोग करके आरोप लगा रहे हैं। दिनोंदिन सदन और बाहर राजनेताओं की भाषा का स्तर गुंडों और मबालियों जैसा होने लगा है। संसद की कार्रवाई भी पक्ष एवं विपक्ष की हठधर्मिता के कारण नहीं हो पा रही है। सत्ता पक्ष अपने बहुमत के बल पर, बजट और बिलों को कुछ ही मिनटों में पास करा लेती है। आसंदी भी इस काम में सत्तापक्ष को सहयोग देते हुए दिखती है। जिसके कारण दिनों दिन यह प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। जिसके कारण राजनीतिक प्रतिद्वंदिता और राजनीतिक दल के नेता अपना आपा खोते हुए नजर आ रहे हैं। इसका असर आम जनता में हो रहा है। सोशल मीडिया से यह प्रवत्ति आम लोगों तक तेजी से पहुंच रही है।

हाल ही में ट्रेन में चार व्यक्तियों की गोली से भूनकर हत्या कर दी गई। यह हत्या आरपीएफ के जवान द्वारा की गई है। धर्म विशेष के लोगों को चुन चुन कर हत्या की गई। हाल ही में हरियाणा के नूह में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान भारी हिंसा फैल गई। 400 से ज्यादा गाड़ियां जला दी गई। पुलिस के जवान भी इस हिंसा में मारे गए। घंटों रोड पर दोनों समुदाय के बीच में पथराव होता रहा। जगह-जगह आग लगा दी गई। मस्जिद जला दी गई। ब्रजमंडल की जिस यात्रा को लेकर इतनी बड़ी हिंसा हुई है। उसी ब्रजभूमि में लोग किसी को अपशब्द भी नहीं कहते हैं। हर किसी को राधे-राधे कहकर प्यार से समझाते हैं बुलाते हैं। उसी ब्रज यात्रा में इतने बड़े पैमाने पर हत्या और आगजनी होना यह बताता है कि अब हम अपना आपा धार्मिक यात्रा में भी जरा जरा सी बातों में हिंसक हो रहे हैं। या धर्म के नाम पर हिंसक होते हुए चले जा रहे हैं। मणिपुर में पिछले 3 महीनों से लगातार हिंसा हो रही है। वहां शासन और प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। दोनों ही समुदाय के महिला, बच्चे और पुरुष भय के साए में जी रहे हैं। लोगों को खाना पीना भी उपलब्ध नहीं हो रहा है। हिंसा पर कोई रोक नहीं लग पा रही है। आपस में रहने वाले लोग जिस तरह से अपना आपा खो रहे हैं, एक दूसरे से भयभीत हैं। उससे स्थिति दिनों दिन भयावह होती हुई दिख रही है। युवाओं में भी अब जाने-अनजाने में बहस करने की आदत बन गई है। सोशल मीडिया के ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सएप में लोग तरह-तरह के अपने विचार यहां से वहां भेजते हैं। विचार अनुरूप नहीं होने पर धमकी, उनकी प्रतिक्रया के शब्द और उनकी जानकारी देखकर, बड़ा डर लगने लगा है। जरा जरा सी बात पर लोग एक दूसरे को धमका रहे हैं। हर घटना को लेकर ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप पर वैचारिक युद्ध शुरू हो जाता है।

समर्थकों और विपक्षियों के बीच में तर्क वितर्क और धमकी शुरू हो जाती हैं। रही सही कसर झूठी जानकारी और उत्तेजना बढ़ाने वाले वीडियो हर आदमी को हिंसक बनाने का काम करते हैं। कुल मिलाकर पिछले वर्षों में नफरत का बाजार इतना बड़ा हो गया है। इससे हर व्यक्ति और समाज के लोग प्रभावित हैं। ट्विटर, फेसबुक और व्हाट्सएप पर झूठ-सच का जो कचरा परोसा जा रहा है। जिस तरह से लोगों को सुनियोजित रूप से उद्वेलित किया जा रहा है। उसके कारण भारत में जरा जरा सी बात पर सभी लोग आपा खो रहे हैं। जरा-जरा सी बात पर हिंसा पर उतारू हो रहे हैं। यह सब धर्म और राजनीति के नाम पर हो रहा है। यह और भी खतरनाक संकेत हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकताओं के बीच में भी जिस तरह से वैचारिक, शारीरिक हिंसा देखने को मिल रही है। उससे हर मनुष्य दूसरे मनुष्य के प्रति आपा खोकर हिंसक हो रहा है। अब यह बीमारी घर-घर में पहुंच रही है। मां-बाप भी अपने बच्चों से बात करने में अब डरने लगे हैं। आखिर ऐसा क्या हो रहा है, जिससे हर व्यक्ति एक दूसरे के प्रति हिंसक हो रहा है। यह कोई अच्छे संकेत नहीं है। वैचारिक मतभेद होते हुए भारतीय समाज सभी के साथ मिल-जुलकर रहने की पहचान थी। अब भारतीय समाज हिंसक क्यों हो रहा है। इस पर लगाम लगाने की जरूरत है।

किसका इंडिया और किसका भारत

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-

भारत के राजनीतिक इतिहास में 17-18 जुलाई 2023 का दिन बाद में याद किया जाता रहेगा। इसी दिन कर्नाटक की राजधानी में सोनिया गान्धी अपनी सन्तानों राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी समेत बेंगलुरू में पधारी थीं। वहां देश के कुछ दूसरे नए-पुराने राजवंश भी एकत्रित हुए थे। मसलन मरहूम मुलायम सिंह का राजवंश, लालू यादव का राजवंश, चौधरी चरण सिंह का राजवंश, मरहूम करुणानिधि का राजवंश। इसके अतिरिक्त कुछ ज्ञात-अज्ञात राजनीतिक दल भी हाजिर थे। वैसे जो नए-पुराने राजवंश आए थे, उन्होंने भी देशकाल की जरूरत के अनुसार अपने-अपने लिए राजनीतिक दल बना रखे थे। कुछ ने स्वयं बनाए थे और कुछ ने बने बनाए राजनीतिक दल पर कब्जा कर लिया था। उदाहरण के लिए सोनिया गान्धी ने अपने पति की दुखद मृत्यु के बाद देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल इंडियन नैशनल कांग्रेस पर ही कब्जा कर लिया था। ये सभी दल किसलिए बेंगलुरू में एकत्रित हुए थे? मुख्य मुद्दा तो यही था कि राजवंशों को भारत के लोकतंत्र से किस प्रकार बचाया जाए? पिछले कुछ वर्षों से भारत के लोगों में नई चेतना और जागृति देखी जा रही है। वे विदेशी उपनिवेशवाद मानसिकता से मुक्त होते दिखाई दे रहे हैं।

इससे सबसे बड़ा धक्का देश के सबसे पुराने राजवंश, जिस पर सोनिया गान्धी ने येन केन प्रकारेण कब्जा कर लिया था, को ही लगा। यह राजवंश भारत के लोकतंत्र का शिकार होकर पक्षाघात की स्थिति में आने लगा था। सोनिया गान्धी को इस बात का श्रेय देना होगा कि उन्होंने अपने देश इटली के ही मैकियावली के सभी तौर तरीकों का प्रयोग करते हुए, कम्युनिस्टों व कुछ अन्य छोटे मोटे दलों की सहायता से दस साल तक इस राजवंश को किसी न किसी तरह परोक्ष रूप से ही सही, सत्ता पर बिठाए रखा। लेकिन जैसा कि इस प्रकार के संक्रमण काल में होता है, सभी सत्ताधारी लोग कोयलों की दलाली में मशगूल हो जाते हैं। उनको यह डर लगा रहता है कि पता नहीं लोग उन्हें कब उखाड़ फेंकेंगे। जाहिर है कोयलों की दलाली में मुंह तो काला होगा ही। वह हुआ और उनकी शिनाख्त भी हो गई। उसका जो परिणाम हो सकता था, वही हुआ। राजवंश सत्ता से बाहर हो गए। उन्हें सत्ता से बाहर हुए लगभग दस साल हो गए हैं।

राजकुंवर जवान हो गए। कई राजवंशों के राजकुंवर तो अधेड़ हो गए। अब 2024 में लोकसभा के लिए चुनाव होने वाले हैं। राजवंशों को लगता है यह आखिरी मौका है। यदि इस बार चूक गए तो शायद फिर कभी मौका न मिले। राजवंश पुरानी रियासतों की तरह इतिहास बन जाएंगे। आम लोगों के बलबूते बने राजनीतिक दल बचे रहेंगे। बेंगलुरु में जमावड़ा इसी हताशा में से निकला था। दरअसल इस देश में एक इंडिया है और दूसरा भारत है। इंडिया वह है जिसका निर्माण, उसकी पहचान अंग्रेजों ने इस देश पर अपने दो सौ साल के शासन काल में की है। अंग्रेज मानते थे कि भारत समाप्त हो चुका है, वह इतिहास के अन्धेरे में गुम हो चुका है। इस भूमि पर अलग अलग समुदायों के लोग रहते हैं जिनका आपस में कोई सम्बन्ध नहीं है। वे एक-दूसरे से अनजान ही नहीं बल्कि एक-दूसरे के शत्रु भी हैं। उनका कोई इतिहास नहीं है, कोई संस्कृति नहीं है। उनमें से अधिकांश तो बाहर से ही आए हुए हैं। इसलिए रुडयार्ड किपलिंग कहा करते थे, ये लोग ह्यव्हिटमैन्ज बर्डनह्न हैं। इनको सभ्य बना कर एक नए राष्ट्र का निर्माण करना पड़ रहा है। यदि आजादी की लड़ाई को ही देखा जाए तो जवाहर लाल नेहरु अपने को इंडिया की विरासत से जोडकर देखते थे। वे भी कहा करते थे कि हम एक नए राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं। लेकिन महात्मा गान्धी और सरदार पटेल अपने आपको भारत की विरासत से जोड़ते थे। यही कारण था कि नेहरु महात्मा गान्धी का सम्मान तो करते थे, जिसके अनेक राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन वे महात्मा गान्धी के चिन्तन को स्वीकार नहीं करते थे। यहां तक कि उन्होंने महात्मा गान्धी के हिन्द स्वराज के थीसिस को भी अस्वीकार कर दिया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरसंघचालक सुदर्शन जी कहा करते थे कि हमारे देश में इंडिया और भारत में लड़ाई छिड़ी हुई है। इंडिया भारत को पराजित करना चाहता है। लेकिन इंडिया की आत्मा और विरासत इतनी सशक्त और प्राचीन है कि वह इसमें सफल नहीं हो पाता। लेकिन अंग्रेजों के चले जाने के बाद भारत की सत्ता जिन लोगों के हाथ में आई, वे भारत का नहीं इंडिया का प्रतिनिधित्व करते थे। संविधान बनाते समय भी इंडिया और भारत की यह लड़ाई चलती रही। लेकिन बाबा साहिब अंबेडकर ने अपने संविधान में स्पष्ट कर दिया कि जिसको तुम इंडिया कह रहे हो वह दरअसल भारत है। भारत प्राचीन है। उसी की विरासत को सम्भालने के लिए अंबेडकर ने बहुत प्रयास करके संस्कृत सीखी थी। उसी की विरासत को बचाने के लिए अंबेडकर ने नागपुर में दीक्षा ली थी। नेहरु के अंबेडकर विरोध का एक कारण यह भी था कि नेहरु अंग्रेजों के बनाए इंडिया से चिपके हुए थे और अंबेडकर भारत की आत्मा से जुड़े थे। कांग्रेस के भीतर भी यदि किसी कालखंड में भारत का कोई प्रतिनिधि आ गया तो उसकी दुर्दशा ही हुई। लाल बहादुर शास्त्री की हत्या से आज तक पर्दा नहीं उठा है। नरसिम्हा राव की स्मृति का भी आज की कांग्रेस जिस प्रकार अपमान कर रही है, उसका भी यही कारण है। नरेन्द्र मोदी के केन्द्र में आ जाने से इंडिया हाशिए पर चला गया है और भारत केन्द्र में आ गया है। भारत की जुबान सत्ता के गलियारों में भी सुनाई देने लगी है।

संथाल भी राष्ट्रपति बन सकते हैं। मृतप्राय भारतीय भाषाओं में भी जान आने लगी है। भारत इंडिया की जुबान अंग्रेजी को छोड़ कर अपनी जनभाषाओं में बोलने लगा है। भारतीय संस्कृति के प्रतीक पुनः नजर आने लगे हैं। एक समय था जब पंडित जवाहर लाल नेहरु ने राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद को इसलिए हडका दिया था कि वे कुम्भ में चले गए थे जो भारतीय संस्कृति का पुण्य प्रवाह है।

समान कानून पर थम गई चर्चा

-अजीत द्विवेदी-

राष्ट्रीय विधि आयोग को समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी पर 80 लाख से एक करोड़ के बीच सुझाव मिले हैं। आयोग ने 14 जून को लोगों से अपील की थी कि वे बताएं कि देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए या नहीं। अगर होनी चाहिए तो क्यों और नहीं होनी चाहिए तो उसके पीछे क्या तर्क है। पहले एक महीने का समय दिया गया था लेकिन बाद में इसे दो हफ्ते और बढ़ा दिया गया। इस बीच 27 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में भाजपा के चुनाव अभियान का आगाज करते हुए समान नागरिक संहिता पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर लोगों को भड़काया जा रहा है। एक घर दो कानून से घर नहीं चल पाएगा। भारत के संविधान में भी नागरिक के समान अधिकार की बात की गई है। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद पूरे देश में समान कानून पर चर्चा शुरू हो गई। चारों तरफ इस पर सम्मेलन और सेमिनार होने लगे। संसदीय समिति की बैठक भी हुई और तमाम सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने अपनी राय विधि आयोग को भेजी।तब ऐसा लग रहा था कि सरकार संसद के मानसून सत्र में इस बिल को पेश कर सकती है। हालांकि उस समय तक विधि आयोग का काम पूरा नहीं हुआ था और न उसने कोई सिफारिश की थी। यहां तक कि सरकार ने बिल का मसौदा भी तैयार नहीं किया था। लेकिन तब सूत्रों के हवाले से मीडिया में ऐसी खबर आई थी कि उत्तराखंड सरकार की ओर से तैयार कराए जा रहे बिल के मसौदे को ही भारत सरकार भी अपना सकती है। उत्तराखंड सरकार के लिए समान नागरिक संहिता का मसौदा सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली कमेटी कर रही है।

पिछले महीने इस कमेटी के सदस्यों ने विधि आयोग से भी मुलाकात की थी। तब कहा गया था कि 15 जुलाई तक जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप देगी।हैरानी की बात है कि अब जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी की ओर से बनाए जा रहे मसौदे की भी कोई चर्चा नहीं हो रही है। कमेटी ने अभी तक रिपोर्ट राज्य सरकार को नहीं सौंपी। सो, रेफरेंस के लिए भी किसी के पास कोई मसौदा नहीं है। विधि आयोग को जो एक करोड़ सुझाव मिले हैं उनकी छंटनी और विषय के हिसाब से ब्योरेवार उनको व्यवस्थित करना लंबा और समय खाने वाला काम है। इसी तरह 27 जून के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार भी समान नागरिक संहिता के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। कोई और मंत्री या भाजपा का नेता भी इस बारे में नहीं बोल रहा है और इस पर होने वाले सेमिनार, सम्मेलन आदि भी अचानक बंद हो गए हैं। सवाल है कि ऐसा क्यों हुआ है? क्या इस कानून को लागू करने के रास्ते में आने वाली बाधाओं या विरोधाभासों की वजह इसको स्थगित कर दिया गया है या सरकार की कोई मंशा थी, जो इतनी चर्चा से ही पूरी हो गई है और उसके बाद उसे स्थगित कर दिया गया है? असल में समान नागरिक संहिता के बारे में यह आम धारणा है कि इसका सबसे ज्यादा विरोध मुस्लिम समुदाय करेगा। आजादी के बाद से भारतीय जनसंघ और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने और 1980 के बाद से भाजपा ने यह धारणा बनाई है कि कांग्रेस की सरकारों ने अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने के लिए इसे लागू नहीं किया, जबकि संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में इसको शामिल किया गया है। लेकिन हकीकत इस प्रचारित धारणा से अलग है। यह बात पहली बार कानून व न्याय मामले की संसदीय समिति की राय से जाहिर हुई। भाजपा सांसद सुशील मोदी की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने तीन जुलाई को अपनी बैठक के बाद कहा कि देश के आदिवासियों को समान नागरिक संहिता से रियायत मिलनी चाहिए। यानी उनको इसके दायरे से बाहर रखना चाहिए। अब सोचें, जब यह धारणा बनाई गई है कि मुस्लिम समुदाय को इससे सबसे ज्यादा दिक्कत होगी तो फिर आदिवासियों को इससे बाहर रखने की बात कहां से आई? जाहिर है आदिवासी समुदाय को भी इससे दिक्कत है।इसके बाद सिख समुदाय ने ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करने का ऐलान किया। सिखों की सबसे बड़ी और पवित्र संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा कि समान नागरिक संहिता सिख संस्कृति, उसकी परंपरा और उसके धार्मिक रीति-रिवाज को प्रभावित करेगी।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

इंडिगो ने शुरू की केन्या की राजधानी नेरोबी के लिए सीधी उड़ान

मुंबई : देश की जानी मानी एयरलाइन इंडिगो ने शनिवार से मुंबई और अफ्रीकी देश केन्या की राजधानी नैरोबी के बीच नई दैनिक सीधी उड़ानें शुरू कर दी।

केन्या की राजधानी और सबसे बड़ा शहर नैरोबी 6ई नेटवर्क में 27वें अंतरराष्ट्रीय और 105वें समग्र गंतव्य के रूप में एक बढ़िया जुड़ाव है।

केन्या की राजधानी और सबसे बड़ा शहर नैरोबी 6ई नेटवर्क में 27वें अंतरराष्ट्रीय और 105वें समग्र गंतव्य के रूप में एक बढ़िया जुड़ाव है।

इंडिगो के लिए यह एक महत्वपूर्ण शुरूआत है क्योंकि यह नया मार्ग अफ्रीकी उपमहाद्वीप में इंडिगो के पहले प्रवेश का प्रतीक है, जो एयरलाइन की अंतरराष्ट्रीय विस्तार रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। इस सीधी कनेक्टिविटी के साथ, इंडिगो का लक्ष्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देते हुए आर्थिक विकास में योगदान करते हुए व्यापार और अवकाश यात्रियों दोनों की जरूरतों को पूरा करना है।

मीडिया में दिये गये बयान के अनुसार, यह पहल कंपनी के लिए न केवल केन्या बल्कि अफ्रीका महाद्वीप के अन्य देशों के दरवाजे खोलेगा। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीटर एल्बर्स ने कहा, ह्लहम मुंबई और नैरोबी के बीच अपनी पहली उड़ान शुरू करके रोमांचित हैं, जो अफ्रीकी उपमहाद्वीप में हमारे आगमन का प्रतीक है।

इंडिगो के लिए पहली बार अफ्रीकी धरती को छूना और ऐसा करने के लिए हम इससे बेहतर स्थान नहीं चुन सकते थे। केन्या, जो अपने अलौकिक वन्य जीवन सौंदर्य और ऐतिहासिक स्थलों के लिए जाना जाता है, पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से अपनी आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने का इरादा रखता है। यह पहुंच प्रदान करने और लोगों को स्थानों से जोड़ने के हमारे समग्र दृष्टिकोण के अनुरूप है। जैसा कि इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय विकास रणनीति में कल्पना की गई है। यह नया मार्ग इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी को और बढ़ाता है।'

सड़क और परिवहन कैबिनेट सचिव किपचुम्बा मुकोर्मेन ने पूरे केन्या में हवाई यात्रा और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, हमारी विमानन विकास नीति के हिस्से के रूप में, हमारा लक्ष्य केन्या और उसके बाहर एक अधिक सुलभ और कुशल हवाई यात्रा नेटवर्क बनाना है।

मुंबई और नैरोबी के बीच इंडिगो एयर की सीधी उड़ानें इस दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती हैं, जो निर्बाध कनेक्टिविटी को सक्षम करती है और हमारे नागरिकों और आगंतुकों के लिए समग्र यात्रा अनुभव को बढ़ाती है। स्वागत समारोह के दौरान उपस्थित पर्यटन, वन्यजीव और विरासत कैबिनेट सचिव पेनिनाह मालोन्जा ने केन्या में पर्यटन उद्योग पर सीधी उड़ान के सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और इंडिगो एयर की सीधी उड़ानें शुरू होने के साथ, हम भारत से पर्यटकों के आगमन में वृद्धि की उम्मीद करते हैं।

केन्या के विविध वन्य जीवन, लुभावने परिदृश्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत अब भारतीयों के लिए अधिक सुलभ होगी यात्रियों को अद्वितीय और अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं।

नैरोबी, अफ्रीका की शानदार सफारी का जीवंत प्रवेश द्वार, समकालीन आकर्षण और समृद्ध विरासत के मिश्रण से आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

यह एक रोमांचक यात्रा प्रदान करता है जहां वन्यजीवन मुठभेड़ और स्पंदित नाइटलाइफ केंद्र स्तर पर है। यात्री करेन ब्लिक्सन संग्रहालय जैसे प्रतिष्ठित आकर्षणों का पता लगा सकते हैं, जहां अफ्रीका के अतीत की गूंज जीवंत हो उठती है, या जिराफ सेंटर में सुंदर जिराफों के साथ करीब से मुलाकात कर सकते हैं। विशाल नैरोबी राष्ट्रीय उद्यान राजसी काले गैंडों का घर है जो अपने प्राकृतिक आवास में स्वतंत्र रूप से घूमते हैं।

प्रकृति प्रेमी करुरा वन के हरे-भरे आकर्षण में डूब सकते हैं या लुभावनी नगोंग पहाड़ियों पर चढ़ने का आनंद ले सकते हैं। विलेज मार्केट की जीवंत ऊर्जा अपने जीवंत माहौल से आकर्षित करती है। एक बेहतरीन सफारी अनुभव के लिए, साहसी लोग विस्मयकारी साम्बुरु नेशनल पार्क में जा सकते हैं, जहाँ अदम्य जंगल और विस्मयकारी परिदृश्य खोज का इंतजार कर रहे हैं।

एक नजर

दमदार क्लोजिंग, सेंसेक्स 480 अंक उछला, निफ्टी 19500 पार

मुंबई : हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में दमदार क्लोजिंग हुई। शुक्रवार को सेंसेक्स 480.57 (0.74%) अंक उछलकर 65,721.25 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 135.35 (0.70%) अंक मजबूत होकर 19,517.00 अंकों पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद हरे निशान पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान एलआईसी के शेयर आठ प्रतिशत तक उछले।

आरबीएल बैंक के शेयरों में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी दिखी। दिल्ली सरार्फा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर बना रहा। हालांकि, चांदी 100 रुपये गिरकर 74,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,934 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रहा जबकि चांदी गिरावट के साथ 23.47 डॉलर प्रति औंस रह गई। ट्रेजरी यील्ड बढ़ने और डॉलर इंडेक्स में मजबूती के चलते इस हफ्ते सोने पर दबाव बना हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जुलाई को समाप्त सप्ताह में तीन अरब डॉलर घट कर 603.87 अरब डॉलर पर आ गया है। आरबीआई ने शुक्रवार को बताया कि यह लगातार दूसरा हफ्ता है जब भंडार में गिरावट आई है। आंकड़ों के मुताबिक, 21 जुलाई के हफ्ते में भंडार में 1.98 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। अक्तूबर, 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 645 अरब डॉलर पर था। 28 जुलाई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति में 2.41 अरब डॉलर की गिरावट आई जबकि सोने के भंडार में 71 करोड़ डॉलर की कमी आई है।

केसीसीआई अध्यक्ष ने उपराज्यपाल से की मुलाकात

श्रीनगर : कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष जावेद अहमद तेंगा ने राजभवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। केसीसीआई अध्यक्ष ने उपराज्यपाल को पिछले महीने रियाद में सऊदी अरब में भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल अजाज खान के साथ हुई बैठक के दौरान हुए विचार-विमर्श से अवगत कराया।

उन्होंने उपराज्यपाल को केसीसीआई द्वारा अक्टूबर, 2023 में जेद्दा, रियाद और दमाम में पर्यटन प्रचार रोड शो आयोजित करने के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने आगे बताया कि भारतीय दूतावास सऊदी अरब में हस्तशिल्प, बागवानी और अन्य उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय चैंबरों के साथ केसीसीआई बैठकों की सुविधा प्रदान करेगा। केसीसीआई अध्यक्ष ने व्यापारिक समुदाय के मुद्दे भी रखे। उपराज्यपाल ने केसीसीआई अध्यक्ष को उनके प्रयासों में यूटी प्रशासन के सभी समर्थन और सहायता का आश्वासन दिया।

एफडीडीआई ने मनाया आईएनआई दिवस

नयी दिल्ली : दिल्ली एनसीआर के नोएडा में स्थित फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) ने ह्लराष्ट्रीय महत्व का संस्थानह्व (आईएनआई) दिवस मनाया। संस्थान ने आज जारी बयान में कहा कि एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक अरुण कुमार सिन्हा ने इस दौरान संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भविष्य की परियोजनाओं के बारे में बताया। श्री सिन्हा ने प्रतिभाशाली व्यक्तियों को विकसित करने और एक रचनात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने वैश्विक डिजाइन समुदाय में एफडीडीआई के दायरे को और बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वाकांक्षी परियोजनाओं से भी अवगत कराया। इस दौरान एक परिचर्चा भी आयोजित की गयी जिसमें संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव बताये और उद्योग की जानकारी दी। इसके बाद विभिन्न स्कूलों - फुटवियर डिजाइन, फैशन डिजाइन, लेदर लाईफ स्टाईल और प्रोडक्ट डिजाइन तथा रिटेल और फैशन मर्चेंडाइज के छात्रों द्वारा शो आयोजित किया गया।

इस मौके पर एफडीडीआई के सचिव कर्नल पंकज कुमार सिन्हा ने कहा कि एफडीडीआई में आईएनआई दिवस रचनात्मकता, नवाचार, पुनर्मिलन और सहयोग का उत्सव था, जो डिजाइन उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

जेके टायर का मुनाफा चार गुना बढ़ा

नई दिल्ली : जेके टायर को 159 करोड़ का लाभ हुआ है। एक साल पहले के 35 करोड़ की तुलना में यह चार गुना अधिक है। राजस्व 3,718 करोड़ रहा है। केंद्र सरकार ने कहा है कि उसके पास त्योहारी जरूरतों को पूरा करने समेत देश के भंडार में पर्याप्त एक करोड़ आठ लाख मीट्रिक टन चीनी का भंडार है। सरकार ने कहा कि मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए 62 लाख मीट्रिक टन चीनी ही काफी है। चीनी से जुड़े शीर्ष औद्योगिक निकाय की ओर से इस साल कम उत्पादन के अनुमानों को केंद्र ने सिरे से नकार दिया है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने साफ किया कि अभी किसी भी तरह का पूवार्नुमान उचित नहीं है। देश में चीनी की खुदरा कीमतें स्थिर हैं, जबकि दुनिया में 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि उसके भंडार में पर्याप्त चीनी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जुलाई को समाप्त सप्ताह में तीन अरब डॉलर घटकर 603.87 अरब डॉलर पर आ गया है। आरबीआई ने शुक्रवार को बताया कि यह लगातार दूसरा हफ्ता है जब भंडार में गिरावट आई है। आंकड़ों के मुताबिक, 21 जुलाई के हफ्ते में भंडार में 1.98 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। अक्तूबर, 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 645 अरब डॉलर पर था।

पर्यटन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फार्मा समेत कई क्षेत्रों में यूपी और मैक्सिको के बीच हुआ एमओयू

लखनऊ : उत्तर प्रदेश और मैक्सिको के नुईवो लियोन के बीच पर्यटन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फार्मा, एग्रीकल्चर और मेडिकल सेक्टर सहित अन्य सेक्टरों में निवेश को लेकर एमओयू हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नुईवो लियोन के गर्वनर सैमुअल गर्सिया सेफलवेदा की मौजूदगी में शनिवार को आईआईडीसी मनोज कुमार व नुईवो लियोन के मिनिस्टर ऑफ इकोनॉमिक्स इवान रिवास राडरिगेज ने एमओयू का हस्तांतरण किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नुईवो लियोन के गर्वनर सैमुअल गर्सिया सेफलवेदा की मौजूदगी में शनिवार को आईआईडीसी मनोज कुमार और नुईवो लियोन के मिनिस्टर ऑफ इकोनॉमिक्स इवान रिवास राडरिगेज ने एमओयू का हस्तांतरण किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैक्सिको के गर्वनर और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि यूपी और नुईवो लियोन के बीच आज मैत्री, विश्वास और सौहार्द से मजबूत औद्योगिक रिश्ते कायम हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में देश का अग्रणी राज्य है। ये हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि नुईवो लियोन के गर्वनर अपनी टीम के साथ उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश के संभावनाएं तलाश रहे हैं।

उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश और नुईवो लियोन दोनों विकास को समर्पित हैं और हम इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश में आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेस वे, बेहतरीन इंटरस्टेट कनेक्टिविटी, एयर कनेक्टिविट, रेल नेटवर्क, इनलैंड वाटर वे के जरिए पूर्वी बंदरगाह तक पहुंच, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जंक्शन मौजूद है। यूपी आज लॉजिस्टिक और ट्रांसपोर्ट का हब बन चुका है। इसके अलावा औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए हम 25 सेक्टोरियल पॉलिसी लेकर आए हैं। आज उत्तर प्रदेश में निवेशकों को निवेश के लिए बेहतरीन सुविधाएं दी जा रही हैं।

नुईवो लियोन के गवर्नर गर्सिया सेफलवेदा ने कहा ह्ल हम विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। उत्तर प्रदेश और नुईवो लियोन एक दूसरे के बहुत करीब हैं। हमारा प्रदेश मैक्सिको का औद्योगिक प्रदेश है, ऐसे ही भारत के उत्तर प्रदेश में आज बड़े पैमाने पर निवेश हो रहे हैं। मैं विश्वास दिलाता हूं कि भारत और मैक्सिको 14 हजार किलोमीटर दूर होकर भी एक दूसरे से दूर नहीं हैं।ह्व

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश के मत्स्य मंत्री संजय निषाद, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, नुईवो लियोन के डिप्टी सेक्रेटरी फॉर इन्वेस्टमेंट इमैनुअल लू, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र, आईआईडीसी मनोज कुमार सिंह और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद मुख्य रूप से मौजूद रहे।

अहमदाबाद से शुरू होगी विंटेज कार की 12,000 किमी की यात्रा

अहमदाबाद : गुजरात में अहमदाबाद शहर के दमन ठाकोर अपने परिवार के साथ 1950 की ब्रिटिश विंटेज कार लाल परी में अहमदाबाद से लंदन तक 12,000 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 16 देशों को कवर करेंगे और अपने देश वापस लौट आएंगे।

घूमने की शौकीन और टीम का नेतृत्व कर रहे 50 वर्षीय श्री ठाकोर ने शनिवार को यहां बताया कि ह्ललाल परी' नाम उन कहानियों से लिया गया है जो मेरी मां मुझे रात में सुनाया करती थीं जब मैं छोटा था। मेरे माता-पिता ने ही घूमने के प्रति शौक पैदा किया है। 73 साल पुरानी विंटेज कार में इस यात्रा के माध्यम से हम दुनिया के साथ अपनी खुशी और अनुभव साझा करने के लिए रोमांचित और उत्सुक हैं। इस अनोखी यात्रा में उनके पिता देवल ठाकोर, उनकी बेटी देवांशी, प्रसिद्ध डॉक्यूमेंट्री, आर्किटेक्चरल फोटोग्राफर और फिल्म निमार्ता विनय पंजवाणी, विंटेज कार विशेषज्ञ मुकेश बाररीया भी शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरे की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, टीम अपने प्रवास के दौरान बिजली की आवश्यकता के लिए सौर पैनलों का उपयोग करेगी और इस प्रकार पूरे प्रवास में पर्यावरण-अनुकूल (इको फ्रेंडली) प्रणाली को बढ़ावा देगी। यह प्रवास इस महीने के अंत में अहमदाबाद से दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी होकर शुरू होगा।

श्री ठाकोर ने बताया कि यह दौरा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) , ईरान, अजरबैजान, जॉर्जिया, तुर्की, बुल्गारिया, उत्तरी मैसेडोनिया, अल्बानिया, मोंटेनेग्रो, क्रोएशिया, इटली, स्विटजरलैंड, लक्जमबर्ग, जर्मनी, बेल्जियम और फ्रांस सहित कई देशों को कवर करेगा। यह प्रवास ब्रिटेन में समाप्त होगा। इस दौरान टीम रास्ते में विंटेज कार क्लबों की भी मुलाकात करेगी।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का मुनाफा 16,884 करोड़ हुआ

नई दिल्ली : देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दोगुना से अधिक बढ़कर 16,884 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में 6,068 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 1,08,039 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 74,989 करोड़ रुपये थी।

जून तिमाही के दौरान बैंक ने 95,975 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जो एक साल पहले इसी अवधि में 72,676 करोड़ रुपये थी। बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) जून के अंत में घटकर 2.76 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले समान अवधि में 3.91 प्रतिशत थीं।

इसी तरह शुद्ध एनपीए भी जून 2023 में घटकर 0.71 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले एक प्रतिशत था। एकीकृत आधार पर एसबीआई का शुद्ध लाभ भी दोगुना बढ़कर 18,537 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,325 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 1,32,333 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 94,524 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक ने अपने गैर-जीवन बीमा उद्यम एसबीआई जनरल इंश्योरेंस में 489.67 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि आठ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में 82.16 करोड़ रुपये का निवेश किया गया।

सीतारमण ने तमिलनाडु के आदिचनल्लूर में पुरातत्व संग्रहालय की आधारशिला रखी

चेन्नई: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले में आदिचन्नल्लूर पुरातात्विक स्थल पर एक पुरातत्व संग्रहालय की आधारशिला रखी।

श्रीमती सीतारमण के साथ थूथुकुडी लोकसभा सांसद, तमिलनाडु की मंत्री अनिता राधाकृष्णन, जिलाधिकारी डॉ. के. सेंथिल राज और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक केके बाशा और निदेशक (पुरातत्व), एएसआई, डॉ.टी.अरुण राज ने प्राचीन और ऐतिहासिक लौह युग के स्थल आदिचनल्लूर का दौरा किया।

यह तमीराबारानी (पोरुनाई) नदी के किनारे स्थापित किया गया था और यह पुरातात्विक स्थल केंद्रीय बजट 2020-21 में पुरातत्व स्थलों के रूप में विकसित किए जाने वाले पांच में से एक है। इस दौरान श्रीमती सीतारमण ने आदिचनल्लूर स्थल के अद्वितीय और समृद्ध इतिहास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यहां 467 ईसा पूर्व की विभिन्न वस्तुएं और 665 ईसा पूर्व के बाजरा और धान जैसे खाद्यान्नों का पता चला है।

उन्होंने कहा, आगामी एएसआई संग्रहालय इन सभी कलाकृतियों को इन-सीटू प्रदर्शित करेगा, जो पर्यटको और शोधकताओं को समान रूप से विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करेगा।वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बजट 2021 में इस संग्रहालय को विकसित करने के लिए धन देने की प्रतिबद्धता जताई थी। उन्होंने कहा कि सरकार इस स्थल को तिरुचेंदूर (भगवान मुरुगन के छह निवासों में से एक) की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए एक पड़ाव के रूप में देखती है, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन में योगदान देता है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के ठोस प्रयास के तहत, सरकार विदेशों से आदिचल्लानूर से संबंधित कलाकृतियों को वापस लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। इसी के तहत वर्तमान में बर्लिन में मौजूद वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा, अब तक, सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप 350 से अधिक प्राचीन कलाकृतियाँ और ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएँ भारत में वापस लायी गई हैं।

तिमाही नतीजों में बैंक ऑफ बड़ौदा की बल्ले-बल्ले, मुनाफा 88% बढ़कर 4,070 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली : बैंक ऑफ इंडिया के तिमाजी नतीजे मजबूती के संकेत दे रहे हैं। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में बैंक का शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़कर 10,997 करोड़ रुपये हो गई, जबकि उक्त तिमाही के लिए वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) सालाना आधार पर 25 आधार अंक बढ़कर 3.27 फीसदी हो गया। बैंक ऑफ बड़ौदा का एकल शुद्ध लाभ जून 2023 तिमाही में सालाना आधार पर 87.7% प्रतिशत बढ़कर 4,070 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 2,168 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 24 फीसदी

बढ़कर 10,997 करोड़ रुपये हो गई, जबकि उक्त तिमाही के लिए वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) सालाना आधार पर 25 आधार अंक बढ़कर 3.27 फीसदी हो गया। घरेलू एनआईएम पहली तिमाही में सालाना आधार पर 34 आधार अंक बढ़कर 3.41 प्रतिशत हो गया। एकीकृत इकाई का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 4,452 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 1,944 करोड़ रुपये था। कंपनी की फाइलिंग से पता चला है कि यह सालाना आधार पर 129% की बढ़ोतरी थी।

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में अग्रिम पर प्रतिफल बढ़कर 8.40 फीसदी हो गया, जो वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 6.5 फीसदी था। जमा की लागत की बात करें तो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में यह 4.68% फीसदी दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही में 3.46% फीसदी थी।

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में कंपनी की परिचालन आय सालाना आधार पर 42.9% फीसदी बढ़कर 14,319 करोड़ रुपये रही। सकल एनपीए वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 33.8% फीसदी घटकर 34,832 करोड़ रुपये रह गया, जबकि सकल एनपीए अनुपात पहली तिमाही में 3.51% रहा जो पिछले वित्तीय वर्ष पहली तिमाही में 6.26% थी। कंपनी ने बताया कि शुद्ध एनपीए अनुपात वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 0.78 प्रतिशत के रिकॉर्ड

महिंद्रा एंड महिंद्रा को 3,683 करोड़ का लाभ

महिंद्रा एंड महिंद्रा को पहली तिमाही में 3,684 करोड़ का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले के 2,361 करोड़ की तुलना में यह 56% अधिक है। राजस्व 17.57 फीसदी बढ़कर 33,406 करोड़ रुपये रहा है। खर्च 30,492 करोड़ रहा है। कच्चे तेलों की कीमतें लगातार छठे हफ्ते तेजी में है। शुक्रवार को यह 85 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। सऊदी अरब और रूस ने सितंबर तक उत्पादन में कटौती जारी रखने का फैसला लिया है, जिससे कीमतों में तेजी आ रही है। ब्रेंट की कीमत 43 सेंट बढ़कर 85.57 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। इस साल में यह पहली बार है, जब तेल की कीमतें लगातार छठे हफ्ते बढ़ी हैं। वित्त मंत्रालय ने ऑयल इंडिया का दर्जा बढ़ाकर महारत्न कर दिया है। यह केंद्र सरकार की 13वीं कंपनी है जिसे महारत्न का दर्जा मिला है। 2022-23 में इसे 9,854 करोड़ का फायदा हुआ था। इसी तरह ओएनजीसी विदेश लि को भी नवरत्न का दर्जा दिया गया है। यह 14वीं कंपनी है जिसे नवरत्न का दर्जा मिला है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लि. पर सेबी के आरोपों की जांच अब कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय करेगा। मंत्रालय इस बात की जांच कर रहा है कि क्या इन सबमें कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े नियमों का उल्लंघन हुआ है। सेबी ने कंपनी पर बही खाते में पैसों की हेराफेरी का आरोप लगाया है। सेबी ने अपने आरोपों के बाद अंतरिम आदेश जारी किया था। सरकारी कंपनी भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) को जून तिमाही में 343 करोड़ का घाटा हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया ओपन: सिंधु का सफर खत्म, प्रणॉय और जावत अंतिम चार में

सिडनी, एजेंसी। भारत की स्टार शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 बैडमिंटन प्रतियोगिता क्वार्टर-फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु को अमेरिका की बेइवेन झांग ने 21-12, 21-17 से हराया। मैच की शुरूआत से ही अमेरिकी खिलाड़ी ने सिंधु पर अपना दबदबा बनाए रखा। बेइवेन झांग ने पहले गेम में 10-5 की बड़ी बढ़त हासिल कर अपनी पकड़ मजबूत कर ली जिसके बाद भारतीय शटलर वापसी करने में असफल रहीं और उन्हें पहले गेम में हार झेलनी पड़ी।

इस साल अपने पहले बीडब्लूएफ खिताब. की खोज में जुटी 28 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के लिए क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के दूसरे गेम को जीतना काफी अहम हो गया था। बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में 17वें नंबर पर काबिज भारतीय शटलर के दूसरे गेम की शुरूआत भी इतनी अच्छी नहीं रही और वह अमेरिकी शटलर से लगातार पिछड़ती रहीं जिसके कारण उन्हें दूसरे गेम में भी हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ इस टूनार्मेंट में उनका सफर भी समाप्त हो गया।

उधर, भारतीय शीर्ष पुरुष शटलर एचएस प्रणॉय ने बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के दूसरे नंबर के इंडोनेशियई खिलाड़ी एंथनी सिनिसुका गिंटिंग को 2-1 से हराकर इस बीडब्लूएफ सुपर 500 टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की।

मैच के पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद विश्व रैंकिंग के नौवें नंबर के भारतीय शटलर ने दूसेर गेम में वापसी करते हुए मैच में 1-1 की बरीबरी की।

अतिंम और निर्णायक गेम में भारतीय शटलर ने आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए गिंटिंग के खिलाफ शुरूआती बढ़त हासिल की। रोमांचक और तीसरे गेम में शुरूआती बढ़त हासिल करने के बाद, उन्होंने फिर लगातार अपनी बढ़त में इजाफा करते हुए मैच को अपने नाम कर प्रतियोगिता के अगले राउंड में जगह बना ली।

एक अन्य पुरुष एकल मुकाबले में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग के 33वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशू रजावत ने विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 19वें नंबर के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और हमवतन किदांबी श्रीकांत को हराकर प्रतियोगिता के सेमी-फाइनल में जगह बनाई।

प्रियांशू ने अपने सीनियर हमवतन को 30 मिनट तक चले मैच में 21-13, 21-8 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। 21 वर्षीय प्रियांशू रजावत इस साल पहले ही ऑरलियन्स मास्टर्स का खिताब अपने नाम कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 के नतीजे पेरिस खेलों के लिए खिलाड़ियों की क्वालीफाइंग रैंकिंग में गिने जाएंगे। पेरिस 2024 ओलंपिक में बैडमिंटन के लिए क्वालिफिकेशन विंडो एक मई से शुरू हो चुकी है।

सोशल मीडिया अपडेट से सानिया और शोएब के अलग होने की अटकलें

मुंबई, एजेंसी। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक की हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर गतिविधियों से फिर यह कयास लगाये जा रहे है कि दोनों खिलाड़ी अलग हो गये है या अलगाव की राह पर है।

उनकी तलाक की अटकलें पिछले साल से ही चल रही हैं लेकिन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों ने इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। दोनों के अलग होने की खबर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। सानिया और शोएब की शादी 2010 में हुई थी। इस शादी ने दोनों देशों के प्रशंसकों के बीच भारी दिलचस्पी पैदा कर दी थी और अब उनके अलग होने की अटकलें भी लगाई जा रही थीं।

दोनों हालांकि तलाक को लेकर हो रहे हंगामे के बावजूद पाकिस्तान में रियलिटी टीवी कार्यक्रम 'द मिर्जा मलिक शो' के लिए एक साथ आए। इस कार्यक्रम में उन्होंने मेजबान की भूमिका निभाई और पाकिस्तान की मशहूर हस्तियों का साक्षात्कार लिया। उनका एक बेटा इजहान भी है जिसका जन्म 2018 में हुआ था।

शुक्रवार को उनके रिश्ते की स्थिति पर फिर से चर्चा होने लगी क्योंकि मलिक ने अपने इंस्टाग्राम 'बायो' से सानिया के बारे में संदर्भ हटा दिया। इस 41 वर्षीय हरफनमौला ने अपने इंस्टाग्राम बायो से 'सुपरवुमन सानिया मिर्जा के पति' का संदर्भ हटा दिया, जिस पर प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं शुरू हो गईं। उन्होंने अपने 'बायो' में अब लिखा है 'फादर ऑफ वन टू ब्लेसिंग (एक बच्चे का पिता)'।

लगातार विकेट खोने से मैच गंवाना पड़ा : हार्दिक पांड्या

तरौबा, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान हार्दिक पांड्या ने पहले टी20 मैच में अपनी टीम के पिछड? और वेस्ट इंडीज से चार रन के करीबी अंतर से हार का कारण बीच के ओवरों में तेजी से विकेट गिरना बताया है। पांच मैचों की सीरीज का यह पहला मैच था।

मेजबान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए 20 ओवरों में 149/6 पर सिमट गई। भारत की ओर से खराब शुरूआत के बाद तिलक वर्मा (39) और हार्दिक पंड्या (19) और फिर संजू सैमसन (12) ने स्कोर 113/4 पर पहुंचाया। लेकिन भारत ने तीन गेंदों के भीतर 113 के स्कोर पर पांड्या और सैमसन दोनों को खो दिया और अंततः 20 ओवरों में 145/9 तक ही सीमित रह गया। पांड्या को जेसन होल्डर (2-19) ने बोल्ड किया जबकि सैमसन रन आउट हुए। पांड्या ने कहा कि लगातार दो विकेट गंवाने से मैच में भारत की हार हुई।

मैच के बाद पांड्या ने कहा, पूरे खेल के दौरान, हम नियंत्रण में थे। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि टी20 क्रिकेट में अगर आप विकेट खो देते हैं, तो लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो जाता है। जब हमने (लगातार) कुछ विकेट खो दिए...तो हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी। भारत के कप्तान ने कहा कि उनकी टीम ने गलतियां की जिसके कारण उन्हें मैच गंवाना पड़ा और पांच मैचों की श्रृंखला हार से शुरू हुई। सीरीज के आखिरी दो मैच संयुक्त राज्य अमेरिका के लॉडरहिल में खेले जाएंगे।

गत चैम्पियन दक्षिण कोरिया ने पाकिस्तान को 1-1 की बराबरी पर रोका

चेन्नई, एजेंसी। गत चैम्पियन दक्षिण कोरिया ने लगभग 35 मिनट तक पिछड़ने के बाद एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) में शुक्रवार को यहां मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में पाकिस्तान को 1-1 की बराबरी पर रोका।

पाकिस्तान गुरुवार को अपने शुरूआती मैच में मलेशिया से 1-3 से हार गया था। मैच के 18वें मिनट में अब्दुल शाहिद के गोल से पाकिस्तान ने मैच में बढ़त बना ली। जिहुन यांग ने 53वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

पाकिस्तान के कप्तान उमर भुट्टा को उनके 200वें अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने के लिए मुकाबले से पहले हॉकी इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया। मैच के शुरूआती क्वार्टर में दोनों टीमों ने पूरा जोर लेकिन एक दूसरे के सर्कल को भेदने में नाकाम रहे।

दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में शाहिद ने गेंद को कोरिया की गोलपोस्ट में डालकर पाकिस्तान का खाता खोला। इसके दो मिनट के बाद भुट्टा को को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। टीम मध्यांतर तक इस बढ़त को कायम रखने में सफल रही।

दोनों टीमों के बीच गेंद पर नियंत्रण बनाये रखने के लिए तीसरे क्वार्टर में रोमांचक मुकाबला हुआ। पाकिस्तान और कोरिया दोनों ने इस क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन वे मौके को गोल में नहीं बदल सके।

आखिरी क्वार्टर में कोरिया ने अपने खेल के स्तर को ऊंचा किया। दोनों टीमों के बीच इस दौरान मैदान पर गहमागहमी भी हुई। मैच के 48वें मिनट में पाकिस्तान के अकील अहमद और 51वें मिनट में कोरिया के पार्क को ग्रीन कार्ड के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा।

इसके एक मिनट के बाद कोरिया ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जो पेनल्टी स्ट्रोक में बदल गया। यांग ने इस मौके को भुना कर स्कोर बराबर कर दिया। आखिरी कुछ मिनटों में दोनों टीमों ने गोल करने के लिए पूरा जोर लगाया लेकिन उन्हें 1-1 की बराबरी के साथ अंक साझा करने पर मजबूर होना पड़ा। अगले मैच में कोरिया का सामना चीन जबकि पाकिस्तान का मुकाबला जापान से होगा।

एक नजर

दिल्ली कोर्ट ने मानहानि मामले में बजरंग पुनिया को भेजा समन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने पहलवान बजरंग पुनिया को कुश्ती कोच नरेश दहिया द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर 6 सितंबर को तलब किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह द्वारा कथित यौन उत्पीड? के खिलाफ महिला पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान 10 मई को जंतर-मंतर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पुनिया ने अन्य पहलवानों/व्यक्तियों के साथ मिलकर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने कहा कि उनका मानना है कि मानहानि के सभी तत्व इस मामले में मौजूद हैं। सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट ने कहा, शिकायत, सहायक दस्तावेजों और सम्मन पूर्व साक्ष्यों पर विचार करने के बाद, मेरा प्रथम द्दष्टया विचार है कि मानहानि शिकायत सही है। उन्होंने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया गया बयान उचित नहीं था। मजिस्ट्रेट ने कहा, इसे ध्यान में रखते हुए आरोपी बजरंग पुनिया को आईपीसी की धारा 499 के साथ धारा 500 (दोनों आपराधिक मानहानि से संबंधित) के साथ दंडनीय अपराध के लिए बुलाया जाए।

इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स ने की संन्यास की घोषणा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड को 2022 में टी-20 विश्व कप का विजेता बनाने में अहम योगदान देने वाले एलेक्स हेल्स ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है।

हेल्स ने एक दशक से अधिक लंबे करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। हेल्स ने सोशल मीडिया पर कहा, मैंने कुछ यादें और कुछ दोस्ती जीवन भर के लिए बना ली है और मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का सही समय है।

हेल्स ने कहा, इंग्लैंड की शर्ट में अपने पूरे समय के दौरान मैंने कुछ उच्चतम चढ़ावों के साथ-साथ कुछ सबसे निचले चढ़ावों का भी अनुभव किया है। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है और मुझे बहुत संतोष है कि इंग्लैंड के लिए मेरा आखिरी गेम विश्व कप फाइनल जीतना था।

हेल्स ने इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मैच से अपना नाम वापस ले लिया था। टी-20 विश्वकप से पहले हेल्स का अचानक सन्यास लेना इंग्लैंड के लिये एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के दौरान 156 मैच खेले और 5000 से अधिक रन बनाये हैं।

फ्लेमेंगो के ब्राजीलियाई स्ट्राइकर पेड्रो बेनफिका के रडार पर

रियो डी जेनेरो, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर पेड्रो सांतोस आगामी यूरोपीय सीज? से पहले बेनफिका में शामिल हो सकते हैं। पुर्तगाली दिग्गज 26 वर्षीय को गोंकालो रामोस के आदर्श प्रतिस्थापन के रूप में देखते हैं, जिनके पेरिस सेंट-जर्मेन से एक प्रस्ताव स्वीकार करने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि बेनफिका रिवर प्लेट के स्ट्राइकर लुकास बेल्ट्रान को शामिल करने पर भी विचार कर रही है।

पेड्रो के पास अपने फ्लेमेंगो अनुबंध को जारी रखने के लिए चार साल से अधिक का समय है, लेकिन कथित तौर पर उसने अपने करीबी दोस्तों और परिवार को बताया है कि वह शीर्ष ब्राजीलियाई क्लब को छोड ?ा चाहता है। 26 वर्षीय खिलाड़ी को इस सीज? में पहली टीम के अवसरों के लिए संघर्ष करना पड़ा है और पिछले सप्ताहांत वह विवाद का केंद्र था जब वह फ्लेमेंगो के सहायक कोच पाब्लो फर्नांडीज के साथ शारीरिक विवाद में शामिल था। फर्नांडीज को क्लब ने बर्खास्त कर दिया था। जनवरी 2021 में फियोरेंटीना से रियो डी जेनेरो क्लब में शामिल होने के बाद से पेड्रो ने फ्लेमेंगो के लिए 192 मैचों में 93 गोल किए हैं। यूरोपीय ट्रांसफर विंडो 1 सितंबर तक खुली है।

पीसीबी ने पूर्व अध्यक्ष एजाज बट के निधन पर शोक जताया

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व टेस्ट क्रिकेटर एजाज बट के निधन पर शोक जताया है। वह 85 वर्ष के थे। क्रिकेट प्रशासक बनने से पहले बट ने पाकिस्तान के लिये 1959 से 1962 के बीच में आठ टेस्ट खेले। उन्होंने एक अर्धशतक समेत 279 रन बनाये।

पीसीबी की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा," पीसीबी की ओर से मैं एजाज बट के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। मैं निजी तौर पर उन्हें जानता था और मेरे मन में उनके लिये अपार सम्मान है।' अशरफ 2011 में बट की जगह पीसीबी प्रमुख बने थे।

बट के कार्यकाल में ही स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण में पाकिस्तान के तीन क्रिकेटरों सलमान बट, मोहम्मद आसिफ और मोहम्मद आमिर पर प्रतिबंध लगा था। उनके कार्यकाल में पाकिस्तान ने 2009 टी20 विश्व कप जीता था।

पुछल्ले बल्लेबाजों की भरमार चिंता का सबब नहीं : अर्शदीप

तारोबा, एजेंसी। बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने वेस्टइंडीज के हाथों पहले टी20 मैच में भारत की अप्रत्याशित हार के बाद टीम में पुछल्ले बल्लेबाजों की भरमार को लेकर जताई जा रही चिंता को खारिज करते हुए कहा कि हारने के बाद ही ऐसी बातें होती है। पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भारत के विशेषज्ञ बल्लेबाजों की सूची छठे नंबर पर संजू सैमसन के बाद ही खत्म हो गई। भारत को पहले मैच में चार रन से पराजय का सामना करना पड़ा। टीम के बल्लेबाजी क्रम के बारे में सवालों पर अर्शदीप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, मैच के बाद इस तरह की बातें होती है। हमने जो एकादश उतारी, हमें यकीन था कि हम मैच जीतेंगे। हम हमेशा अपनी अंतिम एकादश के साथ होते हैं, चाहे इसमें छह गेंदबाज हों या नौ। इससे फर्क नहीं पड़ता।" वेस्टइंडीज की पारी के 19वें ओवर में चार वाइड गेंद डालने वाले अर्शदीप ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी। अर्शदीप ने कहा ,"एक बल्लेबाज को आखिर तक टिकना चाहिये था क्योंकि आखिरी दो ओवर में 30 गज के भीतर पांच फील्डर थे।" उन्होंने कहा ,"हम हार की समीक्षा करेंगे। यह देखेंगे कि कहां चूक हुई और उसमें क्या सुधार हो सकता है।"

वुशू खिलाड़ी ओवैस सरवर और एक नाबालिग तैराक एशियाई खेलों से पहले डोप टेस्ट में विफल

नयी दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे वुशू खिलाड़ी ओवैस सरवर अहेंगर और एक नाबालिग तैराक को डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है।

नाडा के अनुसार 23 वर्ष के सरवर के डोप टेस्ट में 19 नोरांड्रोस्टेरोन समेत कई प्रतिबंधित दवाओं के अंश पाये गए हैं। इनमें मेफेंटेरमाइन और फेंटेरमाइन शामिल है। लद्दाख के 70 किलो वर्ग के खिलाड़ी सरवर को 23 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों के लिये भारतीय वुशू संघ की 14 सदस्यीय टीम में रखा गया था। नाबालिग तैराक को भी 19 नोरांड्रांस्टेरोन के सेवन का दोषी पाया गया।

भारत के खिलाफ 'बाजबॉल' तरीके को परखना चाहते है क्राउली

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के आक्रामक सलाम बल्लेबाज जैक क्राउली का मानना है कि अगले साल की शुरूआत में भारत दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 'बाजबॉल' (टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी) तरीके को परखने का शानदार मौका होगा लेकिन इसके लिए वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाना जरूरी होगा।

भारत अगले साल पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की मेजबानी करेगा। इस बारे में पहले से ही चर्चा चल रही है कि क्या इंग्लैंड भारतीय पिचों पर क्रिकेट के अपने आक्रामक तरीके को जारी रखने में कामयाब होगा।

'एंथोनी डी मेलो' ट्रॉफी के लिए श्रृंखला हैदराबाद में शुरू हो रही है। इसका पहला टेस्ट 25 से 29 जनवरी तक, दूसरा टेस्ट विशाखापत्तनम (दो से छह फरवरी), तीसरा राजकोट (15 से 19 फरवरी) में होगा। चौथा रांची में (23 से 27 फरवरी) और पांचवां और अंतिम टेस्ट धर्मशाला में (सात से 11 मार्च) में होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज श्रृंखला के समापन के बाद क्राउली ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' ने से कहा, "मैं वास्तव में उनके मैदानों के बारे में ज्यादा नहीं जानता।" इस श्रृंखला के पांच स्थलों में से हैदराबाद और राजकोट ने आखिरी बार 2018 में टेस्ट की मेजबानी की थी, जबकि रांची और विशाखापत्तनम ने आखिरी बार 2019 में मेजबानी की थी। धर्मशाला में भी भारत के लिए परिस्थितियाँ नयी और चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, क्योंकि इस स्थल ने अब तक सिर्फ एक टेस्ट (2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) की मेजबानी की है।

क्राउली ने कहा, "कभी-कभी भारत में तेज गेंदबाजों को भी मदद मिलती है। उनके पास काफी अच्छे तेज गेंदबाज हैं। इसलिए उम्मीद है कि वहां कुछ पिचें भी ऐसी होंगी, जो हमारे लिए थोड़ी अधिक अनुकूल होंगी।" एकदिवसीय विश्व कप के कारण इंग्लैंड की टीम छह महीने के अंतराल के बाद टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 88.72 की शानदार स्ट्राइक रेट और 53.33 की औसत से 480 रन बनाने वाले क्राउली ने कहा, "मुझे ऐसा कुछ याद नहीं है जब टेस्ट श्रृंखलाओं के बीच छह महीने का अंतर रहा होगा।" उन्होंने कहा कि वह भारत के खिलाफ बाजबॉल रवैये को परखेंगे।

उन्होंने कहा, "अब कुछ समय के लिए मैच टी20 प्रारूप पर ध्यान लाऊंगा। भारत में फिर से खेलना हमारी टीम के लिए यह देखने का एक अद्भुत अवसर होगा कि हम उन परिस्थितियों में कैसे आगे बढ़ते हैं।" उन्होंने कहा, "वहां की परिस्थितियां अगर स्पिनरों के मुताबिक हुई तो भी मुझे लगता है कि हम स्पिन को भी बहुत अच्छा खेलते हैं। हमें बस परिस्थितियों के अनुकूल होना होगा। हमारे लिए ये सभी मैदान काफी नये है। मुझे नहीं पता कि वहां की पिच कैसी होगी। पिछली बार अहमदाबाद और चेन्नई की विकेट काफी पूरी तरह से स्पिनरों के मुताबिक थी।" इंग्लैंड ने 2011-12 में भारत में टेस्ट श्रृंखला को अपने नाम किया था। टीम इसके बाद 2016-17 और 2020-21 के दौरों पर सिर्फ एक जीत दर्ज कर सकी।

स्टोक्स-मैकुलम ने पिछले साल ब्रॉड को संन्यास लेने से रोका था : एंडरसन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने खुलासा किया कि स्टुअर्ट ब्रॉड ने पिछले सीजन में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बारे में सोचा था, लेकिन टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था। टेस्ट में 604 विकेट के साथ, स्टुअर्ट ब्रॉड इस प्रारूप में विकेट लेने वालों की सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं और 600 से अधिक विकेट लेने वाले केवल दो तेज गेंदबाजों में से एक हैं। दूसरे तेज गेंदबाज एंडरसन हैं। ब्रॉड ने अगस्त 2006 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से 121 एकदिवसीय मैचों में 178 विकेट और 56 टी20 में 65 विकेट लिए हैं।

एंडरसन ने कहा, तीसरे दिन के खेल के लिए टीम बस में चढ? से पहले स्टुअर्ट ने मुझे कॉफी पर अपने संन्यास के बारे में बताया। शुरू में मुझे थोड़ा झटका लगा। लेकिन उसकी बात सुनने के बाद मैंने उसका समर्थन किया। उसने मुझे बताया कि वो पिछले सीजन में भी इसके बारे में सोच रहा था, मगर स्टोक्स और मैकुलम ने उसे रोक लिया था।

एंडरसन ने द टेलीग्राफ के लिए अपने कॉलम में लिखा, हमने ओवल में पांचवें दिन बल्लेबाजी के लिए जाने की तस्वीर के बारे में बात की। यह निश्चित रूप से एक ऐसी तस्वीर है जिसे मैं अपने घर में लगाना चाहूंगा।

ब्रॉड, जिन्होंने 2007 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, ओवल में अंतिम एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया पर 49 रन की जीत के बाद खेल के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे। मैच में, उन्होंने आखिरी गेंद पर छक्का लगाया और अपने क्रिकेटिंग करियर की अंतिम गेंद पर एक विकेट लिया, जिसमें उनके एशेज 2023 में विकेटों की संख्या 22 विकेट थी।

टेनिस प्रीमियर लीग : मुंबई लियोन आर्मी ने अभिनेता सोनू सूद को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

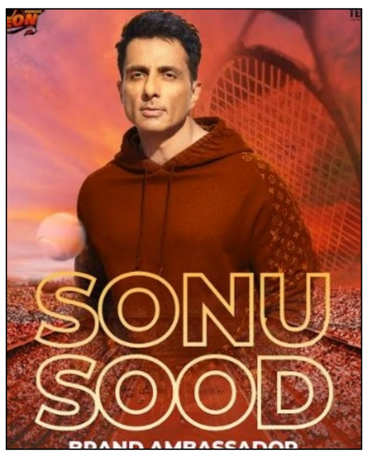

मुंबई, एजेंसी। टेनिस प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी मुंबई लियोन आर्मी ने सीजन पांच से पहले सोनू सूद को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। मुंबई फ्रेंचाइजी के मालिक, स्थापित डायमंड उद्यमी, श्याम पटेल ने टीपीएल के सीजन पांच से पहले सोनू सूद के बोर्ड में आने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

पटेल ने कहा, "सोनू सूद एक प्रतिभाशाली अभिनेता और फिल्म निमार्ता होने के अलावा एक मानवतावादी और परोपकारी व्यक्ति हैं। सोनू जीवन को बदलने के लिए खेल की शक्ति में विश्वास करते हैं और एक फ्रेंचाइजी के रूप में हमें गर्व और खुशी है कि वह आगे चलकर मुंबई लियोन आर्मी का हिस्सा बनेंगे। उनकी उपस्थिति निश्चित रूप से हमारी टीम में ग्लैमर की एक और परत जोड़ेगी और सीजन पांच की शुरूआत के बाद अधिक प्रशंसकों को फ्रेंचाइजी का समर्थन करने का मौका भी देगी, जिससे हमें उम्मीद है कि हमारी फ्रेंचाइजी लीग में जाने और जीतने के लिए प्रेरित होगी।"

सोनू सूद ने सरकार की पहल, खेलो इंडिया के लिए भी सक्रिय रूप से अपना समर्थन दिखाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं के जीवन की शुरूआत में ही खेलों को प्रोत्साहित करना और उन्हें दैनिक जीवन में शामिल करना है।

अभिनेता ने मुंबई लियोन आर्मी और टेनिस प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने पर कहा,"टेनिस प्रीमियर लीग एक अभूतपूर्व टूनार्मेंट है जिसमें तेज गति वाले मैच शामिल हैं जो दर्शकों को लीग देखने के लिए लुभाने के लिए तैयार किए गए हैं। लीग ने पहले ही पिछले चार सीजन में भारत में टेनिस समुदाय को तेजी से बढ़ने दिया है और मुझे मुंबई लियोन आर्मी और पूरी लीग का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। मुझे उम्मीद है कि टीम के डगआउट में मेरी मौजूदगी से उन्हें लीग के पांचवें सीजन में ट्रॉफी जीतने में मदद मिलेगी।"

अपने युवावस्था के दिनों में एथलीट रहे, सूद ने कहा, "मैं जानता हूं कि युवा लोगों के दैनिक जीवन में खेल कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे देश में टेनिस को अक्सर एक खेल के रूप में कम महत्व दिया जाता है। जबकि हमने अतीत में विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार किए हैं, टीपीएल निश्चित रूप से भारत के भविष्य के टेनिस सितारों को एक बहुत जरूरी मंच प्रदान करेगा, जिससे उन्हें घरेलू नाम बनने की यात्रा के दौरान अपने कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा।

टीपीएल के सह-संस्थापक, कुणाल ठाकुर ने मुंबई लियोन आर्मी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सोनू सूद के जुड़ने पर कहा, "खेलों में सोनू की व्यक्तिगत रुचि के अलावा, उनकी भागीदारी देश के एथलेटिक संस्कृति में उनके निवेश के बारे में बताती है। हमें उम्मीद है कि उनकी उपस्थिति और भागीदारी खेल और लीग को उस मान्यता की ओर ले जाने में मदद करेगी जिसके वे हकदार हैं और हमें देश भर में हर घर तक टेनिस पहुंचाने के हमारे सपने को हासिल करने में मदद मिलेगी।"

टीपीएल के सह-संस्थापक मृणाल जैन ने कहा, "हम लीग के पांचवें सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सोनू सूद की उपस्थिति न केवल कार्यक्रम की भव्यता को बढ़ाएगी, बल्कि सामान्य उत्साह को भी बढ़ाएगी। ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनके साथ, मुंबई लियोन आर्मी को आगामी सीजन में निश्चित रूप से अविश्वसनीय समर्थन मिलेगा।"

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

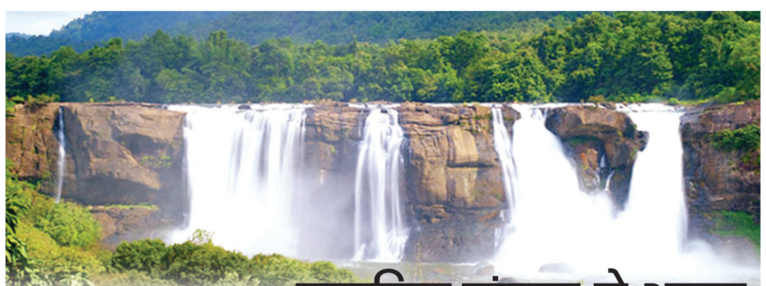

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

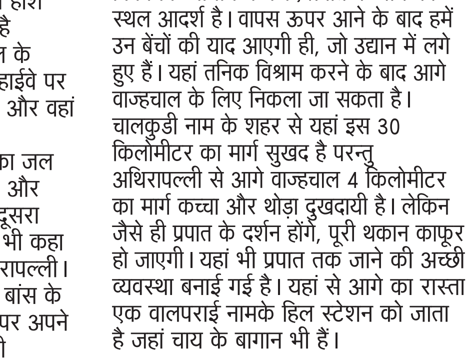

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।
जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।
अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।
जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।
अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।
नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।
अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।
बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।
बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।
बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।
रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।
गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।
ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।
वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।
बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।
अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।
राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?
जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।
ठीक है ।राजा ने कहा।
समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।
बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।
अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।
ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है
जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।
पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।
अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।
बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।
यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

दीपिका की मां को लेकर रणवीर सिंह ने किया खुलासा

एक्टर रणवीर सिंह की फिल्म रॉकी और रानी हाल ही में पर्दे पर आई है। फिलहाल ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। इस फिल्म में प्रेम कहानी और पारिवारिक कलह को दिखाया गया है।

अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में रहने वाला एक्टर अपने फैशन को लेकर चर्चा में रहता है, तो कभी अपनी निजी जिंदगी को लेकर। हाल ही में रणवीर सिंह ने खुलासा किया कि उन्होंने अपनी असल जिंदगी में कई चीजों का सामना किया है। रणवीर ने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया है कि जब वह दीपिका पादुकोण से शादी करने जा रहे थे, तो एक्ट्रेस के परिवार को रणवीर के बारे में कुछ खास समझ नहीं आया था। दीपिका के रिश्ते के बारे में उनकी सास को कुछ समझ नहीं आता था। वह रणवीर के असली स्वभाव को नहीं समझ पाई। हालांकि, अब वह अपनी सास के आशिक बन गए हैं। रणवीर एक सिंधी परिवार से हैं। दीपिका साउथ से हैं। इसलिए दोनों के बीच संस्कृति में अंतर है। ऐसे में दो परिवारों के बीच पारिवारिक मतभेद होना आम बात है। एक्टर ने इस बात का खुलासा अपनी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के प्रमोशन के दौरान किया। उन्होंने कहा कि जब रणवीर और दीपिका ने अपने माता-पिता को अपने रिश्ते के बारे में बताया तो उन्हें शुरू में इस रिश्ते को समझने में समय लगा, लेकिन समय के साथ सब कुछ सहज हो गया। अपनी सास के बारे में बात करते हुए रणवीर ने आगे कहा, "शुरूआत में मैं अपनी सास को नहीं समझता था। रणवीर ने कहा कि उन्हें और उनकी सास को एक-दूसरे को समझने में काफी लग गए और अब वह अपनी सास का पसंदीदा व्यक्ति बन गया है।" अभिनेता ने आगे कहा कि जब दीपिका की मां को उनके और उनके व्यक्तित्व के बारे में पता चला, तो उन्हें एहसास हुआ कि वह जो भी हैं, उनका दिल साफ है और एक अच्छा लड़का है।

अभिनेत्री नेहा जोशी ने अपनी सबसे खास दोस्तर के बारे में की बात

टेलीविजन शो दूसरी मां में यशोदा की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री नेहा जोशी ने अपनी सबसे अच्छी दोस्त के बारे में बताया। उन्हों ने कहा कि वह फ्रेंडशिप डे से पहले 2006 में एक घर की तलाश के दौरान मुंबई में उनसे मिलीं। अभिनेत्री ने साझा किया कि दोनों ने एक ही घर में रहना शुरू कर दिया और तीन साल तक एक साथ रहे, जिससे उनका बंधन मजबूत हुआ। नेहा ने कहा, 2006 में जब मैं मुंबई आई तो भाग्य ने मुझे प्यारी अभिनेत्री सरवरी लोहोकरे से मिलवाया। घर की तलाश करते समय हम एक-दूसरे से मिले और हमने साथ रहना शुरू कर दिया। हमारी दोस्ती परवान चढ़ी, जो मेरे जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक बन गई। तीन साल तक साथ रहते हुए हमने संघर्ष और खुशियां साझा की। अभिनेत्री ने कहा, कभी-कभार होने वाले झगड़ों के बावजूद हमने हमेशा अपने मतभेदों को सुलझाया और फिर से एकजुट हो गए। मैं अपने जीवन में उसे पाकर वास्तव में आभारी हूं। दूसरी मां सोमवार से शुक्रवार तक एंड टीवीपर प्रसारित होता है।

'जेलर' का काम पूरा कर रजनीकांत आध्यात्मिक यात्रा पर जाएंगे हिमालय

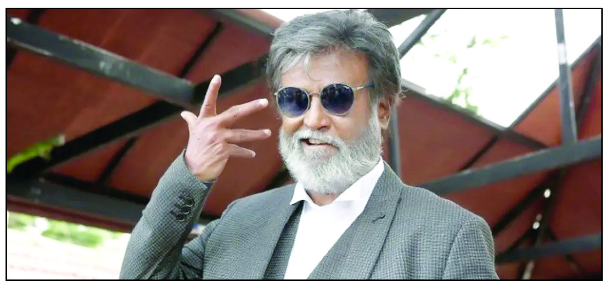

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर' काफी चर्चा में है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को पूरा करने के बाद रजनीकांत कुछ शांति के लिए हिमालय की आध्यात्मिक यात्रा पर जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'जेलर' से जुड़े सारे काम निपटाने के बाद रजनीकांत 6 या 7 अगस्त को अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकलेंगे। रजनीकांत का आध्यात्म से गहरा रिश्ता है। हर फिल्म के बाद रजनीकांत मन की शांति के लिए हिमालय चले जाते हैं। लेकिन 2010 में कुछ चिकित्सीय कारणों से उन्हें हिमालय जाने की यह परंपरा बंद करनी पड़ी। 2018 में उन्होंने फिल्म 'काला' और '2.0' के बाद अपनी आध्यात्मिक यात्रा फिर से शुरू की।

हालांकि, कोविड के कारण इसमें फिर दो साल के लिए ब्रेक लग गया। अब 'जेलर' की शूटिंग पूरी होने के बाद रजनीकांत अपनी मानसिक शांति के लिए हिमालय चले जाएंगे। ये एक बेहतरीन एक्शन फिल्म होने वाली है। 'जेलर' में रजनीकांत के साथ जैकी श्रॉफ, शिवा राजकुमार, सुनील, तमन्ना भाटिया, राम्या कृष्णन, मिर्ना मेनन, योगी बाबू और विनायकन प्रमुख भूमिका में हैं।

पीली साड़ी पहन श्वेता तिवारी ने 42 की उम्र में इंटरनेट का पारा किया गर्म

फोटो देख फैंस के छूटे पसीने

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी बोल्ड और खूबसूरत फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का लेटेस्ट साड़ी में फोटोशूट तेजी से वायरल हो रहा है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस भरी अदाएं देखकर हर कोई दीवाना हो गया है। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने बेबाक अभिनय से लोगों के दिल में अपनी खास पहचान बनाई है। श्वेता तिवारी जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने पीली रंग की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का इन तस्वीरों में कातिलाना अंदाज फैंस के दिलों पर खंजर चलाने का काम कर रहा है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने पूल के अंदर खड़े होकर किलर अदाओं में एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते हुए फोटोशूट करवाया है। श्वेता तिवारी अपनी इन तस्वीरों में जमकर पतली कमर को फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। 42 साल की उम्र एक्ट्रेस की स्लिम फिगर देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट करते हैं।

ड्रीम गर्ल 2 के लिये कमल हसन और गोविंदा से प्रेरणा ली : आयुष्मान

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना का कहना है फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में अपने किरदार को साकार करने के लिये उन्होंने कमल हसन और गोविंदा से प्रेरणा ली। आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म ड्रीम गर्ल के सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 में काम कर रहे हैं। ड्रीम गर्ल 2 में अनन्या पांडे की भी अहम भूमिका है। ड्रीम गर्ल 2 में आयुष्मान , पूजा के किरदार में नजर आयेंगे। आयुष्मान ने कहा कि उनके लिए पूजा बनना आसान नहीं था, अपने इस किरदार के लिए उन्होंने बहुत मेहनत की है। अयुष्मान ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी गिनती कमल हसन, गोविंदा और किशोर कुमार जैसे एक्टर्स में होती है, जो पहले अलग-अलग फिल्मों में एक महिला के गेटअप में नजर आ चुके हैं। हम लोग चाची 420 में कमल हसन सर या आंटी नंबर 1 में गोविंदा से प्रेरणा लेते हैं। किशोर कुमार जी समेत कई एक्टर्स ने ऐसा किया है। खुशी है कि फिल्म ड्रीम गर्ल 2 और ड्रीम गर्ल में यह मौका मिला, जो हल्के-फुल्के और मजेदार अंदाज में बहुत कुछ कहती है।मैंने अपना वजन कम किया। साथ ही मैंने मेथड एक्टिंग की है, क्योंकि मैंने अपने किरदार में ढलने के लिए फीमेल परफ्यूम लगाया। मैं अनन्या की तरह खूबसूरत बनना चाहता था। वह मेरी कॉम्पिटिटर हैं। ड्रीम गर्ल 2 एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित और राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित हैं।

यह फिल्म 25 अगस्त 2023 को रिलीज होने जा रही है।

ओह माय गॉड 2 को मिला ए सर्टिफिकेट, बिना किसी कट के पास हुई फिल्म

अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की मोस्ट अवेटेड फिल्म ओह माय गॉड-2 को लेकर ऑडियंस काफी एक्साइटेड है। ये फिल्म 11 अगस्त को गदर 2 के साथ सिनेमाघरों में टकराएगी। हालांकि, इस फिल्म का टीजर सामने आने के बाद फिल्म थोड़ी मुसीबतों में फंसती हुई नजर आई थी।आदिपुरुष के विवाद को ध्यान में रखते हुए सेंसर बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन ने इस बात को खासा ध्यान दिया कि ओह माय गॉड-2 पर कोई कंट्रोवर्सी न हो।कई मीडिया रिपोट्र्स में ये कहा गया कि फिल्म को 20 कट देकर यू/ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसर बोर्ड ने पास किया है। लेकिन अब मेकर्स ने खुद अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड-2 के सर्टिफिकेट पर सफाई दी।वायाकॉम 18 के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अजीत अंधारे ने ओह माय गॉड-2 के सर्टिफिकेट को लेकर चल रही खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर एक ट्वीट किया। आपको बता दें कि ओह माय गॉड-2 का रनिंग टाइम टोटल 2 घंटे 36 मिनट का है।अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 में सेंसर बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन की तरफ से जो बदलाव बताए गए हैं वह ऑडियो और वीडियो दोनों के हैं। रिपोट्र्स की मानें तो फाइनल कट में अक्षय कुमार के भगवान शिव के किरदार में बदलाव करने के सेंसर बोर्ड ने निर्देश दिए थे।रिपोट्र्स की मानें तो अब वह फिल्म में भगवान शिव के दूत का किरदार निभाएंगे। ओह माय गॉड 2 के ट्रेलर को पहले ही यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है।

रॉकी और रानी बनी 100 करोड़ी

आलिया और रणवीर की ये फिल्में भी दुनियाभर में छाईं

करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी अपनी रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है।फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी ने लोगों का दिल जीत लिया है तो इसकी कहानी भी उन्हें पसंद आ रही है।रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही यह फिल्म दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रही है।दरअसल, फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

धर्मा प्रोडक्शंस की ओर से ट्विटर पर पोस्ट साझा कर फिल्म को दुनियाभर में मिले बेशुमार प्यार की जानकारी दी गई है।उन्होंने लिखा, हर तरफ से बस प्यार, क्योंकि इनकी प्रेम कहानी दुनियाभर में मशहूर हो रही है। वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़। सच में लव है तो सब है। इससे प्रशंसक भी खुश हो गए हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।एक ने लिखा, आप बॉलीवुड को नजरअंदाज कर सकते हैं पर करण जौहर को नहीं।रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है।रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म अपनी रिलीज के 4 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।फिल्म में रॉकी और रानी की कहानी दिखाई गई है, जो एक-दूसरे से एकदम अलग होने के बाद भी प्यार कर बैठते हैं।इसके बाद दोनों अपने परिवारों को मनाने के लिए एक-दूसरे के घर में जाकर रहते हैं।आलिया-रणवीर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से पहले गली बॉय ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर दुनियाभर में अपनी धाक जमाई थी।आलिया की आरआरआर, ब्रह्मास्त्र, गंगूबाई काठियावाड़ी, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, राजी, डियर जिंदगी, 2 स्टेस्ट और हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया ने भी 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। बात करें रणवीर की तो उनकी सिंबा, पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, दिल धड़कने दो और गोलियों की रासलीलाः रामलीला इस जादुई आंकड़े को पार कर चुकी हैं।आलिया अब हार्ट ऑफ स्टोन में नजर आएंगी, जो उनकी पहली हॉलीवुड फिल्म है और 11 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

औरतों की इज्जत और सुरक्षा को लेकर आवाज उठाएं : अर्जुन बिजलानी

जी टीवी के शो -प्यार का पहला अध्याय शिवशक्ति के हाल ही में शूट किए गए एक रोमांचक एक्शन सीक्वेंस में अर्जुन का किरदार शिव निडर होकर कुछ गुंडों से लड़ता है, जो शक्ति को छेड़ते नजर आते हैं। जहां इस शो में शिव महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठाता है, वहीं एक एक्टर के तौर पर अर्जुन भी महिलाओं की सुरक्षा के सख्त हिमायती हैं। शिव का किरदार निभा रहे अर्जुन बिजलानी ने कहा महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने और उनकी इज्जत करने के लिए दूसरों को प्रेरित करते हुए अर्जुन बिजलानी कहते हैं, दुनिया में बुराई सिर्फ इसलिए बढ़ती है, जब अच्छे लोग खामोश रहकर सबकुछ सहते हैं। हम सभी के लिए यह जरूरी है कि हम हिम्मत दिखाएं और अपने आसपास हो रही हर तरह की प्रताड़ना के खिलाफ खड़े रहें, खासतौर पर औरतों की इज्जत और सुरक्षा को लेकर आवाज उठाएं। जब चार हाथ एक औरत की इज्जत पर उठेंगे, तो दस हाथों को मिलकर उसे बचाना होगा और उसके सम्मान की रक्षा करनी होगी। हम साथ मिलकर ही एक ऐसा समाज बना सकते हैं, जहां सुरक्षा और सम्मान स्वाभाविक रूप से आए और जहां हमारी महिलाएं निडर होकर रह सकें।

कहीं होगी नई राजेश से मुलाकात तो कहीं निकलेगी बारात

इस सप्ताह एण्डटीवी के हप्पू की उलटन पलटनमें गीतांजलि मिश्रा नई राजेश के रूप में धमाकेदार एंट्री करेंगी। वहीं, दूसरी माँ में यशोदा अपने बच्चों की भलाई के लिये संघर्ष जारी रखेगी, जबकि भाबीजी घर पर हैं में दर्शक एक शादी देखेंगे। एण्डटीवी के हप्पू की उलटन पलटन की आगामी कहानी के बारे में बताते हुये नई राजेश ऊर्फ गीतांजलि मिश्रा ने कहा, राजेश के रूप में मेरी एंट्री के साथ दर्शक एक मजेदार कहानी देखेंगे। कटोरी अम्मा (हिमानी शिवपुरी) अपने पति खोदी लाल (शरद व्यास) के अपनी शादी की सालगिरह भूल जाने से नाराज हैं और वह अपनी दोस्त जमिला के साथ एक रात बिताती हैं। हालांकि, परिवार वालों ने उनके लिये एक सरप्राइज की योजना बनाई है, जहां गुस्से में आकर कटोरी अम्मा तलाक का ऐलान कर देती हैं। वह राजेश (गीतांजलि मिश्रा) को जज और बेनी (विश्वनाथ चटर्जी) को अपना डाइवोर्स लॉयर बनाती हैं। इस बीच, हप्पू बेनी के खिलाफ केस लड़ता है और खोदी लाल को सपोर्ट करता है। एण्डटीवी की दूसरी माँ की कहानी के बारे में बताते हुये यशोदा कहती हैं, आस्था (अद्विका शर्मा) यशोदा (नेहा जोशी) को बिना बताये उसका घर छोड़ देती है और वापस गुप्ता निवास लौट आती है।

दोस्ती के अनमोल रिश्ते याद किए

हर साल अगस्त के पहले रविवार को मनाया जाने वाला यह खास दिन

हमें उस शानदार केमिस्ट्री की याद दिलाता है, जिसे हम अपने दोस्तों के साथ शेयर करते हैं। यह हमें अपनी जिंदगी के असली रिश्तों की अहमियत समझाता है। फ्रेंडशिप डे के इस खास मौके पर मैत्री की श्रेनु पारिख, प्यार का पहला नाम राधा मोहन की निहारिका रॉय, कुंडली भाग्य के बसीर अली, कुमकुम भाग्य के कृष्णा कौल, भाग्य लक्ष्मी की ऐश्वर्या खरे, रब से है से दुआ की अदिति शर्मा और प्यार का पहला अध्याय शिवशक्ति की निक्की शर्मा जैसे जी टीवी के कलाकारों ने दोस्ती के मायने समझाए और बताया कि कैसे दोस्त उनकी जिंदगी का ऐसा परिवार होते हैं, जिसे वो खुद चुनते हैं।ऐश्वर्या खरे ने कहा, फ्रेंडशिप डे हमेशा मुझे उस वक्त की याद दिलाता है, जब हम सब छोटे थे और स्कूल में इसे अपने दोस्तों के साथ मनाते थे। फ्रेंडशिप बैंड्स खरीदने का उत्साह, अपने करीबी दोस्तों के लिए 2-3 खास बैंड्स रखना और उन्हें बांधने का बेसब्री से इंतजार करना कुछ ऐसा है, जो मुझे सबसे ज्यादा याद आता है।

अंशुल त्रिवेदी दयालु पटोला बुनकर के किरदार में नजर आएंगे

सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में प्रतिभाशाली अभिनेता अंशुल त्रिवेदी पुष्पा इम्पॉसिबल की कास्ट में शामिल हो गए हैं और कहानी में उनकी एंट्री एक महत्वपूर्ण मोड़ पर होती है। अंशुल एक विद्रोही लेकिन दयालु पटोला बुनकर, जुगल सीतलवाड़ का किरदार निभा रहे हैं। बाहर से कठोर दिखने के बावजूद, जुगल संवेदनशील और दयालु है, लेकिन अक्सर उसके आसपास की दुनिया उसे गलत समझती है।उन्होंने बताया कि पुष्पा इम्पॉसिबल में, मैं पटोला बुनकर जुगल का किरदार निभा रहा हूं। उसने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है, जिसके कारण वह निंदक लग सकता है, लेकिन वह गहराई से सहानुभूतिशील है। जुगल के रहस्यमय किरदार को सामने लाना रोमांचक और चुनौतीपूर्ण है। उसे बुनाई से गहरा लगाव है और अपनी कला के प्रति जुगल की सच्ची निष्ठा को प्रदर्शित करते हुए उसकी जटिल बातों को जीवंत करना एक संतुष्टिदायक अनुभव साबित होता है। उन्होंने कहा, एक कुशल पटोला बुनकर के रूप में, वह अपनी विशेषज्ञता दिखाता है और पुष्पा की सफलता की राह में उसे समर्थन और मार्गदर्शन देता है।

विश्वकसेन की गैंग्स ऑफ गोदावरी की पहली झलक आई सामने

विश्वकसेन की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर गैंग्स ऑफ गोदावरी ने अपने मनोरंजक शीर्षक घोषणा टीज? का खुलासा कर दिया है, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है। कृष्णा चैतन्य के निर्देशन में, फिल्म में नेहा शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अंजलि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टीज? में, विश्वकसेन ने पहले कभी न देखे गए कच्चे और देहाती अवतार को कुशलतापूर्वक अपनी बोली को बदलते हुए दिखाया है, जो साजिश को बढ़ाता है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।